ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com ● रांची ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 06 ● विक्रम संवत 2080 ● रविवार, 19 नवंबर 2023 ● वर्ष-24 ● अंक- 284 ● पृष्ठ-12 ● मूल्य ₹ 2.00

शुभकामनाएं

राष्ट्रीय नवीन मेल के सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं, हॉकरों एवं शुभचिंतकों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश की सूचना

छठ महापर्व पर राष्ट्रीय नवीन मेल कार्यालय 19 नवंबर (रविवार) को बंद रहेगा। अतः अखबार का अगला अंक 21 नवंबर (मंगलवार) को प्रकाशित होगा।

आईसीसी वर्ल्ड कप 2023

फाइनल मैच आज

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, अहमदाबाद में (2 बजे से)

प्रदेश के जेलों की चहारदीवारी के भीतर भी गूंज रहे छठ गीत

80 से ज्यादा कैदी कर रहे हैं व्रत

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड में जेलों की चहारदीवारी के भीतर भी छठ महापर्व को लेकर भक्ति और आस्था का अनूठा माहौल है। राज्य की अलग-अलग जेलों में इस वर्ष तकरीबन 80 कैदी छठ व्रत कर रहे हैं। शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ इन बंदियों ने व्रत का संकल्प लिया। शनिवार शाम खरना पूजा के लिए खीर-रोटियां बनाई जा रही हैं। जेलों में प्रशासन ने इन सभी के लिए फल-फूल, प्रसाद, सूप-दौरी, नये वस्त्र और पूजन सामग्री का इंतजाम किया है। सूर्य देवता को अर्घ्य देने के लिए जेलों के अंदर ही अस्थायी तालाब या कृत्रिम जलाशय बनवाये गये हैं।

छठ पर तीन दिनों का निर्जला उपवास करने वाले बंदियों में एक दर्जन ऐसे हैं, जो हत्या जैसे अपराधों के लिए सजा काट रहे हैं। छोटे-बड़े अपराधों के चलते जेल पहुंचे कैदी अपने गुनाहों के लिए छठ माता से क्षमा मांगेंगे।

झारखंड की सबसे पुरानी और ऐतिहासिक हजारीबाग स्थित जयप्रकाश केंद्रीय कारा के अधीक्षक ने बताया कि इस वर्ष 40 कैदी छठ व्रत कर रहे हैं। इनमें महिला और पुरुष दोनों हैं। शनिवार को पूरे दिन उपवास के बाद व्रती शाम में खरना करेंगे। खरना प्रसाद के लिए खीर-रोटी बनायी जा रही है। रविवार को जेल में ही बने तालाब पर शाम का अर्घ्य और सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा।

छठ घाट पर विशेष सजावट भी की गयी है। विशेष प्रसाद ठेकुआ बनाने में व्रतियों के साथ-साथ कई अन्य कैदी सहयोग कर रहे हैं। जेल प्रशासन ने सभी को मंजूरी देते हुए उनके लिए सभी जरूरी व्यवस्था उपलब्ध करायी है। शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ ही चहारदीवारी के भीतर छठ गीत गूंजने लगे थे।

जेल अधीक्षक के अनुसार, व्रत को लेकर सामान्य कैदी भी उत्साहित हैं और वे इसके लिए हर तरह की व्यवस्था में हाथ बंटा रहे हैं। जमशेदपुर स्थित घाघीडीह सेंट्रल जेल में करीब एक दर्जन और रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में पांच महिलाएं और एक पुरुष कैदी छठ की उपासना कर रहे हैं। रांची जेल में छठ व्रत पर उपवास करने वालों में सितारा देवी, संतोषी देवी, ललिता देवी, सरिता देवी के अलावा कृष्णदेव महतो शामिल हैं।

रांची में जेल प्रशासन ▸▸ शेष पृष्ठ 11 पर

इजरायल पर हमले की थी प्लानिंग

रिमांड पर दो आतंकी

ग्रीन कॉरिडोर बना घायल जवान को किया गया दिल्ली एयरलिफ्ट

नवीन मेल संवाददाता। रांची

8 नवंबर को झारखंड के गोड्डा और हजारीबाग से गिरफ्तार दोनों आतंकियों को एटीएस ने रिमांड पर लिया है। गिरफ्तार आतंकियों से अगले 4 दिनों तक एटीएस के द्वारा पूछताछ की जाएगी। आतंकी संगठन आईएसआईएस के संदिग्ध आतंकी मो आरिज हसनैन और मो नसीम उर्फ मोहसिन को झारखंड एटीएस के द्वारा इसी महीने गिरफ्तार किया गया था।

एटीएस को मिला रिमांड

गिरफ्तार दोनों आतंकियों से पूछताछ करने के लिए एंटी टेरेरिस्ट स्क्वाड के द्वारा अदालत में अर्जी दी गई थी। जिसके बाद अदालत ने गुड्डा के रहने वाले आतंकी आरिज और हजारीबाग के रहने वाले मोहम्मद नसीम से एटीएस को अगले चार दिनों तक पूछताछ की इजाजत दी। शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच एटीएस की टीम दोनों आतंकियों को लेकर एटीएस मुख्यालय पहुंची जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। एटीएस को यह सूचना मिली है कि दोनों आतंकियों के सीने में कई ऐसे दफन राज हैं जिनके खुलाशे के बाद झारखंड में छुपे हुए स्लीपर सेल के कई एजेंट गिरफ्तार किया जा सकते हैं।

8 को हुई थी गिरफ्तारी

एटीएस ने खुलासा किया है कि दोनों संदिग्ध आतंकी पाकिस्तान और अफगानिस्तान के आतंकियों के संपर्क में थे। वहीं दोनों का लक्ष्य फिलिस्तीन जाकर इजराइल के खिलाफ संघर्ष में शामिल होने की थी। एटीएस ने अपने बयान में यह बताया था कि फिलिस्तीन जाकर दोनों ने फिदायनी हमला कर मस्जिद-ए-अल-अक्सा को यहूदियों से आजाद कराने का लक्ष्य रखा था। दोनो के साल 2020 में फेसबुक के माध्यम से कश्मीरी युवक- युवतियों से भी संपर्क में आने की बात सामने आयी है। इस बिंदू पर एटीएस दोनो आतंकियो से पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार आतंकियो में आरिज गोड्डा के रहमतनगर महमुदनगर के असनबानी का रहने वाला है। आरिज की निशानदेही पर ही एटीएस ने मो नसीम को हजारीबाग के कटकमसांडी इलाके के पेलावल महतो टोला से गिरफ्तार किया था।

झारखंड के चाईबासा में आईईडी विस्फोट में घायल हुए सीआरपीएफ के कांस्टेबल जयन्ता नाथ को बेहतर इलाज के लिए रांची से दिल्ली शिफ्ट कर दिया गया है। शनिवार को रांची पुलिस के द्वारा ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण कर अस्पताल से घायल जवान को रांची एयरपोर्ट पहुंचाया गया।

ग्रीन कॉरिडोर बना : आईईडी ब्लास्ट में घायल जवान जीडी जयन्ता नाथ को बेहतर इलाज के लिए एयर एंबुलेंस के जरिए दिल्ली के एम्स भेज दिया गया है। शुक्रवार की शाम जयन्ता नाथ को रांची के आर्किड अस्पताल में घायल होने के बाद भर्ती करवाया गया था। गंभीर रूप से घायल होने की वजह से सीआरपीएफ के अधिकारियों ने निर्णय लिया कि जयन्ता का इलाज दिल्ली में करवाया जाएगा। निर्णय लेने के बाद रांची ट्रैफिक पुलिस के द्वारा अस्पताल से एयरपोर्ट तक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर मात्र 12 मिनट में घायल जयन्ता को रांची एयरपोर्ट पहुचा दिया।

एयर एंबुलेंस से भेजा गया दिल्ली : घायल कांस्टेबल जयन्ता नाथ को एयर एम्बुलेंस के जरिए दिल्ली भेजा गया है। दिल्ली के एम्स अस्पताल में अब उनका इलाज चलेगा।

ऐसे हुआ खुलासा

एटीएस को जानकारी मिली थी कि मो आरिज हसनैन आईएसआईएस में सक्रिय होकर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से संगठन का प्रचार प्रसार कर रहा है। सोशल मीडिया के ही माध्यम से युवाओं को रेडिक्लाइज करने की मुहिम में आरिज लगा था। सूचना मिलने के बाद दो नवंबर को एसटीएस ने सन्हा दर्ज कर एक टीम जांच के लिए गोड्डा भेजा था।जांच के क्रम में संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्तता सामने आने पर आरिज को रांची लाया गया। जहां आतंकी संगठनों से संपर्क की पुष्टि हुई। पुलिस को आरिज के मोबाइल से चैट भी मिला। जो चैट मो नसीम के साथ था। नसीम ने जेहाद और कुफ्र विथ तागूत पुस्तक आरिज को भेजी थी।दोनों किताबें आईएसआईएस के नजरिए को बताती हैं।

आईएसआईएस से ली है दीक्षा

जांच के क्रम में ईडी ने पाया कि नसीम और आरिज ने आईएसआईएस से दीक्षा पायी है। संगठन का दीक्षा पत्र भी मोबाइल में मिलने का खुलासा किया गया है। पूछताछ में आरिज और नसीम ने बताया है कि दोनों आईएसआईएस के प्रतिबंधित वीडियोज डॉक नेट के जरिए देखते थे। इसका प्रचार प्रसार भी उनके द्वारा किया जाता था।

एक जवान हुए थे शहीद

झारखंड के चाईबासा जिला के गोइलकेरा थाना क्षेत्र के हाथीबेड़ा में हुए आईईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ 94 बटालियन के एक कांस्टेबल संतोष शहीद हो गए थे जबकि दो अन्य घायल हुए थे। घायलों में सीआरपीएफ 60 बटालियन के सेकंड इन कमांड वेजेटो टीनाई और कांस्टेबल जयंता नाथ शामिल है।जयन्ता को एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया था।अब उनका इलाज दिल्ली में किया जा रहा है।

आईईडी क्लीन करने निकले थे जवान

मिली जानकारी के अनुसार सीआरपीएफ 60 बटालियन के सेकंड इन कमान एजेतो तिने अपने साथ बम निरोधक स्कॉयड को लेकर चाईबासा के गोईलकेरा थाना क्षेत्र के हाथी बेड़ा जंगल में आईईडी क्लीन करने के लिए निकले थे। सूचना मिली थी कि इस इलाके मैं नक्सलियों के द्वारा बड़े पैमाने पर आईईडी जमीन के नीचे लगा कर रखा गया है। सूचना पर कारवाई करते हुए आईईडी निकालने का काम चल ही रहा था कि अचानक एक आईईडी में ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट की वजह से मौके पर मौजूद बीडीडीएस टीम के सन्तोष उरांव शहीद हो गए थे।

अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को छठव्रती देंगे पहला अर्घ्य आज

गिरिडीह : पेड़ से टकराई बारातियों की स्कार्पियो, छह लोगों की मौत

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह

झारखंड के गिरिडीह जिले के बिरनी और मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके सिंधवारिया के बाघमारा गांव में शनिवार तड़के सड़क हादसे में छह बारातियों की मौत हो गई। मृतकों में चार की पहचान हो पाई है। वह हैं- मो. यूसुफ मियां (72) , इम्तियाज मियां (40), सुभान अंसारी (35) और स्कार्पियो मालिक व चालक साहिर अंसारी। घायलों में याकूब अंसारी (75) और आफताब अंसारी (35) शामिल हैं। दोनों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया है। यह जानकारी पुलिस ने दी। मौका मुआयना कर लौटे मुफ्फसिल थाना प्रभारी कमलेश पासवान और बिरनी थाना प्रभारी मृत्युंजय सिंह ने बताया कि दोनों घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गजोडीह निवासी डॉ. फारूक अंसारी के पुत्र की शादी थी। दुर्घटनाग्रस्त स्कार्पियो साहिर अंसारी की थी। वह ही उसे चला रहा था। पुलिस ने बताया कि बारात में जाने के लिए स्कार्पियो को लोग किराये पर लेकर मुफ्फसिल थाना इलाके के टिकोडीह गांव गए थे। बारात में शामिल होकर सभी वापस घर बिरनी लौट रहे थे। रास्ते में बाघमारा गांव के पास यह हादसा हो गया। पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई। एक ▸▸ शेष पृष्ठ 11 पर

राज्यपाल ने सड़क हादसे में छह लोगों की मौत पर जताया शोक

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने गिरीडीह में हुए सड़क हादसे में छह लोगों की मौत पर शोक जताया है। राज्यपाल ने शनिवार को कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। ईश्वर शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। हादसे में घायल व्यक्ति के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

सड़क हादसे पर सीएम हेमंत ने जताया दुःख

सीएम ने कहा कि गिरिडीह में सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत की दुःखद खबर से मन आहत है। परमात्मा दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह घड़ी सहन करने की शक्ति दें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने दुर्घटना में घायल व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया है। उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

महाफर्जी यानी डीप फेक वरदान या अभिशाप

पीएम मोदी से लेकर बड़े सेलेब्रेटी बने शिकार

सुनील बादल

पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट, अखबारों और टीवी न्यूज की दुनिया में डीपफेक शब्द सुर्खियों में है। कई लोगों ने शायद पहली बार यह शब्द सुना होगा। एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना से लेकर कटरीना कैफ और काजोल से लेकर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर जैसे सेलिब्रिटीज डीपफेक टेक्नोलॉजी के शिकार हो रहे हैं। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी डीप फेक को लेकर चिंता जाहिर कर दी है। पीएम मोदी ने डीप फेक को लेकर मीडिया से लोगों में जागरुकता फैलाने की बात भी कही है।

उन्होने कहा एआई यानी कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल करके डीपफेक बनाना चिंताजनक है। पीएम ने कहा, 'डीपफेक भारत के सामने मौजूद सबसे बड़े खतरों में से एक है, इससे अराजकता पैदा हो सकती है।' उनका कहना है कि डीपफेक समाज में बड़ी अशांति पैदा कर सकता है। पिछले दिनों उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें पीएम गरबा खेलते हुए दिखाई दे रहे हैं। कभी सकारात्मक उद्देश्य से शुरू हुआ डीपफेक अब नकारात्मक इस्तेमाल की वजह से अपराध बन चुका है।

▸▸ क्या है डीपफेक

किसी रियल वीडियो में दूसरे के चेहरे को फिट कर देने को डीपफेक कहते हैं, जिसे लोग सच मानते हैं। डीपफेक से वीडियो और फोटो को बनाया जाता है। इसमें मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा लिया जाता है। इसमें वीडियो और ऑडियो को टेक्नोलॉजी और सॉफ्टवेयर की मदद से बनाया जाता है। इसी डीपफेक से वीडियो बनाया जाता है। साधारण शब्दों में समझें तो इस टेक्नोलॉजी कोडर और डिकोडर टेक्नोलॉजी की मदद ली जाती है। डिकोडर सबसे पहले किसी इंसान के चेहरे को हावभाव और बनावट की गहन जांच करता है। इसके बाद किसी फर्जी फेस पर इसे लगाया जाता है, जिससे हुबहू फर्जी वीडियो और फोटो को बनाया जा सकता है। डीपफेक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग से तैयार किया गया या मनोरंजन/मीडिया का वह अवास्तविक रूप है, जिसका उपयोग ऑडियो और विजुअल कंटेंट के माध्यम से लोगों को बहकाने अथवा गुमराह करने के लिये किया जा सकता है।

समझें डीपफेक बनाने की प्रक्रिया

डीपफेक जेनरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क नामक तकनीक का उपयोग करके तैयार किये जाते हैं, जिसमें जनरेटर/उत्पादक और डिस्क्रिमीनेटर/विभेदक नामक दो प्रतिस्पर्द्धी न्यूरल नेटवर्क शामिल होते हैं। जनरेटर अवास्तविक छवियां अथवा वीडियो बनाने में मदद करता है, ये दिखने में वास्तविक जैसे होते हैं और डिस्क्रिमीनेटर जनरेटर द्वारा बनाए गए डेटा से वास्तविक डेटा को अलग करने का प्रयास करता है। डिस्क्रिमीनेटर की प्रतिक्रिया से सीखते हुए जनरेटर अपने आउटपुट में सुधार करता है जब तक कि वह विभिन्न परिणाम प्रदर्शित करके डिस्क्रिमीनेटर को दुविधा की स्थिति में नहीं ला देता है।

डीपफेक बनाने के लिये स्रोत और लक्षित व्यक्ति के फोटो अथवा वीडियो के रूप में बड़ी मात्रा में डेटा की आवश्यकता होती है, जिसे अक्सर उस व्यक्ति की सहमति अथवा जानकारी के बिना इंटरनेट या सोशल मीडिया से एकत्र कर लिया जाता है। डीपफेक डीप सिंथेसिस प्रौद्योगिकी का एक हिस्सा है, जो आभासी दृश्य बनाने के लिये टेक्स्ट, चित्र, ऑडियो तथा वीडियो बनाने के लिये डीप लर्निंग और संवर्द्धित वास्तविकता सहित अन्य प्रौद्योगिकियों का उपयोग करता है। डीप लर्निंग तकनीक से दुर्लभ ऑडियो कंटेंट को रिस्टोर करने और ऐतिहासिक कृतियों का पुनर्निर्माण करने के लिये सार्थक उपयोग भी किया जा सकता है। कलात्मक अभिव्यक्ति को बेहतर बनाने के लिये ▸▸ शेष पृष्ठ 11 पर

25 व 26 नवंबर को सभी बूथों पर दिखाई जायेगी मतदाता सूची

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी विधानसभा के पोलिंग बूथों पर जहां आप अपना वोट डालते हैं। 25 नवंबर शनिवार व 26 रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक फोटो मतदाता सूची प्रदर्शित की जायेगी। जिसे देखकर आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं, कि आपका नाम मतदाता सूची में है, या नहीं, यदि है तो उसमे कोई गलती तो नहीं है, यदि कोई गलती है, तो आप सुधारने हेतु फार्म भर सकते हैं। इस के अतिरिक्त नए वोटर कार्ड के लिए नए फॉर्म भरा जाएगा। नया वोटर कार्ड बनवाने के लिए ये कागजात साथ लेकर जाएं। दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो। राशन कार्ड की फोटो कॉपी। या आधारकार्ड की फोटो कॉपी। या जन्मतिथि प्रमाण-पत्र की फोटो कॉपी। आवेदक की उम्र 18 वर्ष होनी चाहिए) घर के किसी एक सदस्य के वोटर कार्ड की फोटो कॉपी। पोलिंग बूथ पर बीएलओ बैठेंगे। वोटर लिस्ट में अपना नाम जरूर चैक कर लें, इस भरोसे में न रहें कि पिछले चुनाव में हमने वोट डाला था, तो हमारा लिस्ट में नाम तो होगा ही, ऐसा नहीं है, जो अब नई लिस्ट आई है, उसमें बहुत लोगों के नाम नहीं हैं। यदि आपका वोटर लिस्ट मे नाम नहीं है,तो 6 नम्बर फार्म भर कर अपना नाम जरूर जुड़वा लें। वोटर कार्ड से संबंधित किसी अन्य समस्या के लिए भी इसी दिन अपने बूथों पर बीएलओ से संपर्क किया जा सकता है! आयोग ने कहा है कि अपना वोट जरूर बनवाएं और आईडी मजबूत रखें, वरना आगे चलकर बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, अपने अधिकारों को लेकर खबरदार रहें, जरा सी भी लापरवाही आगे चलकर बड़ा नुकसान दे सकती है।

गागर में सागर

हिंदुओं की भावना के साथ खेल रही है राज्य सरकार : आशा लकड़ा

रांची। रांची की पूर्व मेयर डा. आशा लकड़ा ने मांडर में एक साथ चार मंदिरों में स्थापित देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को खंडित किए जाने की घटना को निंदनीय बताया है। शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। हिंदुओं की भावना के साथ राज्य सरकार खिलवाड़ कर रही है। फिलहाल हिंदुओं के महापर्व छठ पूजा के दौरान इस प्रकार की घटना होना राज्य सरकार की कमजोर कानून व्यवस्था को दर्शा रही है। इससे पूर्व पांच नवम्बर को बोकारो में एक मंदिर पर असामाजिक तत्वों ने हमला कर मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया था। मूर्तियों को तोड़ने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल किया गया था।

रांची हटिया डैम स्थित सिटी और छठ घाट पर एनडीआरएफ की टीम, जिला प्रशासन और रांची पुलिस ने निरीक्षण किया।

श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति ने छठ व्रतियों के बीच बांटी पूजन सामग्री

रांची। शनिवार कों श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति के द्वारा छठव्रतियों के बीच पूजा सामग्री बांटी गयी।इस छठ पूजन कों लेकर वितरण सामग्री इस धार्मिक कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति के मुख्य संरक्षक किशोर साहू, वरिष्ठ संरक्षक शेखर गुप्ता, आयोजक संजय सिंह (लल्लू सिंह), संरक्षक नन्द किशोर सिंह चंदेल इस सेवा में बढ़-चढ़ कर भाग लें रहे है।इस अवसर पर 101 छठ व्रतियों कों छठ पूजन सामग्री के साथ दौरा, सूप, नारियल, गुड, पूजा सामग्री, आटा, डालडा, घी मिठाई प्रदान की गयी।

अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी ने की छठ घाट की सफाई

रांची। शहर के घाटों की सफाई व अन्य तैयारियां में शनिवार को रांची के बड़ा तालाब में अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी ने घाट की सफाई कर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया और घाट पर खराब लाइटों को भी सही कराया। कई तालाबों के आस-पास नगर निगम ने सफाई कर दी है। लेकिन कई स्थान ऐसे हैं जहां सफाई होनी बाकी है। उन स्थानो की शनिवार को महानगर अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी ने सफाई कार्यक्रम के तहत राजधानी के कई घाट की सफाई की। इसके साथ ही घाट के आस-पास की लाइट व्यवस्था को भी दुरुस्त कराया। मौके पर महानगर अध्यक्ष हुसैन खान ने कहा कि हमलोग वर्षों से भाईचारे का मिसाल कायम करते हुए सभी पर्व एकता व सौहार्द्र के साथ मनाते आ रहे हैं। इस वर्ष भी छठ व्रतियों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो इसको लेकर कांग्रेस अल्पसंख्यक ने भाईचारे व एकता का मिसाल कायम करते हुए छठ घाट की साफ सफाई की। मौके पर मो सफार, अरबाज आमीर, ओयेस, रमजान अंसारी, जुगनू, असलान पठान सोनू, फिरोज, परवेज, सन्नी, आदि लोग मौजूद थे।

अतीक और परवेज की जोड़ी को मो.मीर और यूनुस की जोड़ी ने दो सेटों में हराया

रांची। मॉर्निंग ग्रुप के तत्वावधान में खेले जा रहे चौथा मौलाना अबुल कलाम आजाद बैडमिंटन टूर्नामेंट में शनिवार को खेले गए पहले मैच में गत विजेता अतीक अहमद कुस्सु और परवेज की जोड़ी को मो मीर और यूनुस की जोड़ी ने बड़े आसानी से लगातार दो सेटों में हरा कर दो प्वाइंट अर्जित किया, वहीं आज के दूसरे मैच में डॉक्टर शेरान अली और अब्दुल खालिक नन्हू की जोड़ी ने शुशांत देव और मो नसीम की जोड़ी को हराया, इसके पूर्व आज के मुख्य अतिथि इकबाल अंसारी और अब्दुल मन्नान ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया जबकि आज के मैच में अकील उर रहमान, नेशात अनवर पप्पू ,हसन सैफी,ने मैच रेफरी की भूमिका निभाई।

रांची रेल मंडल डीआरएम ने मुरी स्टेशन का किया निरीक्षण

सिल्ली। रांची रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जसमीत सिंह बिंद्रा अपने स्पेशल सेलून से शनिवार को मुरी स्टेशन पहुंचे जहां उन्होंने निरीक्षण के क्रम में इलेक्ट्रॉनिक वजन घर का जायजा लिया तथा आर आर आई बिल्डिंग का भी गहनतापूर्वक निरीक्षण किया। बिल्डिंग में लगे पैनल बोर्ड के बारे में बारिकी से कर्मचारियों से पूछताछ किया वहीं रेलवे क्वार्टर के बारे में भी जानकारी लिया कर्मचारियों ने रेलवे क्वार्टर में पानी की आसुविधा के बारे में डीआरएम को जानकारी दिया साथी साथ रेलवे ट्रैक पर पड़े प्लास्टिक तथा अन्य कचरा को अविलंब साफ -सफाई करने को लेकर अधिकारीयों को निर्देश दिया एवं रेलवे कर्मचारियों से रेलवे कॉलोनी के बारे में भी जानकारी लिया। वही याड का नए सिरे से विस्तार करने का आदेश दिया। इस मौके पर रेलवे के सहायक मंडल अभियंता ए के तिवारी, स्टेशन प्रबंधक राकेश कुमार, स्टेशन मास्टर एस आर गुप्ता, सहायक मंडल सुरक्षा आयुक्त अजय शंकर, रेलवे सुरक्षा बल मुरी के थाना प्रभारी रूपेश कुमार समेत दर्जनों रेलकर्मी मौजूद रहे।

हर संकट से उबरने की शक्ति है छठी मैया में

आईपीएस परिवार की गहरी आस्था है महापर्व छठ में

नवीन मेल संवाददाता। रांची

महापर्व छठ राष्ट्रीय पर्व जैसा बन गया है यह कहना खुद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का और यह एक बड़ी सच्चाई भी है। आम हो या खास सभी कठिन व्रत कर छठी मैया का आशीर्वाद पाना चाहते हैं। राजधानी रांची में भी महापुरुष छठ को लेकर बेहद उत्साह है. कई बड़े अधिकारी भी खुद छठ व्रत कर रहे हैं। रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा की पत्नी कंचन सिंह जो खुद समाज कल्याण विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर हैं वह भी पूरे नेम के साथ छठ व्रत कर रही है। राजधानी के कानून व्यवस्था संभाल रहे और छठ व्रतियों को कोई कठिनाई न हो इसकी व्यवस्था में लगे उनके पति रांची के सीनियर एसपी चन्दन सिन्हा भी समय निकालकर महापर्व में उनकी मदद कर रहे हैं।

पूरा पुलिस परिवार साथ : रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा की पत्नी कंचन सिंह समाज कल्याण विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर हैं। दोनों पति-पत्नी के मन में महापर्व छठ को लेकर गहरी आस्था है. इस बार रांची में कंचन सिंह महापर्व छठ पूरे नाम के साथ अपने परिवार और पुलिस परिवार के साथ कर रही हैं. किसी महकमे में बड़े पद पर होना कई तरह की जिम्मेवारियां साथ लेकर आता है, सरकारी काम काज से समय निकालकर महापर्व छठ करना अपने आप में छठी मईया की महिमा को दशार्ता है. कंचन सिंह बताती हैं कि रांची में महापर्व छठ करना बड़ी चुनौती है क्योंकि यहां उनके पति के साथ-साथ उनके भी कई काम है लेकिन छठी मैया के कृपा से पूरे परिवार के साथ एसपी आवास में पहली बार महापर्व छठ कर रही है. छठ पर्व में पूरा पुलिस परिवार उनका सहयोग कर रहा है।

माता की कृपा है पूरे परिवार : कंचन सिंह के अनुसार उनके परिवार पर छठी मैया का बहुत कृपा है. छठी मैया की कृपा से बड़े-बड़े संकट भी दूर हुए हैं. छठ पर्व को लेकर कंचन सिंह बेहद भावुक हो जाती हैं वह कहती हैं कि कई बार जीवन में ऐसा लगता है कि अब कोई उपाय नहीं बचा है ऐसे समय में छठी मैया मदद करती हैं।

पति समय निकाल कर करते है मदद : रांची के सीनियर एसपी चंदन सिन्हा बताते हैं कि वैसे तो काफी कम समय होता है राजधानी जैसे शहर में जब आप एसएसपी के पद पर हो। लेकिन कानून व्यवस्था की स्थिति को संभालते हुए सारी व्यवस्था को जमी पर उतरते हुए उसे जो समय बचता है उसे वह अपने पत्नी की मदद में गुजारते है। एसएसपी के अनुसार छठ महापर्व बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाता है, ऐसे में बड़ी संख्या में लोग प्रसाद ग्रहण के लिए आवास पर आते हैं जिनकी सारी व्यवस्था करना उनकी जिम्मेवारी है।

रेल टेका आंदोलन के आरोपियों को रेलवे कोर्ट से मिली जमानत

रांची। रेल टेका आंदोलन के दौरान आरोपी बनाए गए अभियुक्तों को रेलवे न्यायालय ने जमानत दे दी है. इसी वर्ष 20 सितंबर को टोटेमिक कुड़मी विकास मोर्चा के बैनर तले कुड़मी जाति को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने की मांग को लेकर 12 घंटे तक रेल परिचालन रोका गया था. जिसके बाद मुरी आरपीएफ ने 1561/2023 केस दर्ज की किया था. प्राथमिकी में रेलवे एक्ट की धाराएं 145,146,147,174(ए) लगाई गई थी. इस मामले में शीतल ओहदार, हरमोहन महतो, सखीचंद महतो, दानिसिंह महतो, सपन कुमार महतो और सोनालाल महतो को नामजद अभियुक्त बनाया गया था. आरोपियों की ओर से अधिवक्ता शशिरंजन महतो ने रेलवे कोर्ट में सरेंडर कम बेल फाइल किया था. जिसपर सुनवाई के बाद रेलवे न्यायालय ने सभी आरोपियों को जमानत दे दी है।

झारखंडी संस्कृति की विरासत है सोहराय जतरा : रामेश्वर उरांव

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंडी संस्कृति की विरासत है सोहराय जतरा, इसे बचाए रखने की जरूरत है, सोहराय जतरा सभी संप्रदाय को आपस में जोड़ने का भी सशक्त माध्यम है, उक्त विचार झारखण्ड सरकार के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव चांदनी चौक हटिया में सरना समिति उरांव बस्ती हटिया द्वारा आयोजित सोहराय जतरा में प्रकट किया।इसके पूर्व सोहराय जतरा का उद्घघाटन आज संध्या 5.30 बजे मुख्य अतिथि वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव एवं विशिष्ट अतिथि प्रदेश कांग्रेस कमिटी के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार दूबे ने संयुक्त रूप से किया। जतरा का मुख्य आकर्षण खोड़हा नाच रहा। जतरा में आदि गांव से खोड़हा टीम के सदस्य ढोल नगाड़े के साथ नाचते गाते शामिल हुए। जतारा समिति के द्वारा सभी खोड़हा टीमों को सम्मानित भी किया गया। मेला की शुरूआत यात्रा कोटा में अतिथियों द्वारा जतरा खूंटा में पूजा अर्चना कर की गई।

जतरा में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा हमारी संस्कृति बनी रहे,आगे बढ़ती रहे,हम गांव गांव में अखड़ा बनाऐंगे।मांदर,ढ़ोल,नगड़ा,अखड़ा,जतरा टांड़ भी होना चाहिए।हम मुहिम जहां जहां भी अखड़ा है उसे बचाने के लिए। जिससे भी बात करनी होगी हम बात करेंगे।एसटी कमीशन में रहते हुए देशभर में हमने आदिवासियों के अखड़ा बनाने के लिए प्रयास किया, उन्होंने उदाहरण के तौर पर कहा राजधानी रांची में भी डीपीएस स्कूल के समक्ष तत्कालीन स्टील मिनिस्टर स्व रामविलास पासवान से बात कर आरएनडी सेल से अखड़ा के लिए जमीन दिलाने का काम किया।एसटी कमीशन में रहते हुए राउरकेला में 5 एकड़ जमीन सरना समिति को दिलाने का काम किया। सोहराय पशुधन की पूजा है,गांव में हम बचपन मे मनाते थे। सामाजिक व सांस्कृतिक पर्व है सोहराय जतरा।बड़ी खुशी है रांची जैसे शहर में भी आदिवासी समाज अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक हैं। सरकार को संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आगे आना चाहिए।एचईसी प्रबंधन को चाहिए कि आदिवासी के अखड़ा एवं जतरा टांड़ जमीन जहां-जहां भी है उसे वापस किया जाए। कांग्रेस नेता आलोक कुमार दूबे ने कहा गोवर्धन पूजा के साथ ही आदिवासियों का सोहराय पर्व प्रारंभ हो जाता है। सोहराय जतरा का संबंध सृष्टि की उत्पत्ति से जुड़ा हुआ है, यह सिर्फ त्यौहार ही नहीं जीवन का दर्शन भी है।सोहराय हमें बताता है कि केवल हमें ही जीने का अधिकार नहीं हैं बल्कि पेड़ पौधे और प्रकृति के साथ ही साथ पशु जो हमारे जीवन का अभिन्न अंग है उसे भी जीने का अधिकार है। जनजाति संस्कृति और चिंतन पेड़ पौधे से लेकर जीव जंतु तक की चिंता करता है। सोहराय जतरा के आयोजन में समिति के अध्यक्ष सतीश गाड़ी, उपाध्यक्ष जगन्नाथ, सचिव जेकब तिर्की, कोषाध्यक्ष सुरेश उरांव, मनीष पाहन,महेंद्र उरांव, विजय किस्पोट्टा,रोहित तिर्की, लच्छू उरांव, सिकंदर लकड़ा, सुमित तिर्की का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रामचंद्र सिंह 22 नवंबर को उत्कृष्ट विधायक सम्मान से होंगे सम्मानित

पांच विधानसभा कर्मी भी होंगे पुरस्कृत

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मनिका विधायक रामचंद्र सिंह इस बार के उत्कृष्ट विधायक चुने गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो के आवास पर हुई विधायक उत्कृष्ट पुरस्कार चयन समिति की बैठक में इसका निर्णय लिया गया। विधानसभा के 23वें स्थापना दिवस समारोह में उन्हें सम्मानित किया जाएगा। बैठक में स्पीकर रविंद्रनाथ महतो, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, संसदीय कार्यमंत्री आलमगीर आलम, विधायक स्टीफन मरांडी, कमलेश सिंह और आनंद मोहन मौजूद थे।

अब तक के सर्वश्रेष्ठ विधायक 2001 विशेश्वर खां, 2002 हेमलाल मुर्मू, 2003 राजेंद्र प्रसाद सिंह, 2004 लोकनाथ महतो, 2005 अन्नपूर्णा देवी, 2006 राधाकृष्ण किशोर, 2007 पशुपति नाथ सिंह, 2008 इंदर सिंह नामधारी, 2010 जनार्दन पासवान, 2011 माधव लाल सिंह, 2012 रघुवर दास, 2013 लोबिन हेंब्रम,

2015 प्रदीप यादव, 2016 स्टीफन मरांडी, 2017 विमला प्रधान, 2018 मेनका सरदार, 2020 नलिन सोरेन, 2021 रामचंद्र चंद्रवंशी, 2022 बिनोद सिंह थे।

विधानसभा में कार्यरत उत्कृष्ट कर्मियों को भी दिया जाएगा सम्मान : इसके साथ ही उत्कृष्ट विधानसभा कर्मी के रूप में मिथलेश मिश्र, विष्णु पासवान, नेयाज अहमद, तापस कुमार, नीलेश कुमार सिंह इसके साथ ही विशेष रूप से महिला कर्मी माइकल लकड़ा को भी सम्मान दिया जाएगा। वहीं विधानसभा स्थापना दिवस के इस समारोह में वीर गति को प्राप्त कर चुके शहीद जवानों के परिजनों को भी सम्मानित किया जाएगा। चंद्रयान के वज्ञानिकों को भी सम्मानित किया जाएगा।

मंदिरों पर लगातार हो रहे हमलों की सीबीआई जांच कराये सरकार : प्रतुल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने हेमंत सोरेन सरकार के कार्यकाल में लगातार हिंदुओं के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने की घटना की कड़ी निंदा की। प्रतुल ने पिछले चार सालों में जितने भी ऐसी घटनाएं हुई है सबकी सीबीआई जांच करने की अनुशंसा करने की राज्य सरकार से मांग की है। प्रतुल ने कहा कि इस सरकार में तुष्टिकरण करने वाली शक्तियों को अपना-अपना सरकार वाली फीलिंग आ रही है। प्रतुल ने कहा कि मांडर में मुड़मा में पांच मंदिरों में प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त करने की घटना कोई पहली घटना नहीं है। इसके पूर्व जमशेदपुर में 8 अप्रैल, 2023 को हिंदुओं के धार्मिक झंडे में प्रतिबंधित मांस को बांधकर टांगा गया था और उसके बाद एक भीड़ ने एक मंदिर पर हमला किया था। पलामू के पांकी में सरकार ने शिव बारात पर रोक लगा दी थी। 27 सितंबर, 2023 को समुदाय विशेष के एक व्यक्ति ने हिंदपीड़ी थाना क्षेत्र में हनुमान के मंदिर में मूर्ति को खंडित किया था। बोकारो में भी

लगातार मंदिरों को निशाना बनाया गया । माराफारी थाना क्षेत्र के चंचली मंदिर और कासियाटांड़ में दो मंदिरों की मूर्तियों को खंडित किया गया।बोकारो के सेक्टर 4 थाना क्षेत्र के सूर्य मंदिर में भी असामाजिक तत्वों ने उत्पात मचाया था। पलामू के मेदनीनगर शहर के नवाटोली में ललित श्री राम मंदिर से 12 मुकुट चोरी हो गए और भगवान शंकर का त्रिशूल तोड़ दिया गया। प्रतुल ने कहा कि इसके अतिरिक्त भी इस प्रदेश में कई दर्जन ऐसी घटनाएं हुई है जिसमें मंदिरों को असामाजिक तत्वों के द्वारा निशाना बनाया गया है।

जुआ खेलते पांच लोग गिरफ्तार,भेजे गये जेल

रातू। थाना क्षेत्र के बिजुलिया आम बगीचा में शुक्रवार की रात 8 बजे छापेमारी कर पुलिस ने जुआ खेलते 6 लोगो को गिरफ्तार कर लिया। वही अंधेरे का फायदा उठाकर 150 से 200 लोग फरार हो गये। पुलिस ने वहाँ से जुआ खेलने में प्रयुक्त तास के पत्ते कब अलावा 10 हजार रूपया 1 कार व 9 बाइक जब्त कर लिया। गिरफ्तार लोगो मे बिजुलिया के जगदेव महतो पिता जयघर महतो,आदिल अंसारी पिता मो हनीफ अंसारी,अमित तिर्की पिता शशि उरांव अगड़ू का विक्रम तिग्गा पिता सुकरा मुंडा व फुटकलटोली के अफरोज अंसारी पिता रसीद अंसारी, दिलबाज अंसारी पिता इदरीश अंसारी शामिल है। सभी को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। वहीं छह लोगों को जुआ खेल को प्रोत्साहन एवं संरक्षण देने, रूपया डबल करने का लालच व रातो रात लखपति बनाने का सपना दिखाने के लिए पांच लोगों को आरोपी बनाया गया है।

दिल्ली के झारखण्ड पवेलियन में लोगों को खूब लुभा रहा है खनिजों के सैंपल

रांची/ नई दिल्ली

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2023 प्रगति मैदान आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। मेले में बनाये गए झारखण्ड पवेलियन में शनिवार के दिन काफी भीड़ देखने को मिली। पवेलियन में आने वाले लोग जहां एक ओर झारखण्ड के उत्पादों को पसंद कर रहे हैं और खरीद रहे हैं, वहीं झारखण्ड प्रदेश के विभिन्न विभागों की स्टाल पर उनकी योजनाओं की जानकारियां ले रहे हैं। झारखण्ड पवेलियन में बनाये गए झारखण्ड माइंस एंड जियोलॉजी डिपार्टमेंट के स्टाल पर लोगों की खूब भीड़ देखने को मिली। झारखण्ड माइंस एंड जियोलॉजी डिपार्टमेंट ने अपनी स्टाल पर अलग अलग खनिजों का लाइव डेमो रखा हुआ है। झारखण्ड माइंस एंड जियोलोजी प्रदर्शित किये गए खनिजों में ग्रेफाइट, कोल, आयरन, माइका, बॉक्साइट, क्यूनाइट लगाए गए है।

यहां लोगों को बताया जा रहा है कि ग्रेफाइट का उपयोग पेंसिल बनाने में, कोल का उपयोग ऊर्जा बनाने में, आयरन ओर का इस्तेमाल लोहा बनाने में, माइका का उपयोग पेंट बनाने में, बॉक्साइट का उपयोग अलुमिनियम बनाने में, काईनाइट का उपयोग रेफेक्टरी बनाने में किया जा रहा है। प्रदर्शित किये गए खनिजों के आलावा लाइम स्टोन, माइका, मैगनीज, यूरेनियम आदि भी पाया जाता है। पवेलियन में आने वाले स्कूल के बच्चों में खनिजों के सैंपल में रूचि दिख रही हैं। उनको खनिजों के प्रकार, उसके अन्वेषण और प्रसंस्करण की जानकारी दी जा रही है। गुरुग्राम से आये कुछ व्यवसायिओं से जानकारी साझा करते हुए सहायक निदेशक भूतत्त्व राकेश पन्ना ने बताया की झारखण्ड देश की कुल खनिज सम्पदा का 40% खनिज का आधिपत्य रखता है।

परमवीर अब्दुल हमीद, राहुल गांधी, जोबा मांझी को भारत सेवा रत्न से सम्मानित करेगी लोक सेवा समिति

नवीन मेल संवाददाता। रांची

लोक सेवा समिति, सेवा की 32वां वर्षगांठ के अवसर पर भारत सेवा रत्न-से सम्मानित . परमवीर चक्र विजेता, शहीद अब्दुल हमीद, (उत्तर प्रदेश) देश में बलिदान. (मरणोपरांत), राहुल गांधी, सांसद, क्षेत्र- भारत जोड़ो यात्रा देश सेवा, वैज्ञानिक प्रोफेसर श्रीकांता पाल, क्षेत्र- आविष्कार और गंगा प्रसाद, पूर्व राज्यपाल मेघालय,

झारखंड रत्न (राज्य का सर्वोच्च सम्मान) से सम्मानित होने वाले में शामिल हैं अमानत अली अंसारी रांची, आजीवन उपलब्धि, क्षेत्र - सेवा, स्वतंत्रता सेनानी एसए. हुसैन रिजवी, (मरणोपरांत) क्षेत्र - उर्दु भाषा सेवा, आशा किरण बारला, गुमला क्षेत्र - खेल, एथलेटिक्स. डॉ मनोहर लाल, रांची, क्षेत्र-शिक्षा सेवा, डॉ0 राजू खान, जमशेदपुर, क्षेत्र - प्राइमरी शिक्षा, सेवा, राजेंद्र प्रसाद , झारखंड आंदोलन एवं जागरूकता, डॉ0 मोहम्मद महबूब आलम, क्षेत्र - रोजगार शिक्षा 8 प्रोफेसर

डॉक्टर सुदेश कुमार साहू, क्षेत्र- शिक्षा सेवा विशिष्ट सेवा सम्मान से सम्मानित होने वाले व्यक्तियों में शामिल हैं। डॉ अजीत कुमार सिन्हा, कुलपति, रांची विश्वविद्यालय रांची, क्षेत्र - शिक्षाविद एवं प्रशासन, रिसर्च, डॉक्टर यासीन अंसारी, गढ़वा क्षेत्र आजीवन सेवा, सैय्यद शमशाद कादरी, हैदराबाद, क्षेत्र - समाज सेवा, कर्नल डॉ. राजेश कुमार, रांची, क्षेत्र- शिक्षा एवं अनुसंधान, 5.शबनम परवीन, बेरमो, क्षेत्र- सामाजिक जागरूकता, साजिद हुसैन, चितरपुर, क्षेत्र- मोडल शिक्षा, . श्री निर्मल तिग्गा, उड़ीसा, क्षेत्र - प्राथमिक शिक्षा . श्री. सुखराम पाहन, क्षेत्र-मुंडारी, संस्कृति, झारखंडी नृत्य, . शैकत खान, गढ़वा, क्षेत्र - समाजिक कार्य एवं सदभावना,राजेश साहू, रांची, क्षेत्र- व्यवसाय सेवा इंजीनियर सीमा पुरकेआस्था, असम, क्षेत्र-सोशल एंपावरमेंट। राष्ट्रीय महिला गौरव सम्मान, जोबा मांझी , मंत्री, झारखंड सरकार, क्षेत्र-महिला सशक्तीकरण. . डॉ रजनी अग्रवाल, नई दिल्ली, क्षेत्र- ग्लोबल लीडरशिप मैनेजमेंट 3 जैनब सिद्दीकी, उत्तर प्रदेश, क्षेत्र - सामाजिक कार्य आदि। 2 दिसंबर को 2 बजे दोपहर, नेशनल काउंसिल, वाई.एम.सी.ए. नई दिल्ली में सादे समारोह में मुख्य अतिथि, सम्मनित गन्यमान अतिथि द्वारा विभूषित किया जाएगा। समारोह समिति कि आजीवन सदस्य रहे, माननीय सिस्टर जेम्मा टोप्पो और डॉक्टर करमा उरांव, (शिक्षाविद) को समर्पित होगा, लोक सेवा समिति 32वां वर्षों में प्रबुद्ध नागरिकों एवं मीडिया के अतुल्य सहयोग से समाज के लिए समर्पित भाव संपन्न की भूमिका से काम करने की प्रयासरत है।

सुरक्षा के लिए एनडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की भी तैनाती

एसएसपी रांची खुद कर रहे मॉनिटरिंग

नवीन मेल संवाददाता। रांची

महापर्व छठ के मद्देनजर रांची पुलिस और जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। छठ घाटों पर सुरक्षा, एनडीआरएफ की तैनाती के साथ-साथ छठ घाट जाने वाले लोगों के घरों की सुरक्षा के लिए मोबाइल पेट्रोलिंग की व्यवस्था की गई है।

एक हजार अतरिक्त बल तैनात

रांची के सीनियर एसपी चंदन सिन्हा ने बताया कि राजधानी में दो तरह का क्षेत्र है। एक शहरी क्षेत्र जो सिटी एरिया का है और दूसरा ग्रामीण क्षेत्र है ।ग्रामीण क्षेत्र में भी बहुत सारे घाट हैं और शहर में भी करीब 100 छठ घाट है ।घाटों की संख्या काफी ज्यादा है ,श्रद्धालुओं की संख्या भी काफी ज्यादा है। ऐसे में पुलिस को सबसे ज्यादा क्राउड मैनेजमेंट पर ध्यान रखना है ताकि छठव्रती समय से अपने घाटों तक पहुंच सके।इसके लिए ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है। नदी तालाबों और

स्कूटी- बाइक दस्ता की तैनाती

छठ घाट पर छेड़खानी व अन्य वारदात न हो इसके लिए सुरक्षाकर्मियों के साथ साथ स्कूटी और बाइक सवार दस्ते की तैनाती भी की गई। धुर्वा डैम, बड़ा तालाब, कांके रोड में स्कूटी और मोटरसाइकिल दस्ते की चार चार टीमें होंगी। वहीं नक्षत्र वन, चडरी, लाइनटैंक, करमटोली, मछलीघर तालाब के समीप दो स्कूटी - दो मोटरसाइकिल, स्वर्णरेखा नामकुम घाट में तीन स्कूटी- तीन मोटरसाइकिल, अरगोड़ा में दो स्कूटी एक मोटरसाइकिल दस्ते की भी तैनाती की गई है।

दम के आसपास ड्रॉप गेट बनाए गए हैं। ताकि वहां छठ घाटों से ज्यादा नजदीक ना जा सके।

वैसे छठ घाट जहां पर पानी काफी गहरा है वहां रेड रिबन लगाया गया है ताकि लोग उसके आगे ना जाएं। रांची पुलिस के द्वारा भी श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया है कि वह बच्चों को एक निश्चित सीमा के बाद पानी में आगे न जाने दे और खुद भी ना जाए। सभी छठ घाटों पर एनडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की तैनाती की गई है।रांची के धुर्वा, कांके डैम, बड़ा तालाब में एनडीआरएफ के द्वारा गोताखोरों की तैनाती की गई है। गहरे और बड़े छठ घाटों पर नाव की भी व्यवस्था की गई है जो गहरे पानी में मूवमेंट करेगी।

ट्रैफिक रुट में बदलाव : छठ महापर्व को लेकर शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है।19 नवंबर को सुबह आठ से रात ग्यारह और 20 नवंबर रात दो से दस बजे रात तक शहर में भारी वाहनों का प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। जारी आदेश में कहा गया है कि भारी वाहन रिंग रोड होकर अपने गंतव्य तक जाएंगे।

गागर में सागर

धुर्वा के शालीमार में तालाबों की श्रृंखला में बिखरती है अद्भुत छटा

रांची। लोक आस्था का महापर्व छठ की तैयारियां रांची सहित राज्यभर में जोरशोर से चल रहा है। राजधानी रांची के धुर्वा के मत्स्य अनुसंधान संस्थान परिसर में स्थित शालीमार छठ घाट पर भी तैयारियां अंतिम चरण में है। यहां एक दर्जन से ज्यादा तालाब इस परिसर में हैं, जहां व्रती भगवान भास्कर को अर्घ्य देते हैं। शालीमार मत्स्य अनुसंधान परिसर प्रक्षेत्र में इस बार रांची नगर निगम की ओर से तालाबों की साफ सफाई और लाइटिंग की खास व्यवस्था के साथ साथ व्रतियों के लिए अस्थाई चेंजिंग रूम भी बनाया गया है। वहीं स्थानीय छठ पूजा समिति द्वारा भी तमाम तरह की व्यवस्था की गयी है। शालीमार घाट पर अपने परिजनों के साथ घाट बनाने आये प्रणव ने कहा कि उन्होंने परंपरागत तरीके से ही कच्चे तालाब में घाट बनाया है और ल्एउ के अपने फ्लैट का नंबर भी लिख दिया है ताकि अर्घ्य वाले दिन कोई परेशानी न हो। धुर्वा इलाके के ही शंभु कुमार ने कहा कि आज उनका भी छठ घाट बन जायेगा। लेकिन नगर निगम को साफ सफाई में और तेजी लाने की जरूरत है क्योंकि अब समय काफी कम बचा है।

छठ के मधुर गीतों से गूंज रही है राजधानी रांची

रांची/ खूंटी। लोक आस्था का छठ महापर्व शुरू हो गया है। बाजारों में फलों की दुकानों में छठ व्रतियों का काफी भीड़ नजर आने लगा है। लोग फलों व सूव दौरे की खरीदारी में जुटे हुए हैं। राजधानी पूरी तरह से छठमय नजर आ रहा है। चारों ओर छठ मई की गीत गूंज रही हैं। लोक आस्था का महापर्व छठ एक ऐसा विश्व स्तरीय त्योहार है, जहां न पुलिस बलों की नियुक्ति की जरूरत पड़ती है और न शांति समिति की बैठक होती है। न इंटरनेट का कनेक्शन काटा जाता है और न ही कहीं चंदा के नाम पर गुंडागर्दी या जबरन उगाही की शिकायत मिलती है। इतना ही नहीं न तो शराब दुकानों को बंद करने के लिए नोटिस चिपकाना पड़ता है और न ही मांस-मछली की दुकानों को बंद करने के लिए किसी को कहना पड़ता है। दूध या पूजन और खाद्य सामग्री में मिलावट का कोई भय नहीं होता। कहीं ठगे जाने का कोई खतरा नहीं। खूंटी के राजा कुंजला निवासी समाजसेवी काशीनाथ महतो कहते हैं कि यही एक ऐसा त्योहार है, जहां न ऊंच-नीच का भेद होता है न ही अमीर-गरीब में कोई अंतर। इसमें न किसी विशेष व्यक्ति या धर्म के जयकारे होते हैं और न ही किसी से अनुदान और अनुकम्पा की अपेक्षा रहती है। राजा-रंक एक कतार में खड़े होते हैं। समझ से परे रहने वाले मंत्रों के उच्चारण की भी जरूरत नहीं पड़ती। न किसी विशेष दान-दक्षिणा की जरूरत है और न ही किसी दिखावट या आडंबर की। तोरपा के समाजसेवी तुलसी भगत कहते हैं कि इस पर्व में न कोई प्रदूषण होता है और न ही गंदगी फैलती है। इस पर्व की पहली शर्त ही है शुद्धता और पवित्रता। रनिया प्रखंड के समाजसेवी और भाजपा नेता नारायण साहू कहते हैं कि इसी पवित्रता और सरलता के कारण ही बिहार-झारखंड से निकला यह पर्व अब पूरी तरह अंतरराष्ट्रीय त्योहार बन चुका है। छठ महापर्व के दौरान साफ-सफाई से लेकर अन्य कार्यों में दूसरे समुदाय के लोग भी पूरी आस्था के साथ हाथ बंटाते हैं।

छठ पूजा पर छठ मेले जैसा हो जाता है रांची के हटिया डैम का नजारा

रांची। महापर्व छठ के लिए रांची का हटिया तालाब पूरी तरह से सज कर तैयार है। तालाब में गहराई अधिक होने की वजह से इसकी बैरिकेडिंग की गई है। इसके अलावा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम तैनात रहेंगी। व्रती रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगे। इसके लिए छठ घाटों पर तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

रांची के हटिया डैम में भी काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। एचईसी परिसर में 1960 के दशक में बने हटिया डैम में छठ के दिन का नजारा बेहद खास होता है। धुर्वा इलाके में बिहार से आकर बसे लोगों की संख्या काफी है। इसलिए हटिया डैम में छठ पूजा के दौरान का नजारा मिनी बिहार जैसा हो जाता है। महापर्व छठ पर्व से जुड़ी भोजपुरी गीतों, व्रतियों के परिजनों खासकर महिलाओं द्वारा पारंपरिक छठ गीतों से पूरा हटिया डैम क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो जाता है। हटिया डैम राजधानी रांची के सबसे साफ पानी वाला डैम माना जाता है। यहां छठ व्रत करने की एक अलग खासियत भी है। यहां छठ व्रत के दौरान सावधानी बरतने की भी जरूरत है। यह डैम 38 फीट गहरा है और अभी करीब 28 फीट पानी है। पानी में उतरते ही थोड़ी दूरी पर ही काफी गहराई है। ऐसे में स्थानीय छठ पूजा समिति और नगर निगम ने किसी अनहोनी से बचने के लिए बांस की बैरिकेडिंग की है। पूजा समिति ने अपील की है कि किसी भी परिस्थिति में बैरिकेडिंग के आगे श्रद्धालु नहीं जाएं। 19 और 20 नवंबर को हटिया डैम में किसी अनहोनी घटना ने निपटने और आपात समय में सहायता पहुंचाने के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम लगातार डैम में गश्त करेंगी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग ने एम्बुलेंस के साथ डॉक्टर और दवाओं की व्यवस्था भी की है। रांची नगर निगम ने यहां भी कई अस्थाई चेंजिंग रूम बनाये हैं। साथ ही घाट तक पहुंचने वाले रास्ते पर लाइटिंग की व्यवस्था की है।

शहर में छठ महापर्व को लेकर रांची में भारी वाहनों का प्रवेश रहेगा वर्जित

भारी वाहन रिंग रोड होकर जायेंगे, शहर में पार्किंग की विशेष व्यवस्था

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची शहर में छठ महापर्व को लेकर भारी माल वाहक वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। एसपी ट्रैफिक कुमार गौरव ने बताया कि 19 नवम्बर को सुबह आठ बजे से रात 11 बजे और 20 नवम्बर को सुबह दो बजे से रात 10 बजे तक बड़े वाहनों का प्रवेश पर रोक रहेगा। मालवाहक वाहन रिंग रोड होकर अपने गंतव्य तक परिचालन कर सकेंगे।

इन स्थानों पर होगी पार्किंग

- रणधीर वर्मा चौक हटनिया तालाब जाने वाले व्यक्ति अपने वाहन को नगर निगम पार्क के सामने पार्किंग करेंगे।
- एसएसपी आवास से हटनिया तालाब जाने वाले व्यक्ति रोड किनारे अपने वाहन को पार्क करेंगे।
- जाकिर हुसैन से हटनिया तालाब जाने वाले व्यक्ति अपने वाहन नागबाबा खटाल और रोड किनारे पार्क करेंगे।
- राम मंदिर से कांके डैम जाने वाले व्यक्ति अपने वाहन को सीएमपीडीआई गांधी नगर और रॉक गार्डेन में पार्क करेंगे।
- शालीमार बाजार से छठ तालाब जाने वाले व्यक्ति अपने वाहन को शलीमार बाजार के पास पार्क करेंगे।
- सर्जना चौक से बड़ा तालाब जाने वाले व्यक्ति अपने वाहन को सर्जना चौक और फिरायालाल में बने पार्किंग में पार्क करेंगे।
- चुटिया से स्वर्णरेखा नदी जाने वाले व्यक्ति अपने वाहन सरस्वती शिशु मंदिर के बगल में पार्क करेंगे।

छठ व्रतियों के बीच बांटी पूजन सामग्री

रांची। श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति की ओर से शनिवार को छठव्रतियों के बीच पूजा सामग्री बांटी । इस अवसर पर 101 छठ व्रतियों कों छठ पूजन सामग्री के साथ दौरा, सूप, नारियल, गुड, पूजा सामग्री, आटा, रिफाइन, घी और मिठाई प्रदान की गयी। श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति के मुख्य संरक्षक किशोर साहू ने कहा कि इस बार लोग पूरे उल्लास के साथ छठ महापर्व मनाने में लगे है। कुछ ऐसे लोग भी है, जिन्हें महंगाई के कारण पूजा सामग्री कों खरीदने में मुश्किलें आ रही हैं, इसलिए वैसे जरुरतमंद छठ व्रतियों के बीच हम पूजा सामग्री का वितरण कर रहे हैं, ताकी वैसे लोग छठ कों उल्लासपूर्वक मना सकें।

लोक आस्था का महापर्व छठ : संजय सर्राफ

नवीन मेल संवाददाता। रांची

विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग एवं राष्ट्रीय सनातन एकता मंच के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि छठ पूजा लोक आस्था का महापर्व है। भगवान सूर्य देव की उपासना के चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा दीपावली के दूसरे दिन से ही छठ पूजा के संकल्प के साथ तैयारी शुरू हो जाती है। छठ पूजा कठोर तपस्या का व्रत है। यह एक ऐसा व्रत है जिसमें पूजा अर्चना के लिए न तो किसी प्रकार का विशेष मंत्र है और ना ही किसी पंडित पुरोहित की आवश्यकता पड़ती है। यह महाव्रत प्रकृति की पूजा प्राकृतिक संसाधन के द्वारा किया जाता है। यह सूर्य भगवान और उनकी शक्ति (प्रकाश ताप ऊर्जा इत्यादि) की उपासना, साधना और आराधना की जाती है। छठ पूजा में बांस के सूप का प्रयोग किया जाता है। गेहूं को धोकर सुखाकर पीसकर आटा से अर्घ्य के लिए ठेकुआ बनाया जाता है। समर्पण के रूप में प्रकृति से उपलब्ध फल सब्जी केतारी इत्यादि का उपयोग किया जाता है। इस पूजा के व्रती आडंबर और तामझाम से स्वयं को दूर ही रखते हैं। ऐसी मान्यता और लोकआस्था है कि छठ पूजा करने से मनोकामनाएं निश्चित ही सिद्ध होते हैं तथा सभी के जीवन में सुख- समृद्धि और शांति आती है। जो भी इस पर्व को करता है उसमें काफी सावधानी बरती जाती है। पूजा लेकर उसका पकवान पकने तक लोग सावधानी बरतते हैं। इसके प्रसाद में भी आस्था होनी चाहिए। लोग इस प्रसाद को पूजा के बाद घर-घर पहुंचाते हैं।

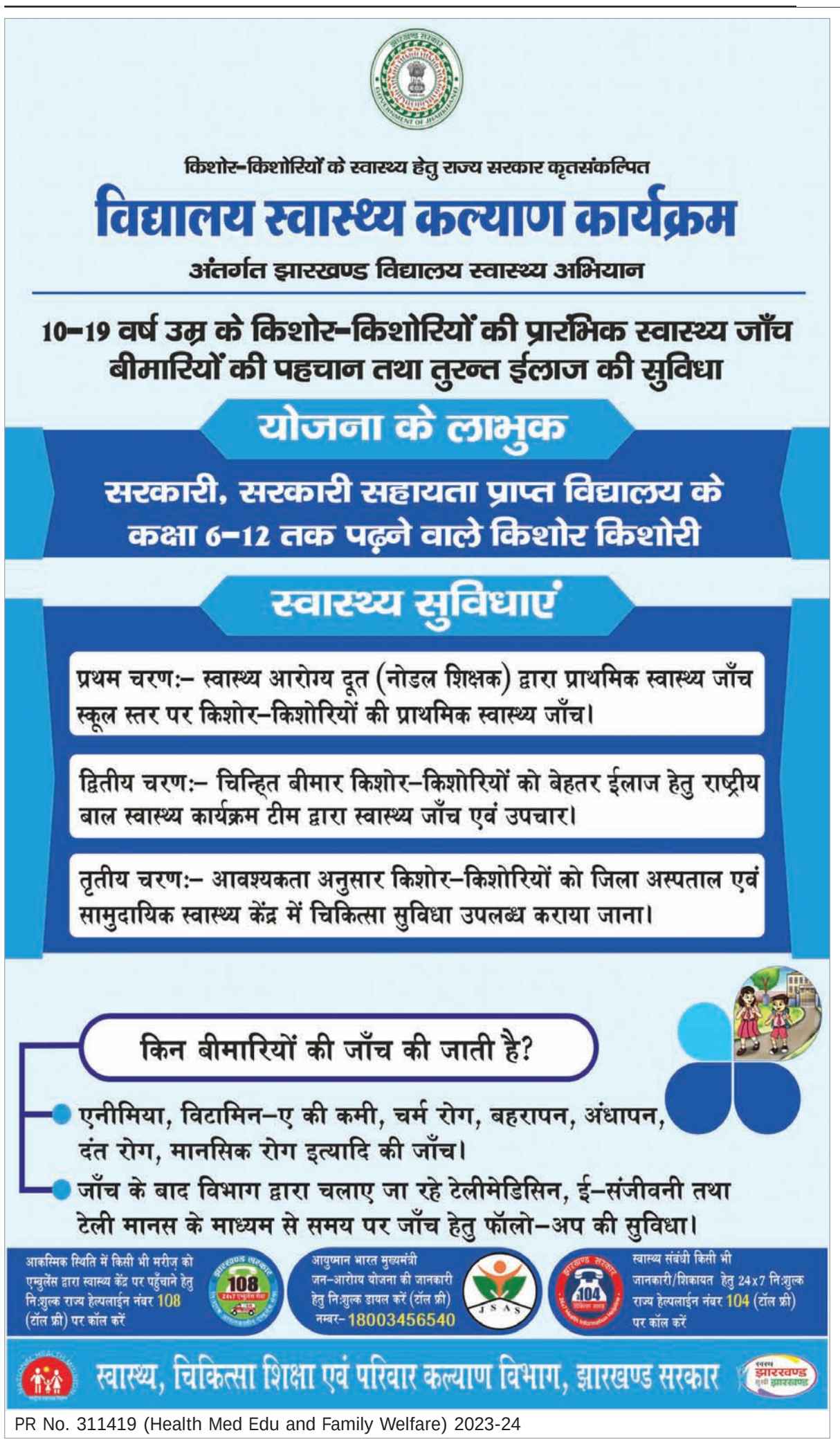

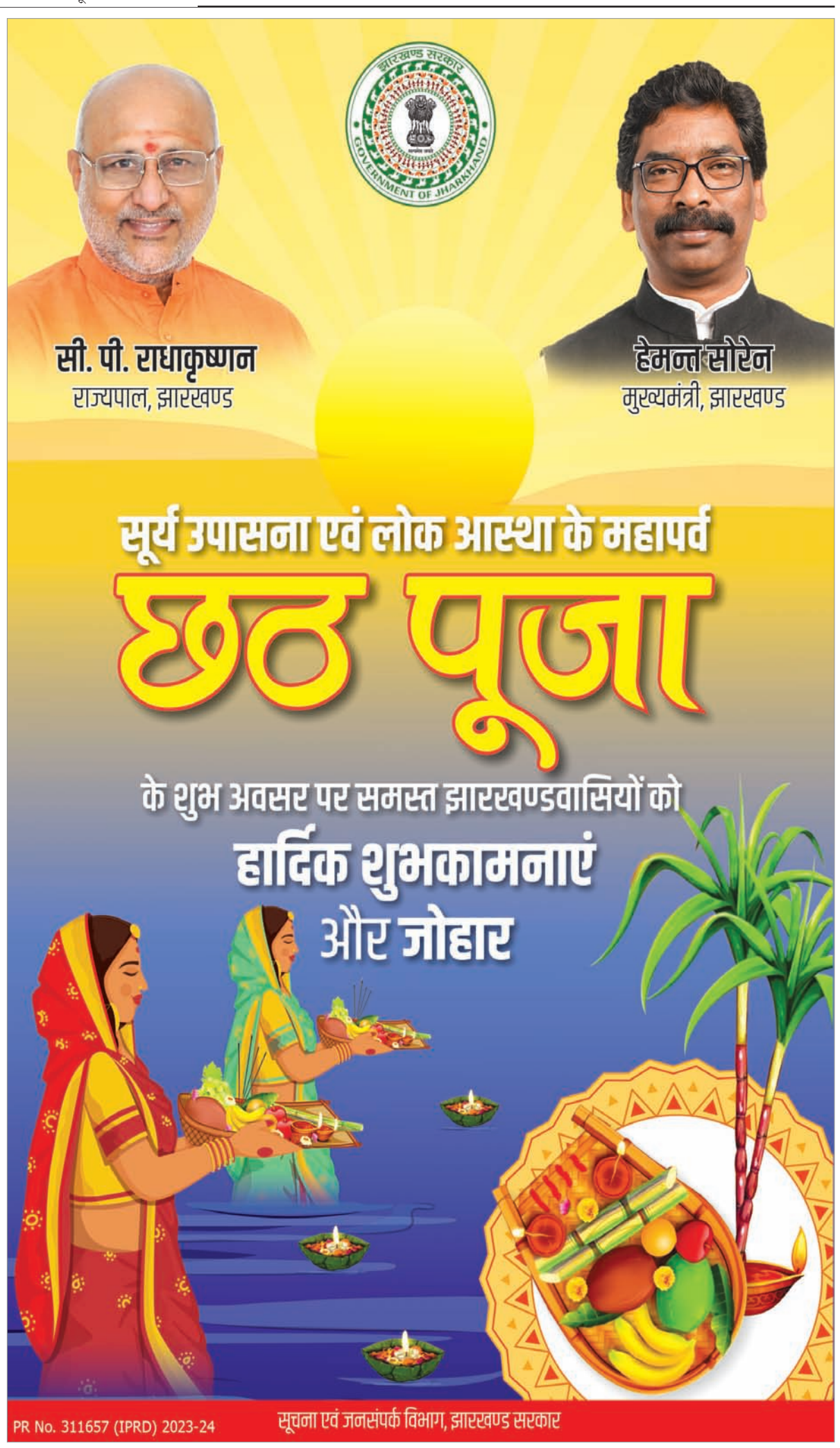

बोकारो : छठ घाटों पर एनडीआरएफ व गोताखोर की टीम रहेगी तैनात, मजिस्ट्रेट की भी प्रतिनियुक्ति

नवीन मेल संवाददाता

बोकारो। छठ पर्व को लेकर बोकारो जिले के चास व बेरमो अनुमंडल के तालाबों व जलाशयों पर 18 नवंबर से 20 नवंबर तक एनडीआरएफ व गोताखोर की टीम तैनात रहेगी. इसको लेकर चास व बेरमो अनुमंडल के 11 जलाशयों को चिन्हित किया गया है. इन जलाशयों पर छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है. जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार ने बताया कि आमजनों की सुरक्षा को लेकर बड़े जलाशयों (जहां छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है) पर एनडीआरएफ व गोताखोरों की तैनाती की जायेगी. इनमें सेक्टर 9 हरला थाना क्षेत्र के कुलिंग पौंड, बालीडीह थाना क्षेत्र के गरगा डैम, चास थाना क्षेत्र के सोलागीडीह तालाब, बीएस सिटी थाना क्षेत्र के टूटैंक गार्डेन तालाब, पिण्ड्राजोरा थाना क्षेत्र के इजरी नदी, चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तेलमच्चो पुल, हरला थाना क्षेत्र के कोयला डिपो शामिल है. इसके अलावा बेरमो अनुमंडल के चार तालाब पेटरवार के खत्री मोहल्ला रानीपोखर, बेरमो हिन्दुस्तान पुल, दामोदर नदी के तेनुघाट डैम नबंर वन और चंद्रपुरा के दामोदर नदी में एनडीआरएफ व गोताखोर की टीम तैनात रहेगी.

छठ घाटों पर 57 मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति

छठ महापर्व पर बोकारो व चास के 51 तालाबों व जलाशयों पर 57 दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है. 19 नवंबर की शाम और 20 नवंबर की सुबह घाटों पर अर्घ्य के समय मजिस्ट्रेट मौजूद रहेंगे. चास अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने जारी आदेश में कहा है कि प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी 19 नवंबर को दोपहर 12 बजे से शाम अर्घ्य की समाप्ति तक छठ घाट पर मौजूद रहेंगे. वहीं 20 नवंबर को प्रातः 3 बजे से अर्घ्य की समाप्ति तक छठ घाटों पर तैनात रहने का निर्देश दिये गये.

इन रूटों पर बंद रहेंगे बड़े वाहन

छठ को लेकर जिला प्रशासन की ओर शहर से लेकर चास की ओर जानेवाली वाहनों का प्रवेश बंद किया गया है. इनमें से तेलमच्चो सेक्टर 11 मोड़ से सेक्टर 11, पुपुनकी टोल प्लाजा से जोधाडीह मोड़ चास, तलगड़िया मोड़ से जोधाडीह मोड़ चास, आईटीआई मोड़ (फोरलेन) से जोधाडीह मोड़, धर्मशाला मोड़, पिण्ड्राजोरा व उकरीद मोड़,पिण्ड्राजोरा चेक पोस्ट से आईटीआई मोड़ एवं बालीडीह से उकरीद मोड की ओर आने वाली भारी वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा.

छठ महापर्व पर बाजारों में उमड़ी भीड़

फल और सूप डाला कंडलू खरीदने पहुंचे श्रद्धालु

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद । जिले के बरवाड़ा में बाजार समिति कृषि बाजार में आज लोगों की काफी भीड़ देखने को मिली. जहां पर लोग फल खरीदते नजर आए. छठ महापर्व का आज दूसरा दिन है जिसमें छठवर्ती खरना का महाप्रसाद अपने घर में शाम को बनाती है और प्रसाद खाकर दिन भर का उपवास तोड़ती है तीसरे दिन निर्जला उपवास करती है. तीसरे दिन का शाम को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है जिसके बाद चौथे दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठव्रती प्रसाद ग्रहण कर उपवास तोड़ती है. **वहीं दूसरी ओर पाकुड़** बाजारों में हरिण बजार और हाटपड़ा में काफी रौनक हैं. वहीं रेलवे फाटक पर फल दुकानों में लोगों की काफी भीड़ देखने को मिल रही है. बजार में सूप कि खरीदारी के साथ ईख पूजा सामग्री लोग खरीदारी कर रहे थे. अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत विमल और थाना प्रभारी मनोज कुमार ने दलबल के साथ शहर में भ्रमण कर औचक निरीक्षण का जायजा लिया. शहर के छठ पूजा की तालाब और पोखरों में सुरक्षा का बंदोबस्त किया गया है. पुलिस चुपके-चुपके सब पर नजर रख रही है. बता दें कि छठ महापर्व का आज दूसरा दिन है जिसमें छठ व्रती खरना का महाप्रसाद अपने घर में आज शाम को बनाती है और प्रसाद खाकर दिन भर का उपवास तोड़ती है. और फिर तीसरे दिन निर्जला उपवास के रूप में पूरे दिन बिना खाए रहती है. जिसमें तीसरे दिन का शाम को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है जिसके बाद चौथे दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठव्रती जो की निर्जला उपवास में होती है, प्रसाद ग्रहण कर उपवास तोड़ती है. **वहीं दूसरी ओर गिरिडीह** जिले में आज लोगो की काफी भीड़ देखने को मिला जहां पर लोग फल खरीदते नजर आए. छठ महापर्व का आज दूसरा दिन है जिसमें छठ व्रती खरना का महाप्रसाद अपने घर में आज शाम को बनाती है और प्रसाद खाकर दिन भर का उपवास तोड़ती है. और फिर तीसरे दिन निर्जला उपवास के रूप में पूरे दिन बिना खाए रहती है. जिसमें तीसरे दिन का शाम को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है जिसके बाद चौथे दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठव्रती जो की निर्जला उपवास में होती है, प्रसाद ग्रहण कर उपवास तोड़ती है.

बेफिक्र होकर मनाएं छठ पूजा, पुलिस करेगी आप लोगों की सुरक्षा : एसएसपी

जमशेदपुर। शहर में छठ पूजा को लेकर प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है. छठ पूजा के दौरान घरों मे होने वाली चोरी को रोकने के लिए एसएसपी किशोर कौशल ने टाइगर मोबाइल की एक टीम तैयार की है. ये टीम लगातार रिहायशी इलाकों में गश्त करेगी. शुक्रवार को एसएसपी किशोर कौशल ने टाइगर मोबाइल की टीम को सीसीआर परिसर से रवाना किया. मौके पर एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि शहर में छठ पूजा के दौरान सभी अपने घरों पर ताला लगाकर पूजा में शामिल होने चले जाते है. ऐसे में कई बार चोर इसका फायदा उठाकर घरों में चोरी की घटना को अंजाम देते है. इन घटनाओं को रोकने के लिया एक टीम तैयार की गई है जो लगातार छेत्र में गश्त करती रहेगी. इसके अलावा एसएसपी किशोर कौशल ने साकची बाजार में पैदल गश्त किया. इस दौरान उन्होंने बाजार में होने वाले भीड़ का भी जायजा लिया.

भारत संकल्प यात्रा में शिरकत करने दुमका पहुंचे अश्विनी चौबे

'अवैध खनन प्रकृति के लिए बड़ा खतरा'

सभा स्थल पर नाबार्ड और इफको के अलावा और कई विभागों के लगे स्टॉल

नवीन मेल संवाददाता

दुमका। विकसित भारत संकल्प यात्रा₹ के तहत आज दिनांक 18/11/2023 को सुरजूडीह पंचायत, प्रखंड- गोपी कानदर, जिला दुमका में केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए सुयोग्य लाभुकों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कराया गया। बतौर मुख्य अतिथि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे इसमें शामिल हुए। सभा के आरंभ में स्थानीय जनजातीय समूह द्वारा बांस से निर्मित व फूलों से सज्जित मुकुट पहनाकर मंत्री महोदय का स्वागत किया। केंद्रीय संचार ब्यूरो के ओर से क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी शाहिद रहमान ने संथाल क्षेत्र का प्रसिद्ध पंछी शाल ओढ़ाकर व नए साल 2024 का केंद्रीय संचार ब्यूरो का कैलेंडर प्रस्तुत कर मंत्री महोदय को सम्मानित किया। सभा को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 15 नवंबर 2023 को बिरसा मुण्डा की जयंती पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ रांची के खूंटी से किया गया है. बिरसा मुण्डा आजादी के नायक थे. देश की आजादी में उन्होंने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है. मंत्री ने कहा कि जनजनताति गौरव दिवस के अवसर पर बिरसा मुण्डा की स्वाधीनता को स्मरण कर आजादी के आन्दोलन में जनजातीय समाज के संघर्ष को याद किया गया है. उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' का उद्देश्य है कि गांव व शहरी क्षेत्र में निवास करने वाले हर पात्र व्यक्तियों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से जोड़ा जाए जो व्यक्ति योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं, उनके जीवन स्तर में किस तरह का सुधार हुआ. यह जानकारी उनके जुबानी से ही सुनी जाए. देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह संकल्प लिया है कि 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाया जाएगा. पीएम ने भारत को विकासशील नहीं, बल्कि भारत को विकसित देश बनाकर एक विकसित राष्ट्र के रूप में बनाना चाहते हैं. उन्होंने उपस्थित जन समूहों को विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान देने की शपथ दिलाई गई।

जेल में बंद विकास सिंह की जमानत पर सुनवाई टली

धनबाद। अवैध हथियार रखने के आरोप में जेल में बंद अंबिकापुरम निवासी विकास सिंह की जमानत अर्जी पर सुनावाई शनिवार को धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत में हुई. लोक अभियोजक अवधेश कुमार ने अदालत से समय की प्रार्थना की. अदालत ने वरीय अधिवक्ता जया कुमार की दलील सुनने के बाद सुनवाई के लिए 25 नवंबर की तारीख निर्धारित की है. इससे पहले 11 अक्टूबर को धनबाद के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी.

आपसी विवाद में युवक ने महिला को मारा चाकू

धनबाद। शनिवार की अहले सुबह तेतुलमारी इलाके के चंदौर पहाड़ी में आपसी विवाद को लेकर एक युवक ने महिला को चाकू मार घायल कर दिया. महिला लहूलुहान अवस्था में जमीन पर गिर गई. इसके बाद आनन-फानन में घायल महिला को स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए नजदीकी हस्पताल ले गए. जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डाक्टरों ने प्राथमिकी उपचार कर धनबाद रेफर कर दिया.

बर्मा माइंस फायरिंग मामला

बाप-बेटे और भतीजे को पुलिस ने भेजा जेल

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बमार्माइंस थाना अंतर्गत ईस्ट प्लांट बस्ती में फायरिंग के मामले में पुलिस ने जेएमएम नेता सत्यनारायण गौड़ उर्फ सत्तू गौड़, उसके बेटे मोहित गौड़ और भतिजे हरिकिशन गौड़ को पुलिस ने शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी 12 बोर की दो नाली बंदूक, 5 जिंदा कारतूस, 7 खोखा, दो तरवार और दो कार भी जब्त की है. मामले में आरोपी ऋषिराज सिंह फरार चल रहा है. इस मामले में पुलिस ने दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की है जिसमें एक प्राथमिकी प्रदीप मल्लिक के बयान पर सत्यनारायण गौड़, मोहित गौड़, हरिकिशन गौड़ और ऋषिराज सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है जबकि दुसरी प्राथमिकी सुरेश साहू के बयान पर घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए दर्ज कराया है. इधर, घटना के बाद से पुलिस ने लाईसेंसी हथियार के लाइसेंस को रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है वहीं घायल प्रवेश की भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है. टीएमएच के आईसीयू वार्ड में उसका इलाज चल रहा है. बता दे कि शुक्रवार दोपहर ईस्ट प्लांट बस्ती में रैश ड्राइविंग को लेकर सत्यनारयण गौड़ के बेटे मोहित को स्थानीय लोगों ने रोक लिया था. यहां से विवाद शुरू हुआ जिसके बाद सत्यनारायण गौड़ ने दो नाली बंदूक निकाली और फायरिंग शुरू कर दी.

इलेक्ट्रो स्टील कर्मी की सड़क हादसे में मौत मुआवजा पर सहमति

बोकारो। वेदांता इलेक्ट्रोस्टील (ईएसएल) में कार्यरत ठेका कर्मी टुपलाल महतो की शुक्रवार की रात सड़क दुर्घटना में मौत हो गई. वह बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड के बोगुला गांव का रहने वाला था. रात में वह ड्यूटी के बाद साइकिल से घर लौट रहा था. रास्ते में किसी वाहन की चपेट में आकर वह घायल हो गया था. घटना के बाद परिजन उसे चंदनकियारी सीएचसी ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया. इधर, टुपलाल की मौत के बाद परिजनों ने शव को सीएचसी में ही रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया. शनिवार की सुबह ईएसएल प्रबंधन, पुलिस प्रशासन व मृतक के परिजनों समेत स्थानीय प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वार्ता हुई. वार्ता में प्रबंधन की ओर से मृतक की पत्नी छवि देवी को 13 लाख रुपये मुआवजा व नियोजन देने पर सहमति बनी. प्रबंधन ने पत्नी को तत्काल 2 लाख रुपये का चेक सौपा और बाकी पैसे तीन महीने के अंदर भुगतान करने का लिखित आश्वासन दिया है. दोनों पक्षों में सहमति के बाद चंदनकियारी पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए चास अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया.

कालाबाजारी से निजात | धनबाद जिले के 9 बड़े बालू घाटों का टेंडर फाइनल

नए साल से लोगों को मिलेगा सस्ता बालू

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। दो बार रद्द होने के बाद आखिरकार धनबाद जिले के 9 बड़े बालू घाटों का टेंडर फाइनल हो गया है. इन बालू घाटों की नीलामी नहीं होने से राज्य सरकार को प्रति महीने करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा था. जेएसएमडीसी (झारखंड स्टेट मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) की ओर से तैयार मॉडल टेंडर डॉक्यूमेंट के अनुरूप बालू घाटों की नीलामी हुई है. जिला खनन पदाधिकारी मिहिर सलकर ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई हैं. टेंडर प्रक्रिया में शामिल कंपनियों को अब जेएसएमडीसी द्वारा फाइनल किया जाएगा. जेएसएमडीसी के साथ एग्रीमेंट एवं बाकी कागजी प्रक्रिया पूरी होने में करीब एक महीने का समय लग जायेगा. उन्होंने बताया कि नए वर्ष की शुरूआत के साथ ही नदी घाटों से बालू का उठाव शुरू हो जाएगा. मालूम हो कि 16 छोटे घाटों को पहले ही नीलामी हो चुकी है.

दो बार रद्द हुआ था टेंडर

पिछले दो बार निकले टेंडर में कंपनियों ने मिलकर एक ही रेट तय किया था, जो काफी कम था. पहली बार सभी ने 13 रुपये 90 पैसे का रेट दिया था. मिलीभगत व षड्यंत्र की आशंका में टेंडर को रद्द कर दिया गया.दूसरी बार निकाले गए टेंडर को भी भी गड़बड़ी की आशंका होने पर रद्द कर तीसरी बार टेंडर निकाला गया. खनन पदाधिकारी ने बताया कि इस बार 42.52 एवं 31 रुपये का रेट डाला गया है.

इन घाटों की हुई नीलामी

धनबाद के 9 बड़े बालू घाटों की नीलामी होने से जिले को बालू संकट से निजात मिलेगी. वर्षों से धनबाद के लोग महंगा बालू खरीद रहे हैं. घाटों की नीलामी से अब बालू की कीमत कम होगी. मालूम हो कि बालू संकट के कारण निर्माण लागत बढ़ गई है. इससे रियल एस्टेट व सरकारी योजनाएं तक प्रभावित हैं. आम आदमी तो सबसे ज्यादा प्रभावित है जिन बालू घाटों की नीलामी दुबारा होगी, उनमें जहाजटांड़ व भौंरा (झरिया प्रखंड), सिंगरा, नगदा, तेलमच्चो, लोहपट्टी (बाघमारा प्रखंड), जाजलपुर, हरिहरपुर (तोपचांची) व एग्यारकुंड प्रखंड का डुमरकुंडा बालू घाट शामिल हैं.

धनबादः पंचेत डैम का उद्घाटन करनेवाली बुधनी मझियाइन का निधन, शोक की लहर

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। डीवीसी पंचेत डैम का उद्घाटन करने वाली आदिवासी महिला बुधनी मझियाइन (82 वर्ष) का शुक्रवार की रात निधन हो गया. वह लंबे से समय से बीमार थीं. डीवीसी हिल अस्पताल, पंचेत में उनका इलाज चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली. बुधनी मझियाइन को एक बेटी रत्ना दत्ता है, जिसका विवाह हो चुका है. बुधनी के निधन की खबर से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई. उनका पार्थिव शरीर शनिवार को फूलों से सुसज्जित वाहन पर रख पूरे पंचेत क्षेत्र में लोगों के दर्शन के लिए घुमाया गया. सीआईएसएफ के जवानों ने सम्मानपूर्वक माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धाजंलि दी. निरसा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता, झामुमो नेता अशोक मंडल सहित अन्य गणमान्य लोगों ने भी उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए. ज्ञात हो कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू 6 दिसंबर 1959 को पंचेत डैम का उद्घाटन करने आये थे. लेकिन उन्होंने खुद उद्घाटन नहीं कर डैम के निर्माण में योगदान देने वाली महिला मजदूर बुधनी मझियाइन से उद्घाटन कराया था. डैम के उद्घाटन के समय पंडित नेहरू ने बुधनी का स्वागत माला पहनाकर किया था. वहीं, बुधनी ने भी आदिवासी परंपरा के अनुसार, पंडित नेहरू को तिलक लगाकर और माला पहनाकर स्वागत किया था, जिसका खामियाजा बुधनी को जीवन भर भुगतना पड़ा. बताया जाता है कि संथाल समाज की परंपरा के अनुसार, यदि कोई पुरुष किसी महिला के गले में माला पहना देता है, तो उस व्यक्ति का उस महिला के साथ विवाह माना जाता है. पंडित नेहरू द्वारा बुधनी को माला पहनाने के बाद संथाली समाज ने गांव में बैठक कर उसे जाति और गांव से बहिष्कृत करने का फैसला सुनाया था.

अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य आज, सज-धज कर छठ घाट तैयार

शक्ति की भक्ति में सराबोर दिखे श्रद्धालु, चहुंओर गूंज रहे छठी मईया के गीत

रामकृष्ण पांडेय

बरकट्ठा। लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न घाटों में अर्घ्य देने के लिए घाटों को सजाया संवारा गया है। वहीं प्रखंड क्षेत्र का प्रसिद्ध छठघाट बेलवा नदी में स्थानीय युवकों एवं समिति के द्वारा साफ सफाई की गई।जीटी रोड छठ गेट से लेकर छठघाट तक लगभग एक किलोमीटर की दूरी तक विशेष सफाई अभियान चलाया गया तथा आकर्षक लाइट, दरी तथा भव्य गेट बनाकर साज सज्जा की गई है। वहीं समिति के अध्यक्ष बिंदु सोनी ने बताया की हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी छठ घाट की साफ सफाई एवं छठ व्रतियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखकर सभी आवश्यक तैयारी की गई है। ज्ञात हो कि बरकट्ठा क्षेत्र में छठ विशेष रूप से मनाया जाता है। इस पर्व को लेकर लोग अपने घरों में शुद्ध शाकाहारी भोजन का सेवन छठ पर्व के समापन तक करते हैं। वहीं छठ व्रतियों के लिए यह पर्व साधना से कम नहीं होता है। चार दिवसीय पर्व को धार्मिक आस्था,विश्वास एवं श्रद्धा के साथ मनाते हुए लोग छठ माता एवं भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर पूरे विश्व के कल्याण की कामना करते हैं। वहीं पर्व को लेकर दूसरे दिन का अर्घ्य सोमवार के ब्रह्म मुहूर्त में दिया जाएगा। बिंदु सोनी ने बताया की दूसरे दिन के अर्घ्य के बाद विशेष भंडारे का आयोजन किया गया है। जिसमें सभी लोगों से अपील की गई है की माता का प्रसाद आकार ग्रहण करें। वही बंडासिंगा मोड़ स्थित जठा कुदर में ग्रामीणों और समिति के सहयोग से इस बार आकर्षक लाइट और गेट साज सज्जा की गई है। कमिटी अध्यक्ष अजीत कुमार बर्नवाल ने बताया कि कमिटी की ओर से छठ व्रतियों की सुविधा और नारियल की वितरण की जाएगी।

खरना के साथ 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू

जयदीप कुमार सिन्हा

बरही । शुद्धता और आस्था का महापर्व छठ के दूसरे दिन व्रतियों ने स्नान ध्यान कर पूरे दिन निर्जला उपवास रखा. पूरे दिन घर और आंगन की लिपाई, गेहूं और चावल बिनाई सहित पकवान बनाने का दौर चलता रहा. इसके साथ ही दिन भर भगवान भास्कर की अराधना के बाद संध्या में महापर्व का खरना प्रारंभ हुआ. दूध और गुड़ के बने खीर के साथ व्रतियों ने प्रसाद ग्रहण कर उदयगामी भगवान भास्कर के अर्घ्य समर्पण तक निर्जला उपवास में चले गए. खरना समाप्त होते ही प्रसाद ग्रहण के लिए श्रद्धालुओं का होड़ प्रारंभ हुआ जो देर रात्रि तक चला. पूरा वातावरण छठ के पारंपरिक गीतों से गुंजायमान हो गया. वही रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को महापर्व का पहला अर्घ्य समर्पित करने के लिए छठ घाट और मार्ग की साफ सफाई और रंग बिरंगे बल्बों से सजाया गया है. बरही के प्राचीन छठ घाट सहित सूर्य मंदिर, गौरिया करमा, रसोइया धमना, मलकोको, कोल्हुआ कला, करियातपुर आदि सहित प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों की सफाई की जा चुकी है. व्रतियों और श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत नही हो इसके लिए छठ पूजा समितियों की ओर से हर संभव प्रयास किए जा रहे है.

छठ महापर्व : बाजारों में दिखी रौनक

रामगढ़ : गुरु नानक देव जी के 555 वें प्रकाशोत्सव पर निकाली गई प्रभात फेरी

रामगढ़। सिख धर्म के प्रवर्तक और सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरुनानक देव के प्रकाशोत्सव पर पहले दिन प्रभातफेरी निकाली गई. प्रभातफेरी के पहले दिन बड़ी संख्या में सिख समाज के पुरुष और महिला शामिल हुए. प्रभात फेरी में साध-संगत सबद गाते लोग चलते रहे. कुज्जू गुरुद्वारा के पूर्व प्रधान रामदयाल सिंह चोपड़ा हाथों में निशान साहब लेकर संगत की अगुवाई कर आगे आगे चल रहे थे. गुरु नानक की वडियाई सिमर, नानक घर के गोले, है तन मन वसया सोई, सुख तेरा दित्ता लाए शब्दों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा. लोगों में प्रफातफेरी को लेकर काफी उत्साह था.प्रभातफेरी गुरुद्वारा साहिब से निकल कर सुभाष चौक, झंडा चौक ,चट्टी बाजार ,लोहार टोला से होते हुए होटल वेव्स के समीप स्व ज्ञान सिंह छाबड़ा के घर पहुंची.जहां छाबड़ा परिवार की ओर से समूह साथ संगत का स्वागत किया गया. गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर सरदार पपिंदर सिंह खंबे ने सरदार महिपाल सिंह छाबड़ा को सरूपा देकर सम्मानित किया. यहां छाबड़ा परिवार वालों ने साथ संगत के लिए चाय नाश्ता का प्रबंध किया.प्रभातफेरी में रामगढ़ गुरुद्वारा मित प्रधान अमरजीत सिंह सैनी, मित प्रधान हैप्पी छाबड़ा, जितेंद्र सिंह पवार, कुलजीत सिंह कालरा, तेजिंदर सिंह सोनी, रघुवीर सिंह, जसविंदर सिंह सलूजा, गुरप्रीत चाना, गुरप्रीत सिंह कुलवंत मारवाह, जगजीत सिंह, पलविंदर सिंह बल,गुरजीत सिंह सलूजा, इकबाल सिंह, यश छाबड़ा, जिगर छाबड़ा, राजा कालरा, नीतू सिंह जस्सल, स्वीटी सोनी, सुमी जोली, गुरबख्श कौर, रंजीत कौर बलविंदर कौर शामिल हुए.

उपायुक्त की अध्यक्षता में डीएमएफटी के प्रबंधकीय समिति की बैठक आयोजित

रामगढ़। उपयुक्त रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय सभा कक्ष में डीएमएफटी के प्रबंधकीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त ने प्रबंधकीय समिति के पूर्व की बैठक में दिए गए निदेर्शों के आलोक में हुए कार्य की जानकारी ली। बैठक के दौरान डीएमएफटी के तहत छावनी परिषद क्षेत्र, नगर परिषद क्षेत्र सहित जिले के अन्य क्षेत्रों में कई योजनाएं संचालित करने को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान रामगढ़ शहर अंतर्गत बिजुलिया तालाब में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, विभिन्न सड़कों के निर्माण, थाना चौक स्थित इलेक्ट्रिक क्रिमेटोरियम में डीजी जेनसेट उपलब्ध कराने, झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय के संचालन हेतु विभिन्न उपकरण व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने, जिले के विभिन्न विद्यालयों की चार दिवारी, गोला मार्केटिंग कंपलेक्स में वेंडिंग जोन निर्मित करने, व्यवहार न्यायालय परिसर में शौचालय आदि के निर्माण, सदर अस्पताल रामगढ़ में विभिन्न स्वास्थ्य उपकरण उपलब्ध कराने, पतरातू लेक रिसोर्ट के समीप शौचालय निर्माण को लेकर चर्चा के क्रम में उपायुक्त द्वारा आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों, अधिकारियों, कार्यपालक अभियंताओं, डीएमएफटी टीम के सदस्यों सहित अन्य उपस्थित थे।

पवन कुमार

रामगढ़। रामगढ़ जिला के विभिन्न क्षेत्रों में छठ महापर्व के दूसरे दिन 18 नवंबर को व्रतियों ने नदियों और सरोवरों में स्नान कर भगवान सूर्य को अर्घ्य विधि पूर्वक अर्घ्य अर्पित कर उनसे खुशहाली और सुख समृद्धि की कामना की ।इसके पश्चात शाम को मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी जलाकर अरवा चावल, गुड़ और दूध से खीर तैयार किया और छठी मईया की विधि पर्वक पूजा अर्चना कर खीर उन्हें अर्पित किया। इसके बाद खीर को व्रतियों ने स्वयं ग्रहण किया। व्रतियों द्वारा खीर ग्रहण करने के उपरांत खीर का वितरण उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच हुआ। खरना के बाद व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास आरंभ हो गया है। इसके तहत 19 नवंबर की शाम व्रती नदियों और सरोवरों में अस्ताचलगामी भगवान सूर्य और सोमवार की प्रातः उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देंगे। इसके साथ छठ महापर्व संपन्न हो जाएगा।

पूजन सामग्रियों के बढ़े दाम

इधर, जिले के विभिन्न क्षेत्रों में छठ महापर्व को लेकर व्रती बाजार से पूजन सामग्रह की खरीदारी करते में व्यस्त दिखे। वहीं, छठ पूजा को लेकर पूजन सामग्रियों के दाम बढ़ गए हैं। सूप प्रति पीस 120 से 160 रूपए , दौरा 180 से 240 रूपए , सेव प्रति पेटी 650 रूपए, केला 600-700 रूपए रूपए प्रति कांधी, संतरा 400 रूपए पेटी, हल्दी 100 रूपए केजी, अदरख 100 रूपए केजी, गाजर 80 रूपए केजी, पानी फल 50-60 रूपए केजी, नारियल 20-30 रूपए पीस, गन्ना 40-60 रूपए डांग तक बिक रहे हैं।

दी बधाई

डिवाइन पब्लिक स्कूल में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन, बोले प्राचार्य

पढ़ाई के साथ जीवन में खेलकूद का विशेष महत्व

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड के गंगपाचो स्थित डिवाइन पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को विद्यालय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के निदेशक इंद्रदेव प्रसाद भारती और प्राचार्या स्वाती ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मौके पर विद्यालय के निदेशक ने बच्चों के उत्साह को बढ़ाते हुए कहा की पढ़ाई के साथ साथ जीवन मे खेल कूद का भी विशेष महत्व है। उन्होंने कहा की खेल से शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है। प्राचार्या ने बच्चों से खेल की भावना से खेलने का पाठ पढ़ाया। इस प्रतियोगिता मे नर्सरी से लेकर 12वीं तक के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। नर्सरी, एल्केजी, यूकेजी के लिए बिस्कुट रेस का आयोजन किया गया। क्लास 1 से लेकर 8 वीं तक के छात्र छात्राओं के लिए 50 मीटर रेस और 100 मीटर रेस का आयोजन किया गया। लड़कियों के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सीनियर क्लास के बच्चों के लिए खो-खो, वॉलीबॉल और कब्बडी का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में वैसे छात्र छात्राओं ने भी भाग लिया जिन्हें मैथ्स में काफी दिलचस्पी है। जिन बच्चों को स्क्वायर और क्यूब 100 तक का याद था, उन्हें भी पुरस्कृत किया गया। सभी सफल विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के निदेशक और प्रचार्या ने आयुष प्रसाद, सानिया, विद्या, अनिल, पिंटू, प्रभाकर, आशीष, प्रिया, चांदनी, जैनब, निशा, एवं सारे सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

रामरेखा धाम में कार्तिक पूर्णिमा मेले की तैयारियों का डीसी और एसपी ने लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर सिमडेगा के पवित्र तीर्थ स्थल रामरेखा धाम में लगने वाले ऐतिहासिक धार्मिक मेला को लेकर शनिवार को उपायुक्त अजय कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सौरभ ने मेला के विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था संधारण हेतु रामरेखा धाम का निरीक्षण किया।उपायुक्त ने रामरेधा धाम के पवित्र स्थल सहित मेला आयोजन के संदर्भ में रामरेखा धाम विकास समिति से जानकारी प्राप्त की। रामरेखा मेला के दौरान सुव्यवस्थति तरीके से विधि-व्यवस्था संधारण की दिशा में अधिकारियों को ससमय आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर राज्य के साथ - साथ पड़ोसी राज्य से भी श्रद्धालु दर्शन को रामरेखा धाम आते हैं। इस हेतु वाहन पार्किंग की व्यवस्था के साथ-साथ मेले में सुलभ अवागमन हेतु बैरीकेडीग करने का निर्देश दिया। उन्होंने रामरेखा धाम पहुंचने वाले ईद-गिर्द के सड़क में आवागमन की सुविधा एवं जगह-जगह वाहन पार्किंग हेतु बहाल की जाने वाली व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया तथा कंट्रोल रूम, पेयजल आपूर्ति, विद्युत बहाल करने सहित सुरक्षा कर्मियों के ठहरने हेतु भवन की साफ- सफाई करने की दिशा में संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर स्थल का निरीक्षण करते हुए पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर लेने का निर्देश दिया। मौके पर अनुमण्डल पदाधिकारी महेन्द्र छोटन उरॉव, जिला परिवहन पदाधिकारी ओमप्रकाश यादव, नजारत उपसमाहर्ता राजेन्द्र प्रसाद सिंह, अंचलाधिकारी पाकरटांड़ मो० इम्तियाज अहमद, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद सुमित कुमार महतो, पीएचडी के मुकेश कुमार, विधुत विभाग के विश्वेश्वर मरांडी, थाना प्रभारी पाकरटांड़ अजीत प्रकाश, रामरेखा समिति के ओमप्रकाश साहू व अन्य उपस्थित थे।

आस्था की बह रही बयार, छठ की गीतों से हर गली गुलजार

छठव्रती आज देंगी भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य

नवीन मेल टीम

सिमडेगा। आस्था का महापर्व छठ को लेकर चारो दिशाओं में भक्ति की बयार बह रही है। घर-बाजार,छठ घाट के साथ ही हर ओर छठ मइया के कर्णप्रिय लोक गीत बजने से वातावरण भक्तिमय बन गया है। घरों में भी महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से गीत गाया जा रहा है। छठ पर्व की तैयारी को लेकर छठ घाटों पर भी विशेष प्रबंध किए गए हैं,जहां व्रती रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य देव को पवित्र दूध व जल से अ?र्घ्य देंगी। सोमवार को महिलाएं उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य प्रदान करेंगी। शनिवार को महिलाओं ने नियम पूर्वक खरना अनुष्ठान किया। पूजनोपरांत व्रतियों ने सर्वप्रथम स्वयं प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। सिमडेगा की गली मोहल्ले चौक चौराहा में सैकड़ो की संख्या में छठ व्रत के द्वारा विधि विधान के साथ खरना पूजा करते हुए खीर प्रसाद का वितरण किया गया ।इधर प्रसाद लेने के लिए पूरा शहर का माहौल भक्ति में दिखा, जहां पर एक दूसरे के घरों में जाकर लोग खीर प्रसाद लेते हुए देखे गए। **वहीं दूसरी ओर शहर के प्रिस चौक पूजा पंडाल** में भी छठ महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है ।प्रिस चौक पूजा पंडाल में खरना पूजा की गई ।इससे पूर्व यहां सप्त अश्व पर आरूढ़ भगवान सूर्य नारायण की प्रतिमा का विधिवत पूजन कर प्रतिष्ठा की गई ।पंडित गोपाल मिश्र ने विधि पूर्वक मंत्रोच्चार के साथ सूर्य ध्वज की स्थापना करते हुए सूर्य प्रतिमा की प्रतिष्ठा कराई। गौरतलब है कि लगातार 14 वर्षों से यह पूजा इस पंडाल में किया जा रहा है ।पूजा के संदर्भ में जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष रामकिशन केशरी ने बताया कि 19 नवंबर को संध्या में अस्ताचलगामी सूर्य को अ?र्घ्यदान किया जाएगा ।20 को प्रातःकाल में उदयीमान सूर्य को अर्घ्य दान के बाद ठेकुआ प्रसाद वितरण किया जाएगर। वहीं 20 नवंबर को शोभा यात्रा निकालकर भगवान भास्कर की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा। पूजन अनुष्ठान को सफल बनाने के लिए राजकुमार ठाकुर, राजू केशरी एवं,राजू केशरी सहित पूरा समिति के सभी पदाधिकारी जोर-शोर से लगे हुए हैं।

बाजार में खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़

शुद्धता एवं लोक आस्था का महान पर्व छठ को लेकर सिमडेगा शहर में पूजन सामग्री की बाजार सज चुकी है ।सिमडेगा के हृदयस्थली महावीर चौक एवं गांधी मैदान में छठ पूजन सामग्री की दुकान लगी है, जहां पर शनिवार की सुबह से ही छठ व्रत के परिवार वालों की खरीदारी के लिए भीड़ देखी गई ।जहां पर भारी भीड़भाड़ के साथ लोग बड़े ही उत्साह के साथ छठ के सुप में सजने वाली सामान एवं जरूरत के समान की खरीदारी करते हुए देखे गए , इधर दिन प्रतिदिन पूजन की सामग्री की दम आसमान छू रही है इस बार भी छत को लेकर सभी सामानों की मूल्य में बढ़ोतरी देखी गई। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र से डंबा नारियल फूल सहित कई प्रकार के स्थानीय स्तर के फलों की भी बाजार महावीर चौक में सजा हुआ दिखा और लोग बड़े ही श्रद्धा भक्ति भाव के साथ खरीदारी किया। इधर छठ पूजा को लेकर दुकान लगाई राजू केसरी ने बताया कि इस बारबाजार में केला कांधी 400-600,ईख 20 से 40 रुपया पीस केला 60 रुपए दर्जन, सेव 120 रुपये केजी, संतरा 60रुपये, अंगूर 120 रुपये,अनार 140 रुपये, मौसमी 40 रुपए,पाइनएप्पल 60 रुपए, नारियल 25-30 रुपये पीस,रोली 10 रुपए ,पीला सिन्दुर 10,लाल सिन्दुर 10, अखरोट 5,मौली सूता

ठेठईटांगर में श्रमदान कर छठ घाट की लोगों ने की सफाई

ठेठईटांगर। लोक आस्था का महान पर्व छठ प्रखंड क्षेत्र में होना है , ऐसे में प्रखंड प्रशासन द्वारा तालाब की साफ सफाई नहीं करने पर स्थानीय लोगों ने खुद से श्रमदान कर शनिवार को प्रखंड मुख्यालय समीप छठ तलाब का साफ-सफाई किया मइस दौरान तालाब में फैली सभी प्रकार की गंदगी को पूरी तरह से निकलकर वहां आसपास झाड़ियां को साफ करते हुए पूरी तरह से सफाई की गई ।वहीं समिति के सदस्यों ने बताया कि छठ पूजा में छठ व्रत को किसी प्रकार की कोई भी दिक्कत ना हो इसके लिए स्थानीय समिति द्वारा सभी प्रकार की तैयारी की गई है ।वहीं उन्होंने बताया कि आकर्षक तरीके से विद्युत सजावट की जाएगी ताकि यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को छठ पूजा में किसी प्रकार की समस्या ना हो ।इस मौके पर मुख्य रूप से प्रखंड प्रमुख विपिन पंकज मिंज ,अनिल कुमार गुप्ता विजय ठाकुर ,प्रशांत केसरी, अंकेश कुमार, अमन कुमार, पप्पू शाह मिथिलेश पांडे ,मनोज कुमार सिंह, कृष्ण कुमार आदि उपस्थित रहे।

कुरडेग के खालीजोरा छठ घाट का सीओ ने किया निरीक्षण

कुरडेग। सीओ कुरडेग किरण डांग ने शनिवार को खालीजोरा छठ घाट का निरिक्षण किया ।निरिक्षण के क्रम में कई निर्देश दिए छठ घाट की साफ सफाई व अन्य विधि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। छठ पूजा में छठ व्रती व श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नही होने की बात कही। वहीं छठ पूजा समिति के पदाधिकारी के साथ छठ घाट में व्यवस्था के संबंध में विचार विमर्श किया, इस दौरान उन्होने कहा कि छठ महान पर्व है आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ मनायें ।उन्होने कहा कि छठ घाट में पुलिस प्रशासन की व्यवस्था रहेगी, वहीं पूजा कमिटि के लोगों ने बताया कि छठ घाट में साफ सफाई का काम हो गया है ।इस घाट में दूर दराज से श्रद्धालु पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं ।

गागर में सागर

कोडरमा : अख्तो छठ घाट की हुई साफ-सफाई, आज पहला अर्घ्य

कोडरमा। जयनगर प्रखंड में सभी छठ घाटों की साफ सफाई कर ली गई है. ग्रामीणों ने श्रमदान कर अख्तो नदी छठ घाट की साफ सफाई की. ग्रामीणों ने बताया कि छठव्रतियों को किसी तरह की कठिनाई का सामना नही करना पड़े, इसके लिए हमलोग तत्पर हैं. प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी जेसीबी मशीन और श्रमदान कर छठ घाट की सफाई की गई. वहीं रविवार को छठ महापर्व के तीसरे दिन डूबते हुए सूर्य को घाट पर विधि विधान से पूजा अर्चना की जायेगी. घाट की साफ सफाई के दौरान सदानंद मोदी, केदारनाथ मोदी, उपेंद्र मोदी, त्रिभुवन मोदी, बिनोद मोदी, संतोष मोदी, चंदन मोदी, केदार मोदी,राजदेव मोदी, राजू मोदी आदि ग्रामीण मौजूद रहे.

सब्जी खरीदते डाकिया की बाइक चोरी

कोडरमा। मरकच्चो थाना क्षेत्र के नावाडीह में लगने वाले सप्ताहिक हाट से बाइक की चोरी हो गई. महुगाई पंचायत के बरवाडीह निवासी नारायण साव ने थाना में आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है. उन्होंने आवेदन मे बताया है कि वह अपनी बाइक जेएच12ए 6769 से नावाडीह बाजार गए थे. बाजार के उत्तर दिशा मे बाइक खड़ी कर वो बाजार में सब्जी खरीदने चले गए. सब्जी लेकर जब वो वापस लौटे तो वहां से उनकी बाइक गायब थी. वो डाकघर मेंडाकिया के पद पर कार्यरत हैं. गाड़ी की डिक्की मे डाकघर के कुछ डिलेवरी स्लिप और कुछ आर्टिकल्स भी थे जो बाइक के साथ ही चोरी हो गये.

शिवसागर तालाब से शव बरामद

कोडरमा। डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवसागर तालाब से एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है. शव की पहचान शिवसागर ग्राम निवासी समीर अंसारी (32 वर्षीय) के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, समीर अंसारी शुक्रवार रात से ही गायब था. परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला. इसके बाद परिजनों को ग्रामीणों के जरिये शिव सागर तालाब में एक व्यक्ति का शव पाये जाने की सूचना मिली. परिजन जब घटनास्थल पर गये तो देखा कि वह शव समीर अंसारी का ही है. वहीं सूचना मिलने के बाद डोमचांच थाना प्रभारी अब्दुल्ला खान, दिलशाद अंसारी अपने दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कोडरमा सदर भेज दिया गया.

जनता हाई स्कूल में अंतर विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखण्ड के जनता हाई स्कूल जितूटोली मैदान में अंतर विद्यालय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हाई स्कूल रामपुर बना चैंपियन ।कार्यक्रम का उद्घाटन बानो प्रमुख सुधीर डांग ने दीप प्रज्वलित कर तथा मशाल जलाकर विधिवत प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया । मौके पर उन्होंने कहा खेल जीवन मे महत्वपूर्ण स्थान रखता है। खेल से मन तथा शरीर भी स्वस्थ रहता है ।आज बिभिन्न प्रतियोगिता में प्रतिभागी प्रतिस्पर्धा में आगे है। आज हमारा जिला भी खेल के रूप में जाना है ।आज सिमडेगा जिला से कई खिलाड़ी बिभिन्न टीमो से खेल कर देश तथा अपने जिले का नाम रोशन कर रहे हैं ।हॉकी फुटबॉल सहित अन्य खेलों में जिला के खिलाड़ी जिला का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में छेत्र चार विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया ।हाई स्कूल रामपुर 69 अंक लाकर प्रतियोगिता में चैंपियन बना ।जनता हाई स्कूल जितूटोली 67अंक ,हाई स्कूल अघरमा 35अंक तथा हाई स्कूल तुरबुङ्गा 15अंक लाकर चौथे स्थान पर रहा। प्रतियोगिता में पंद्रह सौ मीटर की दौड़ में रोहित मिंज ,अरुण गोप ,अमित सोरेंग तथा बालिका वर्ग में बेरोनिका सुरीन, अणिमा बागे ,ओलिमा सोरेंग क्रमशः प्रथम ,द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे । प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ ,भाला फेंक ,साइकिल रेस ,ऊंची कूद ,चक्का फेक , म्यूजिक रेस आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फादर अनसेलेम केरकेट्टा ने कहा आज खेल के माध्यम से अपना जीवन सवार सकते है ।प्रतिदिन अभ्यास ही आपको जीत दिला सकता है ।युवा वर्ग नशापान से दूर रहे । पढ़ाई के साथ साथ खेलो का अभ्यास प्रतिदिन करें। जीत अवश्य मिलेगी । प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया ।

सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण, बोले विधायक

जिलेवासियों को दें समुचित चिकित्सीय लाभ

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। विधायक भूषण बाड़ा शानिवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। मौके पर विधायक ने अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों के बेड तक जाकर अस्पताल से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही सभी मरीजों के जल्द स्वास्थ्य लाभ की ईश्वर से कामना की। वहीं ड्यूटी में तैनात चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों को इलाजरत मरीजों का सेवा भाव के साथ बेहतर स्वास्थ्य लाभ देने का निर्देश दिया। विधायक ने अस्पताल परिसर के स्वास्थ्य सुविधाओं की भी जानकारी लेते हुए अस्पताल को साफ एवं स्वच्छ रखने का निर्देश दिया। विधायक ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी चिकित्सा पदाधिकारी एवं कर्मी अपने मन मे सेवा भाव पैदा करें। यहां पर भर्ती मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करें। अपना व्यवहार को भी मरीजों और परिजनों के साथ मधुर रखें। ताकि मरीजों एवं परिजनों को अस्पताल में अपनापन का एहसास हो। ऐसे में मरीज भी जल्द स्वास्थ्य हो सकते हैं। विधायक ने चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों को मरीजों के इलाज में कतई कोताही नहीं बरतने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि इलाज करने में कोताही बरतते हुए पाए जाने पर कड़ी करवाई की जाएगी। वहीं विधायक ने अस्पताल में भर्ती कांग्रेस नेत्री नीला नाग की पुत्री निम्मी नाग से भी मुलाकात कर उनका हाल चाल लिया। साथ ही उनके जल्द स्वास्थ्य लाभ की ईश्वर से कामना की। वहीं विधायक ने चिकित्सकों को निम्मी नाग का भी बेहतर इलाज करने का निर्देश दिया। वहीं निम्मी को उनके इलाज में हर सम्भव मदद करने का आश्वासन का आश्वासन दिया। मौके पर जिप सदस्य जोसिमा खाखा,जिला अध्यक्ष डेविड तिर्की, जिला विधायक प्रतिनिधि संतोष सिंह,विधायक प्रतिनिधि शीतल एक्का,जिला प्रवक्ता रणधीर रंजन,जिला उपाध्यक्ष शिशिर मिंज,पंचायत अध्यक्ष निलेश एक्का, कांडीदत गोविंदा महतो,जयंत बरला, कृष्णा सिंह आदि मौजूद थे।

हौसला बढ़ाया

संत अगुस्टिन चर्च किलेसेरा में हॉकी प्रतियोगिता का समापन

खेल को खेल की भावना से खेलें खिलाड़ी : संदेश एक्का

नवीन मेल संवाददाता

बोलबा। प्रखंड के किलेसेरा में संत अगुस्टिन चर्च की ओर से शनिवार को हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड पार्टी के युवा जिला अध्यक्ष संदेश एक्का मौजूद रहे । जहां पर उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए खेल की शुरूआत की। जहां पर फाइनल मैच साधुमुंडा उड़ीसा बनाम बरघाट झारखंड के बीच खेल का आयोजन किया गया जहां पर शानदार पारी खेलते हुए साधुमुंडा उड़ीसा की टीम ने 1-0 से जीत दर्ज की। इस मौके पर विजेता टीम को पुरस्कृत किया गया अपने संबोधन में युवा जिला अध्यक्ष संदेश एक्का ने कहा की खेल के माध्यम से देश में खिलाड़ियों को एक नई पहचान मिल रही है और इस क्षेत्र में लगातार हॉकी फुटबॉल सहित कई खेलों को बढ़ावा देने का काम किया जा रहा है ।सभी खिलाड़ी पूरे विश्वास लगन और खेल को खेल भावना के साथ खेलते हुए आगे बढ़े ,जिससे कि खिलाड़ी के अंदर छुपी प्रतिभा बाहर निकले और वह खिलाड़ी जिले से बाहर जाकर खेल कर देश-विदेश में सिमडेगा जिले का नाम रोशन करें। जिस प्रकार सिमडेगा के दर्जनों खिलाड़ी आज परचम लहराने का काम किया है ,इस सिख को लेते हुए आप सभी बेहतर खेल कर आगे बढ़े और खेल के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाएं ।झारखंड पार्टी हमेशा युवाओं के सोच को आगे बढ़ते हुए खेल में भी हर संभव मदद देने का काम करती है, और आने वाले दिनों में हर संभव प्रयास करेगी कि यहां के खिलाड़ी और भी बेहतर से बेहतर खेल कर नाम रोशन करें। मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष बसंत खलखो, उपाध्यक्ष हेरमन लकड़ा ,सचिव क्रिस्टोफर किंडो, प्रकाश लकड़ा महिपाल महानदीपा, दिलीप नायक, जेवियर लकड़ा ,पदमन माझी ,जोवाकीम लकड़ा ,कार्तिक माझी ,नकुल माझी ,राजकुमार बेसरा, अमन खेस,जुवेल हैरेंज ,संदीप लुगुन, रसाल खलखो, गोस्सनर डांग आदि उपस्थित रहे।

राशन नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने सड़क जाम कर की नारेबाजी

सिमडेगा। 3 महीना से राशन नहीं मिलने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार को सिमडेगा रांची मुख्य मार्ग नेशनल हाईवे 143 को फुलवा टांगर के पास जाम कर दिया। इधर जाम करते हुए प्रशासन के खिलाफ एवं राशन डीलर के खिलाफ जमकर नारेबाजी की, इधर सड़क जाम करने की वजह से सिमडेगा की तरफ से रांची जाने वाली वाहनों की लंबी लाइन लग गई। इसके अलावा रांची से राउरकेला जाने वाली वाहनों की भी लंबी लाइन लग गई ।इधर ग्रामीणों की मांग थी कि हमें तत्काल राशन मिले। वहीं मामले की जानकारी सिमडेगा पुलिस को हुई ,जिसके बाद तत्काल सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जय गोविंद गुप्ता के निर्देश पर थाना की सब इंस्पेक्टर रूपा पाल दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंची।

गागर में सागर

सीआरपीएफ ने ग्रामीणों के बीच दैनिक उपयोग की सामग्रियों का किया वितरण

भंडरिया। भंडरिया थाना क्षेत्र के अति सुंदुरवर्ती बूढ़ा पहाड़ के तलहटी में बसे कुल्ही गांव में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 172 बटालियन के द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन कर कुल्ही, बहेराटोली, बूढ़ा पहाड़, छत्तीसगढ़ के पुनदाग गांव के ग्रामीणों के बीच दैनिक उपयोग के सामग्री का किया गया वितरण। वितरण की गई सामग्रियों में 120 कंबल 36 पानी टंकी व 56 प्लास्टिक तिरपाल आदि शामिल रहे। उक्त जन कल्याणकारी कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 172 बटालियन के कमांडेंट नृपेन्द्र कुमार सिंह उप कमांडेंट यू आर रामेश्वरम सहायक कमांडेंट कैश प्रकाश सहायक कमांडेंट नीरज कुमार, मुंबईकर अक्षय पांडुरंग, सहायक कमांडेंट जीडी श्रीनिवास दुबे, के अतिरिक्त सीआरपीएफ कार्मि व स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कमांडेंट नृपेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 172 बटालियन या अन्य बटालियन के लोग का हमेशा प्रयास रहा है कि जिस क्षेत्र में रहे उस क्षेत्र में रहने वाले जनता के कल्याण व सुविधा के लिए हरसंभव उत्थान का प्रयास किया करता है ताकि लोग शिक्षित व समृद्ध होकर मुख्यधारा में रहे। सीआरपीएफ के द्वारा इस तरह के कार्यक्रम का ग्रामीणों ने प्रशंसा करते हुए पुलिस के जवानों पर आभार जताया।

भाजपा प्रखंड अध्यक्ष का बीडीओ पर जेएमएम का एजेंट होने का आरोप

भंडरिया। भंडरिया प्रखंड मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय में मंडल अध्यक्ष राजेश्वर ठाकुर ने पत्रकार वार्ता कर प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्र के मंत्री अर्जुन मुंडा के अथक प्रयास से आदिवासी बहुल क्षेत्र भंडरिया में एकलव्य आवासीय विद्यालय का निर्माण कार्य कराया गया है, जिसका ऑनलाइन उद्घाटन 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष में किया गया था। ऑनलाइन उद्घाटन कार्यक्रम में क्षेत्र के सांसद विष्णु दयाल राम विधायक आलोक चौरसिया व उनके प्रखंड प्रतिनिधियों को भी इसकी सूचना नहीं देना दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रखंड विकास पदाधिकारी की कार्यशैली से साफ झलकता है कि वह झारखंड मुक्ति मोर्चा के एजेंट के रूप में बहाल हुए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी की कार्यशैली की शिकायत पत्राचार के माध्यम से क्षेत्र के विधायक, सांसद, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रतिपक्ष के नेता अमर बावरी व जिला उपायुक्त को किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता व प्रखंडवासी को सूचना नहीं देकर क्षेत्र में केंद्र सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को छुपाने का कार्य किया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि रूप निरंजन सिन्हा, विधायक प्रतिनिधि बिरजू सिंह, मंडल उपाध्यक्ष विनय जायसवाल उपस्थित थे।

देवी जागरण का आयोजन आज होगा

भवनाथपुर। कोनमंडरा गांव में चापक चुआं छठ घाट पर रविवार को देवी जागरण का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी आयोजन समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने दी। बैठक में प्रेमचंद प्रजापति, नीतीश प्रजापति, राजू उरांव, जयसवाल उरांव, आमोद प्रजापति, चंदन उराव, आशीष उरांव, भुवनेश्वर उरांव, मंजय प्रजापति, विजय उरांव, माणिकचंद उरांव, राजेश उरांव, चंदन प्रजापति, रमेश प्रजापति, आशीष प्रजापति, अमित प्रजापति, सुजीत, बबलू प्रजापति, लवकुश, ईश्वर उरांव, अखिलेश उरांव, शिवरांतन, चंदन, मंटू आदि मौजूद थे।

बांकी नदी के तट पर अवस्थित अति प्राचीन सूर्य मंदिर छठ व्रतधारियों के लिए आस्था व विश्वास का केंद्र

यहां जो भी महिलाएं व्रत करती हैं, उनकी मनोकामनाएं होती हैं पूर्ण

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर
अनुमंडल मुख्यालय में बांकी नदी के तट पर अवस्थित अति प्राचीन सूर्य मंदिर छठ व्रतधारियों के लिए आस्था व विश्वास का केंद्र है। इस सूर्यमन्दिर की स्थापना नगर गढ़ के भैया राज किशोर देव की धर्मपत्नी सीता देवी ने वर्ष 1943 में करवाया था। उसी समय से यहां छठ महापर्व मनाया जाता है।

लोगों का मानना है कि जो भी व्रतधारी यहां छठ व्रत करती हैं, उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यही कारण है कि यहां प्रत्येक वर्ष झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों सहित सीमावर्ती उतर प्रदेश, मध्य प्रदेश सहित बिहार राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से छठ व्रत करने के लिए बड़ी संख्या में व्रतधारी आते

हैं। उन्होंने बताया कि छठ महापर्व के अवसर प्रभात क्लब द्वारा साफ सफाई, छठ व्रतधारियों के स्नान के लिए कृत्रिम झरना, रोशनी, ध्वनि आदि की व्यवस्था विगत 54 वर्षों से की जाती रही है। अपने स्थापना काल से ही प्रभात क्लब समाजिक, धार्मिक व राष्ट्रीय कार्यो में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेता रहा है। व्रतधारियों को हरसंभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए क्लब के सदस्य पूरे रात सक्रिय रहते हैं। इधर नवयुवक क्लब द्वारा 1967 से लगातार प्रत्येक वर्ष छठव्रतधारियों के लिए छठ घाट पर साफ सफाई, बैठने के लिए टेंट, व्रत धारियों के लिए कृतिम झरना, ध्वनि आदि की व्यापाक व्यवस्था की गई है। इसकी जानकारी क्लब के अध्यक्ष मनोज कुमार, अजय प्रसाद एवं कमलेश कुमार मेहता ने दी। उन्होंने कहा कि पंचमुखी मंदिर के निकट नियंत्रण कक्ष भी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि छठ व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो इसके लिए क्लब के सदस्य हमेशा तत्पर रहते हैं। जय भामाशाह क्लब क अध्यक्ष रजनीकांत मधुर भोलू ने बताया कि बस स्टैंड से लेकर सब्जी बाजार होते छठ घाट तक जय भारत क्लब द्वारा बंशीधर मंदिर जाने वाले द्वार से नगर पंचायत कार्यालय तक साफ सफाई, रोशनी, ध्वनि के साथ-साथ व्रतधारियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। फ्रेन्ड्स रॉक ग्रुप सहित अन्य की ओर से भी छठ व्रतधारियों की सुविधा के लिये कार्य किये जा रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा छठ घाटों पर दंडाधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया है।

छठ महापर्व पर भक्ति गीतों से गूंजा वातावरण

नवीन मेल संवाददाता। चंदवा
लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर प्रखंड के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। शहर समेत ग्रामीण क्षेत्रों में छठी मईया के गीतों से पूरा वातावरण गूंज रहा है। बाजार में दुकानों और फुटपाथ पर सूप, दौरा, नारियल, फल और पूजा सामग्री से दुकानों में शनिवार को जमकर बिक्री हुई। वहीं मिट्टी से बने बर्तनों की दुकानें भी भीड़ देखने को मिली। पूजन सामिग्री की खरीदारी में लोग जुट गए हैं। शनिवार को बाजारों में फल, नारियल और पूजा सामानों को खरीदने के लिए लोगों की भीड़ देखी गई। छठ पूजा को लेकर प्रसाशन भी पूरी तरह से अलर्ट दिख रहा है। विभिन्न छठ पूजा समितियों द्वारा छठ घाटों की साफ सफाई कराई गई है। पहुंच पथ पर लाइट की पूरी व्यवस्था की गई है। घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। छठ व्रतियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है। छठ व्रती रविवार शाम को पहला अर्ध्य देंगे।

लागत मूल्य पर 2700 लीटर दूध का वितरण

लातेहार। शहर के अमवाटीकर मोड़ में श्रीराम टेंट हाउस एवं सहयोगी संस्था आलोक मोहन स्मृति सेवा आश्रम की ओर से छठ व्रतियों के बीच लागत मूल्य पर 2700 लीटर दूध का वितरण किया गया। मौके पर मौके पर निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष सीतामनी तिर्की, संस्था

के संस्थापक रामनाथ अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, बंसत भगत, संतोष मिश्रा, महेंद्र प्रसाद शौंडिक, मुरली प्रसाद अग्रवाल, निर्मल महलका, विनोद कुमार अग्रवाल, संजय तिवारी, प्रथमेश राज, वनिशा, दयमंती देवी व रश्मि कुमारी आदि मौजूद थे।

पहले अर्घ्य के लिए छठ घाट सज-धज कर तैयार

बरवाडीह। प्रखंड मुख्यालय एवं आसपास के क्षेत्र में चार दिवसीय आस्था महापर्व छठ के दूसरे दिन खरना संपन्न हुआ। इसके साथ ही भगवान भास्कर को पहले अर्घ्य देने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रखंड के सभी छठ घाट सज-धज कर पूरी तरह से तैयार हो गये हैं। शनिवार शाम को खीर का भोग (खीर भोजन) लगाया गया।

भाजपा नेताओं ने छठ घाटों का किया निरीक्षण

बरवाडीह। भाजपा मंडल अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह अपने समर्थकों के साथ शनिवार को प्रखंड के सभी छठ घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष ने छठ घाट पूजा समिति के सदस्यों को आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया। भाजपा मंडल अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह ने जिप सदस्य संतोषी कुमारी, सांसद प्रतिनिधि कन्हाई प्रसाद आदि के साथ आदर्श नगर, धडधड़ी नदी, चपरी के देवरी नदी आदि छठ घाटों का निरीक्षण किया। मौके पर भाजपा उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, हेमंत कश्यप, भाजपा एसटी मोर्चा के अध्यक्ष मनोज सिंह, राजीव कुमार राजू, तस्लीम खान, मंटू यादव, अवधेश प्रसाद आदि मौजूद थे।

छठ पूजा समिति ने किया सामिग्रियों का वितरण

मनिका। प्रखंड कार्यालय के मुख्य गेट समीप एनएच 39 किनारे शनिवार को आदिदेव छठ पुजा समिति ने छठव्रतियों के बीच दूध, नारियल आदि पूजा सामिग्रियों का वितरण किया। मौके पर जिला सांसद प्रतिनिधि सह पूर्व विधायक प्रतिनिधि लव कुमार दुबे, समिति के अजय कुमार गुप्ता, शैलोक कुमार यादव, नीरज यादव, पंकज कुमार यादव, रजत कुमार, विकाश कुमार निक्की, संतोष कुमार गुप्ता, कृष्णा प्रसाद, पंचरत्न सोनी, सागर सोनी, अंकित राज गोलु, रमेश गुप्ता, अशोक प्रजापति, बिरेंद्र कुजूर, आशिष गुप्ता, विकास गुप्ता, उमाशंकर गुप्ता आदि उपस्थित थे।

खरना संपन्न, सभी छठ घाट सज-धज कर तैयार

मनिका। प्रखंड मुख्यालय एवं आसपास के क्षेत्र में चार दिवसीय आस्था महापर्व छठ के दूसरे दिन खरना महापर्व संपन्न हुआ। वहीं छठ महापर्व के पहले अर्थ की तैयारी जोर से शुरू हो गई है। सूर्य का पहले अर्घ्य की तैयारी को लेकर प्रखंड के सभी छठ घाट सज धज कर पूरी तरह से तैयार हो गये हैं। खीर महाप्रसाद ग्रहण करने के लिए लोग एक दूसरे के घरों में जाकर छठवर्तियों से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए महाप्रसाद ग्रहण किया।

ट्रक चालक की ओडिशा में वाहन दुर्घटना में हुई मौत

नवीन मेल संवाददाता। मयूरहंड(चतरा)
मयूरहंड प्रखंड क्षेत्र के सदाफर निवासी चालक रंजन कुमार पाण्डेय (35) की मौत देवगढ़-ओडिशा में वाहन दुर्घटना में हो गई। जानकारी के मुताबिक रंजन कुमार सिंह पेशे से ट्रक चालक

था और ट्रेलर वाहन को अंगुल से लोड करके जमादा जा रहा था। इसी बीच कालापाड़ा के समीप विपरीत दिशा से तेज गति से आ रहे ट्रक ओडी35जी 8294 ने सामने से जोरदार टक्कर मारा। जिसमें रंजन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों के मदद से अविलंब उन्हें देवगढ़ अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने तीन भाइयों में सबसे छोटे तथा परिवार में एक मात्र कमाऊ व्यक्ति थे। इनके दो छोटे बच्चे अनीश और ऋषभ हैं। वहीं ग्रामीणों के अनुसार मृतक के ससुराल बनऊ (चौपारण) में छठ पूजा की तैयारी की गई थी, परंतु मृत्यु की सूचना मिलते हीं त्योहार की खुशी मातम में बदल गई। घर तथा ससुराल दोनों घरों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। गांव में मातम पसरा है। शनिवार को सदाफर मुक्तिधाम में मृतक का अंतिम संस्कार किया गया।

मां-बाप की मौत से 3 बच्चे हुए अनाथ, मदद की गुहार

नवीन मेल संवाददाता। बारियातु
प्रखंड के बालूभांग पंचायत अंतर्गत हेरानहोपा गांव में माता-पिता की मौत के बाद तीन बच्चे अन्नाथ हो गए हैं। उप मुखिया विनोद कुमार यादव ने बताया कि हेरनहोपा निवासी

दलित परिवार नंदकिशोर राम की 28 दिसंबर 2016 में मौत हो गई थी। तब से पत्नी सकुनवा देवी 14 वर्षीय पुत्र नीरज कुमार, पूजा कुमारी (12) व नितेश कुमार (10) की मेहनत मजदूरी कर पालन पोषण कर रही थी। लगभग एक वर्ष से बीमार चल रही और आर्थिक तंगी के कारण बाहर इलाज नहीं करा सकी सकुनवा देवी की 16 नवंबर को मौत हो गई। माता-पिता के गुजर जाने के बाद तीनों किशोरों के लिए अपनी दिवंगत मां का श्राद्ध कर्म करना भी मुश्किल हो गया है। शिक्षा के लिए किसी आश्रयदाता के सहयोग की आवश्यकता है। बच्चों ने शासन-प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

छठ महापर्व को लेकर सत्यहारणी देवी स्थल तक युवाओं ने बनाया पहुंच पथ

नवीन मेल संवाददाता। बालूमाथ
प्रखंड मुख्यालय के बुनियादी विद्यालय से कुछ दूरी पर स्थित मां सत्यहारणी देवी स्थल पर स्थानीय युवकों ने छठ महापर्व को लेकर पहुंच पथ बनाया है। सत्यहारणी नगरी के दर्जनों युवकों ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी देवी स्थल तक पहुंच पथ की मरम्मत की। बता दें कि लोगों में इस स्थल को लेकर इतनी आस्था है कि यहां आसपास के ग्रामीण साल भर पूजा करते हैं। लोग यहां मन्नत मांगते हैं और पूरा होने पर पूजा करते हैं। आसपास के क्षेत्र में यह देवी स्थान विख्यात है। छठ पर्व पर व्रती विभिन्न जलाशयों में भगवान भास्कर को दूसरा अर्घ्य देने के बाद इसी देवी स्थान पर पूजा करने आते हैं। इसके

बाद ही उनकी पूजा पूर्ण होती है। इस स्थान तक पहुंचने के लिए कोई परमानेंट रास्ता नहीं है। स्थानीय ग्रामीणों की पहल पर पंचायत के मुखिया नरेश लोहरा ने योजना के माध्यम से इस पवित्र स्थान को और भी सुरक्षित किया है। मौके पर पिंटु कुमार, बलराम कुमार, बिहारी कुमार, आनंद कुमार, सूरज कुमार, दीपक कुमार, अमित कुमार, पिंटु पासवान, प्रभु कुमार, रोहित कुमार, अजय, भोला साव, विजय कुमार, सुमन, चंदन एवं अजित युवा समाजसेवी आदि मौजूद रहे।

बनवासी कल्याण केंद्र ने मनाया बिरसा मुंडा जनजाति गौरव दिवस

सिमरिया (चतरा)। बनवासी कल्याण केंद्र द्वारा सिमरिया प्रखंड अंतर्गत ग्राम जबड़ा के टोला सिरियाटांड़ में शनिवार को बिरसा मुंडा जनजाति गौरौव दिवस मनाया। कार्यक्रम में बनवासी कल्याण केंद्र द्वारा खोखो खेल का आयोजन किया गया। इसके अलाव बिचितोंगरी के 10 विधवा असहाय महिला, चिरैया टोला के पांच असहाय महिला, नवादा के 10 महिला-पुरुष, सिरियाटांड के 10 महिला-पुरुष व कुसुम टोला के 10 महिला-पुरुष के बिच कंबल वितरित किया गया।

कार्तिक उरांव स्मृति खेल-कूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। गुमला
शनिवार को गुमला जिले के घाघरा प्रखंड के बदरी ग्राम में कार्तिक उरांव स्मृति जतरा सह खेल - कूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखण्ड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, लोहरदगा सांसद सुदर्शन भगत, राज्यसभा सांसद समीर उराँव, राष्ट्रीय मंत्री भाजपा सह महापौर आशा लकड़ा, पूर्व विधायक शिवशंकर उरांव, विकास भारती के संयुक्त सचिव महेंद्र भगत, पूर्व विधान पार्षद प्रवीण सिंह, भिखारी भगत सहित हजारों की संख्या में ग्रामीण इस मेले में उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम का आयोजन तेम्बू उरांव के द्वारा किया गया। इस मौके पर श्री उरांव ने कहा कि खेल कूद प्रतियोगिता वे संस्कृति कार्यक्रम से बच्चों में निखार आता है। झारखंड में खिलाड़ियों की कमी नहीं है। कम संसाधनों में भी यहां बच्चे अपनी खेल प्रतिभा से दुनिया में नाम रौशन कर रहे हैं।

घटना रेलवे निर्माण साइट पर पहुंचे आईजी, अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

रेलवे निर्माण कार्यस्थल पर अंधाधुंध फायरिंग

नवीन मेल संवाददाता। बालूमाथ
थाना क्षेत्र के रेलवे ओवरब्रिज के पास स्थित रेलवे निर्माण कार्य में लगे एनसीपीएल कंपनी के कैंप के निकट अज्ञात अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग की है। घटना शुक्रवार लगभग 9:00 बजे रात की बताई जा रही है। घटना की सूचना पाकर बालूमाथ पुलिस सहित हेरहंज एवं चंदवा थाना प्रभारी के अलावे आसपास के पुलिस पीकेट प्रभारी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एवं अपराधियों की धर पकड़ के लिए छापामारी अभियान चलाया गया। वाहनों की देर रात तक जांच की गई। बता दें कि कुछ दिन पूर्व ही रेलवे निर्माण कार्य करा रही साई

कृपा कंस्ट्रक्शन के बुकरू साइट पर अपराधियों ने दहशत फैलाने के उद्देश्य से गोलीबारी की थी। चार दिन बाद पुनः अपराधियों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया है, जिससे निर्माण कार्य करा रही कंपनी वर्कर दहशत में है। यह घटना रंगदारी से जुड़ी बताई जा रही है। इसके लिए निर्माण कंपनी के संवेदक को निरंतर फोन कर धमकी देने की बात कही जाती है, जिसको लेकर स्थानीय थाना में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी। इस घटना के बारे में बालूमाथ थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार महतो ने पूछे जाने पर बताया कि रात्रि में फायरिंग की सूचना पाकर लगभग 40- 50 पुलिस बल घटना स्थल पर पहुंचे। मामले की छानबीन की गई लेकिन घटना स्थल पर एक भी खोखा बरामद नहीं हुआ। आसपास कोई व्यक्ति भी दिखाई नहीं दिया। वहीं पलामू रेंज के आईजी राजकुमार लकड़ा शनिवार बालूमाथ थाना अंतर्गत स्थित टोरी शिवपुरी थर्ड रेल लाइन निर्माण करा रही साइन कृपा कंस्ट्रक्शन के बुकरू साइट पर पहुंचे और बीते दिनों हुई गोलीबारी की घटना का जायजा लिया। इसके बाद बालूमाथ रेलवे ओवरब्रिज के निकट स्थित एनसीपीएल रेलवे निर्माण कैंप के पास शुक्रवार को हुई गोलीबारी की घटना के बारे में जानकारी ली। इस दौरान आईजी ने बालूमाथ डीएसपी दिल्लू लोहरा, इंस्पेक्टर शशि रंजन, थाना प्रभारी धर्मेंद्र महतो को कई दिशा निर्देश दिए।

पूर्व विधायक अनंत प्रताप दिवंगत शिक्षक के परिजनों से मिले

धुरकी। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता सह पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव उर्फ छोटे राजा शनिवार को सुबह धुरकी स्थित सेवानिवृत्त शिक्षक बृजमोहन कोरवा की मौत ब्रेन हैंब्रेज से होने के बाद उनके घर पहुंचे और परिजनों से मिलकर गहरा दुख प्रकट किया। पूर्व विधायक ने दिवंगत के बेटे मंडल कोरवा, हरिवंश कोरवा से बातचीत की। हरिवंश कोरवा ने बताया कि उनके पिता 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने के बाद राशि और पेंशन नहीं मिलने से काफी चिंतित रहते थे। अपने कार्य के सिलसिले मे वह चार महीने से गढ़वा का चक्कर लगाते थे। इस दौरान जेएमएम के मुक्तेश्वर पांडेय, प्रखंड अध्यक्ष धीरेंद्र यादव, शैलेश यादव, उमेश राम, शंकर यादव, संदेश गुप्ता, सगीर अंसारी उपस्थित थे।

एक नजर इधर भी

अमेरिका-चीन की वैश्विक मुद्दों पर द्विपक्षीय वार्ता

वैश्विकस्तर पर आज दुनियां में ताकतवर देश के बीच तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है जो तीसरे विश्व युद्ध का रास्ता तैयार कर रहा है, क्योंकि वैश्विक परिस्थितियों में स्थिति ऐसी बन रही है कि गुटबाजियों को बल मिल रहा है और विकसित ताकतवर देश अपना वर्चस्व स्थापित करने सामने या फिर पर्दे के पीछे अपना डंका का जरूर बजाने की कोशिश करते हैं, जो उकसाने की कार्यवाही के रूप में परिभाषित हो जाती है, यही से लड़ाई का पहिया पड़ जाता है जो विश्वयुद्ध की लड़ाई में तब्दील हो जाता है। पृथ्वी पर दो महा विश्वयुद्ध हो चुके हैं और अब रूस यूक्रेन इसराइल हमास युद्ध अमेरिका - रूस - चीन की लुका छिपी, भारत पाकिस्तान चीन की जद्दोजहद अनेक देशों की सेना द्वारा सत्ता पलट कर काबिज सहित अनेक उदाहरण हम देख सकते हैं जिससे विश्व शांति कोठेस पहुंचती है, इसे समाप्त करने के लिए ताकतवर देश पड़ोसी देशों सहित आपसी मतभेदों वाले देशों को आपस में मिल बैठ मतभेदों के मुद्दों पर चर्चा करके वैश्विकस्तर पर शांति स्थापित करना वर्तमान समय की मांग है, जिसकी शुरूआत हो गई है क्योंकि दिनांक 11 - 17 नवंबर 2023 को अमेरिका के सेंट फ्रांसिस्को में हुए एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन में धुर विरोधी अमेरिका चीन ने वैश्विक मुद्दों पर विपक्षीय वार्ता कर दुनियां को चौंका दिया है और संदेश भी दिया है कि आपसी वार्ता कितनी महत्वपूर्ण है, चूंकि एपीईसी में यह शुरूआत हो चुकी है जिससे मौजूदा तनावपूर्ण माहौल पर पानी के छींटें मारने का काम किया है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वैश्विक तनाव कम कर शांति स्थापित करने बड़े देशों की द्विपक्षीय सकारात्मक वार्ता होना वर्तमान समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम 15 नवंबर 2023 को एपीईसी के 30 वें शिखर सम्मेलन में अमेरिका और चीन के समकक्ष राष्ट्रपतियों द्वारा द्विपक्षीय वार्ता की करें तो अमेरिकी राष्ट्रपति और चीनी राष्ट्रपति की बुधवार को हुई मुलाकात कई वजहों से अहम रही। अव्वल तो इसने दुनिया के मौजूदा तनावपूर्ण माहौल पर पानी के छींटे मारने का काम किया है। दूसरी बात यह कि दुनिया के दो सबसे ताकतवर देशों के प्रमुखों की इस मुलाकात के दौरान कूटनीतिक संतुलन साधने की कुशलता अपने बेहतरीन रूप में नजर आई। दोनों नेता ऐसे समय में मिल रहे थे, जब दुनिया रूस-यूक्रेन और इस्राइल-हमास युद्ध की दोहरी चुनौतियों से जूझ रही है और दोनों ही मामलों में चीन और अमेरिका की सहानुभूति परस्पर विरोधी खेमों के साथ जुड़ी है। जहां अमेरिका खुलकर यूक्रेन का साथ दे रहा है, वहीं चीन रूस का साथ छोड़ने को तैयार नहीं है। दूसरी ओर, अमेरिका इस्राइल के आत्मरक्षा के अधिकार का मुखर प्रवक्ता बना हुआ है तो चीन गाजा में नागरिक आबादी पर हमले की निंदा करने में आगे है। इन तात्कालिक मुद्दों के अलावा भी पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच आर्थिक मुद्दों पर दूरी इतनी बढ़ गई कि उसे दुनिया की दो सबसे बड़ी इकॉनमी के बीच ट्रेड वॉर कहा गया। साउथ चाइना सी और ताइवान जैसे मसलों पर चीनी आक्रामकता और उस पर रोक लगाने की कोशिशें तो अपनी जगह थीं ही। इन सबके कारण दोनों पक्ष आपसी दूरी को कम करना जरूरी समझ रहे थे। जैसा कि मुलाकात के बाद जारी बयान में संकेत दिया गया कि ताइवान, टेक्नॉलजी, साउथ चाइना सी या रूस को चीनी सहायता जैसे मसलों पर तनाव को बढ़ने देने से उसके संघर्ष का रूप लेने का खतरा है। इसी खतरे को टालने की दिशा में एक ठोस प्रगति यह हुई कि बैठक में सर्वोच्च स्तर पर बातचीत का चैनल हमेशा खुला रखने का फैसला किया गया। तय हुआ कि जब भी जरूरत होगी दोनों राष्ट्रपति फोन पर एक-दूसरे से बात कर लिया करेंगे। ऐसे संकेत मिले कि खास तौर पर आर्थिक मसले पर दोनों देशों के बीच पिछले कुछ वर्षों में उभरे मतभेद आने वाले समय में कुछ कम होते दिखेंगे।

■ **किशन भावनानी गोंदिया**

दुनिया स्तंभित हो रही है भारत की आर्थिक तरक्की से

भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गई है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्रीय वार्ता को संबोधित करते हुए सतत विकास के प्रति देश की प्रतिबद्धता पर बल दिया। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को रेखांकित करते हुए उन्होंने भविष्यवाणी की कि 2027 तक भारत जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा। भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वॉकल फोर लॉकल का आह्वान आर्थिक विकास आधार बन रहा है। स्व-भाव एवं स्वदेशी के मंत्र ने आर्थिक विकास को पंख लगाये हैं जिससे अर्थ की गाड़ी तेज रफ्तार से दौड़ने लगी है। भारत की आर्थिक तरक्की दुनिया को स्तंभित करने लगी है, क्योंकि भारत का घरेलू बाजार ही इतना विशाल है कि भारत को विदेशी व्यापार पर बहुत अधिक निर्भरता नहीं करनी पड़ रही है। भारत के बाजार से कई देशों का आर्थिक विकास होता रहा है, अब स्वदेश जागरण से देश का अर्थ देश में ही रहने लगा है। चीन की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से दौड़ी थी और चीन के आर्थिक विकास में विदेशी व्यापार का सर्वाधिक योगदान था परंतु आज भारत की आर्थिक प्रगति में घरेलू कारकों एवं मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों का प्रमुख योगदान है। वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, भारत की आर्थिक वृद्धि केवल 7 प्रतिशत से कम होने का अनुमान है, जो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। सकल घरेलू उत्पाद 5 ट्रिलियन अमरीकी डालर को पार कर जायेगा। भारत की 'नीली अर्थव्यवस्था' का सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 4 प्रतिशत का योगदान है, जो अवसरों के सागर का प्रतिनिधित्व करता है। तट के किनारे नौ राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों, 12 प्रमुख और 200 से अधिक गैर-प्रमुख बंदरगाहों और नौगम्य जलमार्गों के व्यापक नेटवर्क के साथ, भारत महासागर आधारित व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में खड़ा है। भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री की नित-नयी आर्थिक योजनाओं, अपनी जड़ों एवं माटी से जुड़ने, स्वदेशी अपनाने की प्रेरणा एवं विदेश यात्राओं का भी योगदान है। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कनेक्टिविटी कॉरिडोर (आईएमईसी) सबसे आशाजनक कनेक्टिविटी परियोजनाओं में से एक है। 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन में हस्ताक्षरित, आईएमईसी एक मल्टीमॉडल आर्थिक गलियारा है जिसमें शिपिंग, रेलवे, रोडवेज, बिजली केबल, हाई-स्पीड डेटा केबल और एक हाइड्रोजन पाइपलाइन शामिल है। गलियारे का उद्देश्य परिवहन दक्षता को बढ़ाना, रसद लागत को कम करना, आर्थिक एकता को बढ़ावा देना, रोजगार उत्पन्न करना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करके एक स्वच्छ, सुरक्षित दुनिया में योगदान देना है। भारत चीन से भी आगे निकलकर विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन चुका है, बड़ी आबादी को आर्थिक विकास का माध्यम बनाने में सरकार की सूझबूझ एवं योजनाएं कारगर साबित हो रही है। बड़ी आबादी के अनेक तरह के नुकसान हैं तो इसी से भारत में उत्पादों का उपभोग तेजी से बढ़ रहा है। इस तरह भारत न केवल उत्पादों के उपभोग का प्रमुख केंद्र बन बन रहा है बल्कि विश्व के लिए एक विनिर्माण केंद्र के रूप में भी उभर रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत पूर्व में ही वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े केंद्र के रूप में विकसित हो चुका है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्तमान स्तर 3.50 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2031 तक 7.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जायेगा और इस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगी। आगे आने वाले 10 वर्षों के दौरान आर्थिक क्षेत्र में भारत पूरी दुनिया का नेतृत्व करने जा रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था के वैश्विक स्तर पर सुपर पावर बनने के पीछे भारत के विशाल आंतरिक बाजार, स्व-भाव एवं स्वदेशी का दर्शन को मुख्य कारण है। आम जनता में स्व का भाव जगा कर, उनमें राष्ट्र प्रेम एवं स्व-संस्कृति की भावना विकसित करना भी आवश्यक है। इससे आर्थिक गतिविधियों को देशहित में करने की इच्छा शक्ति नागरिकों में जागृत होती है और देश के आर्थिक विकास में प्रबल तेजी दृष्टिगोचर होती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी वर्ष 1925 में, अपनी स्थापना के बाद से, भारतीय नागरिकों में स्व का भाव जगाने का लगातार प्रयास कर रहा है। निश्चित ही भारत की आर्थिक प्रगति एक सुखद संकेत है, शीघ्र ही भारत विकासशील देशों के वर्ग से निकलकर विकसित देश हो जायेगा। एक दशक में भारत दसवें नंबर की अर्थव्यवस्था से तरक्की करके दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति बन गया। अनुमान हैं दो साल के अंदर हम तीसरी आर्थिक शक्ति बन जायेंगे। निस्संदेह इस वक्त भारत की आर्थिक विकास दर का सूचकांक दुनिया में सर्वाधिक है। जो भारत के आर्थिक महाशक्ति बनने का संकेत दे रहा है। भारत के आर्थिक महाशक्ति बनने को सकारात्मक रूप देने की अपेक्षा है, जिसमें गरीबी एवं भूखमरी का कलंक मिटना जरूरी है। आजादी के अमृत महोत्सव तक की आर्थिक यात्रा का लक्ष्य अब प्रजातांत्रिक समाजवाद एवं समतावादी समाज संरचना को हासिल करने का हो, देश में मानवीय मूल्यों, शांति एवं अहिंसक सिद्धांतों और आर्थिक समानता पर ध्यान देना होगा। भारत ने इस संदर्भ में पूरे विश्व को राह दिखाई है। इसी से गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे नागरिकों को कल का मध्यम वर्ग बनायेगी, इससे देश में विभिन्न उत्पादों का उपभोग बढ़ेगा तथा देश की आर्थिक उन्नति की गति भी तेज होगी। यह भारतीय सनातन संस्कारों के चलते ही सम्भव हो पाया है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को रेखांकित करते हुए उन्होंने भविष्यवाणी की कि 2027 तक भारत जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा। भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वॉकल फोर लॉकल का आह्वान आर्थिक विकास आधार बन रहा है। स्व-भाव एवं स्वदेशी के मंत्र ने आर्थिक विकास को पंख लगाये हैं जिससे अर्थ की गाड़ी तेज रफ्तार से दौड़ने लगी है।

इन दिनों

ललित गर्ग

सुरंग मेंकिग तकनीक पर विफलता की जिम्मेदारी तय हो

अब समय आ गया है कि सुरंग मेकिंग तकनीक विफलता की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। हुकूमतें इस बात को बेशक न मानें, पर टनल इंजीनियरिंग, अंडरपिनिंग व टनलिंग विधि में भारतीय व्यवस्था अब भी काफी पिछड़ी है। पहाड़ों को फाड़कर उनके भीतर टनल (सुरंग) बनाने का अनुभव नहीं है। हालांकि सॉफ्ट-ग्राउंड क्षेत्र में टनल, सब-वे व सीवर बनाने की विधि में हमारी तकनीक कारगर और मजबूत हैं। पहाड़ी दुर्गम क्षेत्रों को तहस-नहस करके उनमें विशालकाय सुरंगें बनाने के लिए आधुनिक तामझाम, टेक्नोलॉजी व उपयुक्त सिस्टम नहीं हैं। यही बड़ा कारण है कि पहाड़ों में बड़े प्रोजेक्ट कामयाब नहीं हो रहे। वहां, इस तरह की परियोजनाओं के विफल होने के पीछे पर्यावरण प्रकोप भी मुख्य वजह है। उत्तराखंड़ में बीते दशक भर में घटी तमाम दर्दनाक घटनाएं इसका ताजा उदाहरण हैं। उन्हीं में यह मौजूदा सुरंग की घटना भी शामिल है, जहां, ब्रह्मखाल-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहाड़ों का सीना चीरकर सिल्क्यारा और डंडालगांव के बीच लगभग पांच किलोमीटर लंबी सुरंग बन रही थी। सुरंग तो नहीं बनी, लेकिन चालीस जिंदगी मौत से जरूर लड़ रही हैं। निश्चित रूप से यह घटना रोंगटे खड़े करती है। समय जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, धड़कने तेज हो रही हैं। सुरंग के आसपास के डरावने सन्नाटे से बाकी मजदूर कैसे मुक्त हों? इसकी उम्मीद भी मुकम्मल तौर पर कोई नहीं बंधवाता। 12 तारीख से लेकर अभी तक स्थिति गंभीर बनी हुई है। उम्मीद की किरणें हर पल धूमिल होती दिख रही हैं। हालांकि शासन-प्रशासन का रेस्क्यू अभियान मुस्तैदी से जुटा है। घटनास्थल पर पहुंचकर मजदूरों के परिजन चीख-चिल्ला, रो-बिलख रहे हैं और सिस्टम को ललकार रहे हैं। सुरंग को 'मौत की सुरंग' बोलकर ईश्वर से हाथ फैलाकर उनके लिए सलामती की दुआ कर रहे हैं। वैसे, दुआएं उनके परिजन क्या, बल्कि समूचा भारत कर रहा है। मजदूर सुरंग के भीतर किस हाल में होंगे, ये तो सिर्फ वही जानते होंगे? घुप्प अंधेरे में मंडराती बिन बुलाई मौत उनके सामने दस्तक देकर खड़ी होगी, जिसे वो भयभीत होकर निहार रहे होंगे। उस दृश्य की कल्पना मात्र से भी कलेजा कंपकपाता है। बहरहाल, एक उम्मीद बंधी है कि अमेरिकी से कोई आधुनिक ड्रिल मशीन मंगवाई गई है जिसके जरिये मजदूरों को बाहर निकालने की कोशिश जारी हैं। ड्रिल मशीन के जरिये सुरंग के बाजू में एक गड्ढा करके उसमें पाइप डाला जायेगा। इसके सहारे अंदर फंसे मजदूरों को बाहर निकाला जायेगा। यह अमेरिकी ड्रिल मशीन बहुत तेज स्पीड से टनल काटती है। इसके अलावा थाईलैंड से भी मशीनें मंगवाई गई हैं जो इस रेस्क्यू अभियान में भारतीय सेना की मदद करेगी। लेकिन यह घटना कई सवाल खड़े करती है। उत्तराखंड में कई सरकारी प्रोजेक्ट विफल हुए और बड़े हादसों में तब्दील हुए। इशारा साफ है कि मानवीय हिमाकतों का खामियाजा कुदरत ने तुरंत दिया। केदारनाथ पॉवर प्रोजेक्ट, उत्तरकाशी थर्मल प्लांट, बद्रीनाथ आदि में हुए हादसे संकेत ही तो देते हैं कि पहाड़ों को मत छेड़ो? अगर छेड़ोगे तो उसका अंजाम बुरा होगा? बुरा हो भी रहा है। फिर भी कुदरत से मुकाबले करने के लिए इंसान आगे खड़े हैं। खुदा न खास्ता सुरंग में फंसे इन 40 मजदूरों के साथ कोई अनहोनी हो जाती है, तो उसकी भरपाई कौन करेगा। सुरंग ढहने के खिलाफ कानूनी सुरक्षा के लिए सतह प्रक्रिया भी कोई तय नहीं है, जिससे हताहतों के परिजन कानूनी लड़ाई लड़कर न्याय पा सकें। कहा जाता है कि विनाश की उत्पत्ति विकास से ही होती है। विकास के लिए हम इतने अंधे हुए पड़े हैं कि पर्यावरण की रक्षा करना ही भूल गये। प्राकृतिक संरचनाएं मानव या उनके द्वारा निर्मित मशीनों को कतई इजाजत नहीं देतीं कि उनका सीना वो बिलावजह चीरें? ये बात सौ आने सच है कि विकास के लिए हम पर्यावरण के नियंत्रण को पूरी तरह भूल गए हैं। एक कड़वी सच्चाई से इंजीनियर पूरी तरह वाकिफ होते हुए भी मौन रहते हैं? उन्हें पता होता है कि मैदानी क्षेत्र सुरंग बनाने में मदद करते हैं, लेकिन पहाड़ी क्षेत्र बिल्कुल नहीं? बावजूद इसके पहाड़ों का दोहन करने से बाज नहीं आते? मैदानी क्षेत्रों में जब सुरंगों का निर्माण होता है तो उसमें ताजी हवा प्रदान करने और मीथेन जैसी विस्फोटक गैसों और ब्लास्ट धुएं सहित हानिकारक गैसों को हटाने के लिए वेंटिलेशन महत्वपूर्ण होता है। जबकि, निकास स्क्रबर के साथ भूमिगत उपयोग के लिए केवल कम धुएं वाले विस्फोटकों का चयन करने से भी समस्याएं कम होती है, लंबी सुरंगों में एक प्रमुख हवादार संयंत्र शामिल होता है जो तीन फीट व्यास तक के हल्के पाइपों के माध्यम से और बूस्टर प्रशंसकों के साथ एक मजबूर ड्राफ्ट को नियोजित करता है।

उत्तराखंड़ में बीते दशक भर में घटी तमाम दर्दनाक घटनाएं इसका ताजा उदाहरण हैं। उन्हीं में यह मौजूदा सुरंग की घटना भी शामिल है, जहां, ब्रह्मखाल-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहाड़ों का सीना चीरकर सिल्क्यारा और डंडालगांव के बीच लगभग पांच किलोमीटर लंबी सुरंग बन रही थी।

■ **डॉ. रमेश ठाकुर**

है न विचित्र बात !

क्यों देश को इंतजार है नोएडा एयरपोर्ट शुरू होने का?

अगर सब कुछ योजना के चलता रहा तो उत्तर प्रदेश के जेवर में तेजी से बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली उड़ान अगले साल मार्च के महीने में अपने सफर पर चली जायेगी। यानी अब छह से भी कम महीनों का वक्त बचा है, इसे शुरू होने में। पहले कहा जा रहा था कि यहां से पहली फ्लाइट साल 2024 के अंत में ही उड़ान भरेगी। नोएडा एयरपोर्ट जितना जल्दी शुरू हो जाये उतना ही भारत आने और यहां से जाने वाले करोड़ों मुसाफिरों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर होगी। भारत सरकार का उड्डयन एवं गृह मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार मिल कर कोशिश कर रहे हैं ताकि नोएडा एयरपोर्ट वक्त से पहले ही शुरू हो जाये। नोएडा एयरपोर्ट का तुरंत बनना इसलिए भी जरूरी है ताकि इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) को यात्रियों की भीड़ से बचाया जा सके। इधर भीड़ के चलते बदइंतजामी और अराजकता के हालात बने रहते हैं। यात्रियों को तीन-तीन घंटे लाइन में लगना पड़ना आज के दिन आम बात हो गई है। आईजीआई एयरपोर्ट पर साल-दर-साल यात्रियों की भीड़ बढ़ती ही चली जा रही है। आप जानते हैं कि आईजीआई से प्रतिदिन हजारों भारतीय सात समंदर पार यात्रा के लिए जा रहे हैं तो इतने ही दुनिया के अलग-अलग भागों से दिल्ली आ भी रहे होते हैं। पिछले साल 2022 में तो यह दुनिया के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट की रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंच गया। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) की रिपोर्ट की माने तो आईजीआई एयरपोर्ट से साल 2022 में लगभग 5.95 करोड़ लोगों ने यात्रा की। यह भारत का सबसे व्यस्त एयरपोर्ट भी है। शायद यही वजह है कि आईजीआई एयरपोर्ट की वृहद् सुविधाएं भी भीड़ के सामने अब बौनी साबित होने लगी हैं। क्या कुछ साल पहले 31 मार्च, 2006 को जब आईजीआई शुरू हुआ था तो किसी ने भी यह सोचा था कि इधर मुसाफिरों की भारी भीड़ से सारी व्यवस्थाएं चरमराने लगेंगी? अगर इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलेगा कि राजधानी दिल्ली में सबसे पहले 10 मार्च, 1931 को सफदरजंग एयरपोर्ट का विधिवत उद्घाटन हुआ था। हालांकि इससे दो बरस पहले 1929 में ही इसकी सांकेतिक स्थापना भी हो गई थी। तब इसका नाम विलिंग्डन एयर फील्ड था। फिर इसका कुछ समय के बाद नाम कर दिया गया विलिंग्डन एयरपोर्ट। देश के आजाद होते ही विलिंग्डन एयरपोर्ट का नाम हो गया सफदरजंग एयरपोर्ट। बताते हैं, इधर कुछ विमान 1927 से ही उतरने लगे थे। दूसरे विश्व युद्ध में इसका मित्र देशों की सेनाओं ने भरपूर इस्तेमाल भी किया था। दिल्ली का यही 1962 तक मुख्य हवाई अड्डा रहा। उसके बाद पालम एयरपोर्ट बना। सफदरजंग एयरपोर्ट को सुरक्षा कारणों से 2002 में बंद कर दिया गया। इसे अमेरिका में 26/11 की भयंकर घटना को देखते हुए बंद किया गया कअब भी यहीं से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य अति विशिष्ट हस्तियां अपने सफर पर निकलते हैं। फिर वर्तमान में लौटते हैं। आईजीआई के शुरू होने के 20 साल के भीतर ही देश को एक नये विश्व स्तरीय एयरपोर्ट की जरूरत महसूस हुई। यह सुबूत है कि देश के एविएशन सेक्टर का तेजी से विकास और विस्तार हो रहा है। इसलिए ही ग्रेटर नोएडा में जेवर एयरपोर्ट को बनाने पर निर्णय लिया गया। जान लें कि तीस हजार करोड़ रुपये की लागत से 1334 हेक्टेयर में बन रहा जेवर एयरपोर्ट भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। फिलहाल यात्रियों की आवाजाही के लिहाज से आईजीआई देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। एक बात और। जेवर एयरपोर्ट की टिकटें आईजीआई के मुकाबले सस्ती होंगी। ऐसा दिल्ली और यूपी में एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) शुल्क में अंतर के कारण संभव होगा।

■ **आर.के. सिन्हा**

अग्निहोत्र यज्ञ है प्रदूषण मुक्ति का मार्ग

वैदिक साहित्य प्रकृति के प्रति आदर से भरा पूरा है। इस आस्था का तर्क संगत विज्ञान भी है। जर्मनी के डॉ. कुलरिच बर्क वैदिक अग्निहोत्र विज्ञान को कई देशों तक पहुंचा रहे हैं। डॉ. बर्क बर्लिन विश्वविद्यालय में गणित के प्राध्यापक रहे हैं और लगभग चार दशक से वैदिक विज्ञान में सक्रिय हैं। डॉ. बर्क ने 'व्हाट इज डन एंड व्हाट कैन बी डन विद अग्निहोत्र' शीर्षक से तीन सौ पृष्ठों का शोधपत्र बनाया। अग्निहोत्र विज्ञान पर उनके 20 से ज्यादा शोधपत्र विभिन्न देशों में प्रकाशित हुए हैं। डॉ. आरके पाठक बताते हैं कि, ''सूर्योदय के समय सम ऊर्जा, विद्युत ऊर्जा उत्सर्जित होकर पृथ्वी को ऊर्जावान बनाती है। अग्निहोत्र से इसकी सकारात्मकता में वृद्धि होती है। इसी तरह सूर्यास्त के समय ऊर्जा का उत्सर्जन वापस वातावरण में मिलता है। उनके मुताबिक कई देशों में भारत के इस प्राचीन विज्ञान को अपनाया जा रहा है। डॉ. उलरिच बर्क 40 वर्ष से अधिकांश देशों में भारत के प्राचीन अग्निहोत्र विज्ञान का प्रचार कर चुके हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के बागवानी संस्थान के सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. आरके पाठक भी इस अभियान से जुड़े हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, केरल और गुजरात के किसान भी इस अभियान का हिस्सा हैं। अग्निहोत्र यज्ञ कर्म का हिस्सा है। इससे प्रदूषण मुक्ति होती है। ऋग्वेद अग्नि स्तुति से ही प्रारम्भ होता है। कहते हैं, ''हम अग्नि की स्तुति करते हैं। अग्नि यज्ञ में पुरोहित हैं। यज्ञकर्ता को रत्न देने वाले हैं।'' (1.11) भारतीय परम्परा में यज्ञ असाधारण कर्मकाण्ड रहा है। वैदिक ज्ञान के तमाम सूत्र आधुनिक विज्ञान से भी सत्य हैं। ऋग्वेद में ही कहते हैं कि, ''यह सृष्टि यज्ञमय है। पूर्व काल में पूर्वजों ने तमाम यज्ञ किये थे।'' यज्ञ विधान का लगातार विकास हुआ है। यज्ञ में देव स्तुतियां हैं। यज्ञ का मूल तत्व स्वाहा है। स्वाहा का अर्थ समर्पण है। समर्पण कई तरह का है। हव्य समर्पण है। भाव समर्पण है। ज्ञान समर्पण है। अहंकार समर्पण है। गीता में यज्ञ को व्यापक अर्थ में समझाया गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं, ''कुछ योगी देवताओं के लिए यज्ञ करते हैं जबकि अन्य यज्ञकर्ता ब्रह्म की अग्नि में स्वयं को ही अर्पित कर देते हैं।'' यज्ञ कई तरह के हैं। कुछ लोग अपनी भौतिक सम्पत्ति व योगाभ्यास से अर्जित शक्ति को यज्ञ में अर्पित करते हैं। उपनिषदों के समय सभी कर्मों को बंधनकारी माना जाता था। कर्मबंधन में बंधे व्यक्ति का पुर्नजन्म होता है। केवल यज्ञ ही बंधन में नहीं डालता। श्रीकृष्ण अर्जुन को बताते हैं, ''प्राचीन काल में प्रजापति ने यज्ञ से प्राणी उत्पन्न किये थे और कहा था कि, ''यज्ञ तुम्हारी सभी इच्छाओं को पूरा करेगा।'' श्रीकृष्ण कहते हैं, ''तुम यज्ञ के द्वारा देवताओं का पोषण करो। देवता तुम्हारा पोषण करेंगे।'' यहाँ देवताओं और मनुष्य के बीच सामान्य अनुबंध दिखाई पड़ता है। अनुबंध टूटता है। प्रकृति की शक्तियां कोप में होती हैं। तूफान आते हैं। अतिवृष्टि और अनावृष्टि होती है। भूमण्डल का ताप बढ़ता है। मनुष्य प्रकृति की शक्तियों के सम्मुख स्वाहा समर्पण करता है। प्रकृति की शक्तियां पोषण करती हैं। यजुर्वेद के एक मन्त्र में यज्ञ से प्रार्थना है, ''हे यज्ञ जहां तक द्यावा, पृथ्वी, समुद्र और दिशाएं हैं, वहां तक हम सभी प्राणी आपसे ऊर्जा पाते हैं।'' गीता (4.31) में श्रीकृष्ण कहते हैं, ''जो यज्ञ के बाद शेष बचे अन्न खाते हैं वह ब्रह्म को प्राप्त करते हैं।'' गीता का यज्ञ चक्र ध्यान देने योग्य है। श्रीकृष्ण कहते हैं, ''अन्न से प्राणी होते हैं। अन्न वर्षा से होता है और वर्षा यज्ञ से होती है। यज्ञ सत्कर्मों से उत्पन्न होता है।'' यहाँ यज्ञ को सत्कर्म कहा गया है। 'यज्ञ-चक्र' बहुत प्रेमपूर्ण कल्पना है। श्री कृष्ण बताते हैं, 'अन्न से प्राणी होते हैं। वर्षा से अन्न उत्पन्न होता है। वर्षा यज्ञ से होती है और यज्ञ कर्म से उत्पन्न होता है।' (3.14) मनुस्मृति (3.76) में भी यही स्थापना है 'यज्ञ में दी गई आहुति सूर्य को मिलती है। सूर्य से पर्जन्य - मेघ आते हैं। वर्षा से अन्न पैदा होता है, अन्न से प्रजाए उत्पन्न होती हैं।' तैत्तिरीय उपनिषद् में कहते हैं 'परमतत्व से आकाश का जन्म हुआ। फिर वायु फिर अग्नि, जल और पृथ्वी की उत्पत्ति हुई। पृथ्वी से औषधियां और औषधियों से अन्न तथा अन्न से पुरुष उत्पन्न हुआ।' यहां सृष्टि के विकास क्रम का वर्णन है। श्रीकृष्ण अन्न से प्रारम्भ करते हैं। यहां प्रत्यक्ष भौतिकवाद है। ब्रह्मवादी इसी चक्र को परम तत्व से प्रारम्भ करते हैं। यज्ञचक्र सतत प्रवाही है। श्रीकृष्ण कहते हैं 'जो इस यज्ञचक्र के संचालन में सहायक नहीं होता, वह इन्द्रिय सुखों में संलग्न दुष्ट स्वभाव वाला है और उसका जीवन व्यर्थ है।' (3.16) यहां यज्ञ चक्र विरोधी को दुष्ट कहा गया। गीता का यज्ञ एक व्यापक अवधारणा है। यज्ञ का एक अंग 'दक्षिणा' है। दक्षिणा कर्मकुशलता का पारिश्रमिक है। दक्ष का अर्थ कुशलता होता है। ऋग्वेद (10.107.2) में भी दक्षिणा को अनिवार्य बताया गया है। वैदिक काल में यज्ञ का अनुभूत दर्शन था। अनुभूत दर्शन से यज्ञ संस्था का विकास हुआ। विकास के क्रम में कर्मकाण्ड की कई विधियां जुड़ी। वाजपेय यज्ञ में रथ में घोड़े जोते जाते थे, दौड़ होती थी, यजमान विजेता बनता था। राजसूय यज्ञ में वरुण या इन्द्र का अभिषेक होता था। तैत्तिरीय आरण्यक (2.10) के अनुसार अग्नि में ह्विष्य से देवयज्ञ, पितरों को अन्न जल तर्पण से पितृयज्ञ, पशुपक्षियों को भोजन देने से भूतयज्ञ, विद्वानों अतिथियों को भोजन देने से मनुष्ययज्ञ पूर्ण होता है लेकिन स्वाध्याय से ब्रह्मयज्ञ पूरा होता है -यत स्वाध्यायम धीर्यात, तद् ब्रह्मयज्ञ सन्तिष्ठते। स्वाध्याय का अर्थ कोरा अध्ययन ही नहीं है। कुछ लोग इसका अर्थ अच्छा साहित्य पढ़ना लेते है, तो अनेक विद्वान ऋग्वेद आदि के अध्ययन को स्वाध्याय बताते है। वस्तुतः यहां स्व-अध्ययन पर जोर है। जो पिण्ड में हैं, वही ब्रह्माण्ड में है। ब्रह्माण्ड विराट है, पिण्ड हम स्वयं है, हम सदा अपने निकट रहते हैं लेकिन बहुधा दूर भी होते हैं जब घर में होते है, तब गृहस्थ और जब स्व में स्थित होते है तब स्वस्थ। स्वाध्याय इसी 'स्व' का अध्ययन है। अपना अध्ययन पूरा तो ब्रह्म का अध्ययन का भी पूरा हो गया। यज्ञ का दर्शन बताते हुए श्रीकृष्ण (4.24) कहते हैं 'ब्रह्म ही ब्रह्म को आहुति देते हैं। ब्रह्म ही संपूर्णता में अग्नि हैं। ब्रह्म यज्ञकर्ता हैं, वही मंत्र, वही आहुति।' संपूर्णता ही संपूर्णता को संपूर्णता की हवि देती है। गीता का 'ज्ञान यज्ञ' श्रेष्ठ है। श्रीकृष्ण कहते हैं 'द्रव्य आदि पदार्थो द्वारा किये जाने यज्ञों की अपेक्षा ज्ञान यज्ञ श्रेष्ठ है - श्रेयान्द्रव्यमयाद्य ज्ञान यज्ञः। (4.32) यहां ज्ञान भौतिक जगत का अध्ययन है, भौतिक जगत के परे अज्ञात जगत की भी अनुभूति है। इसी ज्ञान के प्रकाश में स्वयं का अध्ययन भी इसमें सम्मिलित है। ज्ञान सर्वोपरि है। श्रीकृष्ण कहते हैं 'सभी कर्म निरपवाद रूप में ज्ञान में जाकर समाप्त हो जाते हैं।' (वही) ऋग्वैदिक काल से प्रख्यात यज्ञसंस्था कई बार आलोचना का भी शिकार हुई, तत्ववेत्ताओं ने इसे हर बार व्यापक अर्थों में सुपरिभाषित किया और मूल दर्शन से जोड़ा।

'सूर्योदय के समय सम ऊर्जा, विद्युत ऊर्जा उत्सर्जित होकर पृथ्वी को ऊर्जावान बनाती है। अग्निहोत्र से इसकी सकारात्मकता में वृद्धि होती है। इसी तरह सूर्यास्त के समय ऊर्जा का उत्सर्जन वापस वातावरण में मिलता है। उनके मुताबिक कई देशों में भारत के इस प्राचीन विज्ञान को अपनाया जा रहा है। डॉ. उलरिच बर्क 40 वर्ष से अधिकांश देशों में भारत के प्राचीन अग्निहोत्र विज्ञान का प्रचार कर चुके हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के बागवानी संस्थान के सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. आरके पाठक भी इस अभियान से जुड़े हैं।

■ **हृदयनारायण दीक्षित**

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनिल सिंह बादल*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

पलामू की गंगा कोयल व अमानत छठ पूजा का मुख्य केंद्र

पलामू में छठी मैया का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। जिले में दीपावली के पांच दिन बाद एक और बड़े त्योहार की शुरुआत होती है। कोयल व अमानत नदी सहित जिले के हर नदी, तालाब व कुएं पर लोग आस्था से छठी मइया का पूजन करते हैं। झारखंड, बिहार,ओडिशा, उत्तर प्रदेश व पूर्वी भारत में यह त्योहार जोर-शोर से मनाया जाता है। वर्तमान में छठ पूजा सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी बढ़-चढ़कर मनाये जाने लगा है। जो कि हमारे लिए गर्व की बात है। छठ मईया बच्चों की रक्षा व परिवार में आरोग्य देने वाली देवी के रूप से जानी जाती है। इसी वजह से सूर्य देव को खुश करने के साथ-साथ छठी मैया की भी पूजा होती है। इस विशेष पर्व के अवसर पर लोगों के मन में कई मान्यताएं हैं। इस व्रत को करते समय कई नियम और प्रतिबंध भी हैं। ये नियम बहुत सख्त हैं फिर भी लोग चेहरे पर खुशी के साथ इनका पालन करते हैं। तीन दिन के कठिन व्रत के बाद भी चेहरे पर मुस्कान छठ मैया के आशीष से ही संभव होता है। आस्था ही व्रतियों की मदद करता है। छठ पूजा का व्रत बहुत ही कठिन होता है। इसमें सभी व्रतधारकों को सुख-सुविधाओं को त्यागना होता है। इसके तहत व्रत रखने वालों को जमीन पर एक कम्बल या चादर बिछाकर सोना होता है। इसमें किसी तरह की ढिलाई नही होनी चाहिए। ये व्रत ज्यादातर महिलाएं करती है। वर्तमान में अब कुछ पुरूष भी यह व्रत करने लगे है। छठ माता को सूर्यदेव का बहन माना जाता है। छठ पूजा कथा के अनुसार छठ माता भगवान ब्रह्मा की पुत्री देवसेना बताई गई है। अपने परिचय में वे कहती है। कि वह प्रकति के छठवें अंश से उत्पन्न हुई है। यही कारण है कि उन्हें षष्ठी कहा जाता है। संतान की चाहत रखने वाले जातक के लिए यह पुजा बहुत लाभकारी मानी जाती हैं। पौराणिक ग्रन्थो में इसे रामायण काल में भगवान श्री राम के अयोध्या वापसी के बाद सीता जी के साथ मिलकर कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्योपासना करने से भी जोड़ा जाता है।

छठ पूजा चार दिन तक चलने वाला त्योहार है

पहला दिन- खाय-नहाय : छठ पूजा व्रत चार दिन तक किया जाता है। इसके पहले दिन नहाने-खाने की विधि होती है। जिसमें व्यक्ति को घर की सफाई कर स्वयं शुद्ध होना चाहिए तथा केवल शुद्ध शाकाहारी भोजन ही करना चाहिए।

दूसरा दिन-खरना : इसके दूसरे दिन खरना की विधि की जाती है। खरना में व्यक्ति को पूरे दिन का उपवास रखकर शाम के समय गन्ने का रस या गुड़ में बने हुए व्यंजन एवं चावल की खीर को प्रसाद के रुप में खाना चाहिए। इस दिन बनी गुड़ की खीर बेहद स्वादिष्ट होती है।

तीसरा दिन-अर्घ्य : तीसरे दिन सूर्य षष्ठी को पूरे दिन उपवास रखकर शाम के समय डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए पूजा की सामग्रियों को लकड़ी के डाले में रखकर घाट पर ले जाते हैं। शाम को सूर्य को अर्घ्य देने के बाद घर आकर सारा सामान वैसे ही रखे रहने देते हैं। इस दिन रात के समय छठी माता के गीत गाते हुए व्रत कथा सुनाते हैं।

चौथा दिन-सुबह का अर्घ्य : इसके बाद घर लौटकर चौथे दिन सुबह-सुबह सूर्य निकलने से पहले घाट पर पहुंचना चाहिए। उगते हुए सूर्य की पहली किरण को अर्घ्य अर्पित कर पर्व का समापन किया जाता है।

❖ गुड्डू कुमार

छठ पर्व का पहला अर्घ्य आज

छठ पूजा हिंदू धर्म का मुख्य त्योहार है। आज छठ पूजा में सूर्य को पहला अर्घ्य दिया जाएगा। दर्शन देहू न अपार हे छठी मैया.., उग हे सूरजदेव अरघ के बेरिया.., सुन ले अरजिया हमार हे छठी मैया.. जैसे गीतों की गूंज रविवार शाम छठ पूजा घाटों व घरों में गूंजेगी। छठ घाट पर तैयारियां कर ली गई हैं। सभी छठ घाटों को बिजली के झालरों से सजाए गये हैं। जगमग घाट की परछाई कोयल, अमानत सहित सभी घाटों की सुंदरता में चार चांद लगा रही है। घाट पर आने-जाने के लिए अलग-अलग रास्तों का प्रयोग होगा। हर साल की तरह इस वर्ष भी छठ घाटों पर धूमधाम से सामूहिक रूप से पूजन किया जा रहा है। रविवार को सूर्यास्त के पूर्व से ही व्रती घाट पर पहुंचने लगेंगे। नहर व जलकुंडों में दीप प्रवाहित किए जायेंगे। खरना रस्म के साथ पूरे दिन का उपवास रखकर शाम के समय गन्ने का रस या गुड़ में बने हुए व्यंजन से चावल की खीर को प्रसाद के रुप में खाना होता है। तीसरे दिन भी उपवास रखकर शाम के समय डूबते हुए सूरज को अर्घ्य अर्पित किया जाता है। पूजन सामग्री लकड़ी के पिटारे में रखकर घाट पर ले जाया जाता है। सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत का समापन कर सभी लोगों को प्रसाद वितरण किया जाता है।

❖ सुरेन्द्र कुमार

हिन्दुओं का प्रसिद्ध त्योहार छठ

छठ पूजा को खरना के नाम से भी जाना जाता है। जिस प्रकार दुर्गा पूजा, दीपावली आदि त्योहारों को हिंदु धूमधाम से मनाते हैं। यह पर्व दिवाली के 6 दिन बाद मनाया जाता है। इसी वजह से इसे छठ पूजा के नाम से भी जानते हैं। छठ पूजा दीपावली के 3 दिन बाद से ही शुरू कर दी जाती है। छठवें दिन लोग डूबते हुए भगवान सूर्य की पूजा करते हैं। अगले दिन उदीयमान सूर्य की पूजा करते हैं। छठ पूजा भी हिंदुओ का प्रमुख त्योहार है। लेकिन इस त्योहार का उत्साह और रौनक सबसे अधिक झारखंड, बिहार में देखने को मिलती है। छठ पूजा मुख्य रूप से सूर्यदेव की उपासना का पर्व है। पौराणिक मान्यता के अनुसार छठ मइया सूर्यदेवता की बहन हैं। कहा जाता है कि सूर्य देवता की उपासना से छठ मइया प्रसन्न होती हैं व घरों में सुख शांति सहित धन-धान्य से सम्पन्न करती हैं। इसलिए छठ पूजा को लोग धूमधाम से मनाते है। भगवान सूर्यदेव के प्रति भक्तों के अटूट आस्था का अनूठा पर्व छठ पर्व है। छठ को मनाने की परंपरा बहुत प्राचीन है। कहा जाता है कि बाल हनुमान ने सूर्य को फल समझकर मुंह में समा लिया था। देवताओं के आग्रह करने के बाद हनुमान ने सूर्य को छोड़ा। तभी से डूबते व उगते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा शुरू हुई। खीर में चीनी की जगह गुड़ का प्रयोग करते हैं। शाम को सूर्य को अर्घ्य देने के बाद में उस प्रसाद को भोजन के रूप में ग्रहण करते हैं। उस के तीसरे दिन छठ माता की पूजा किसी नदी या तालाब के किनारे की जाती है। पूजा के बाद छठ माता को शाम के समय गाय के दूध व जल से सूर्य के सामने अर्घ्य देकर अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु इस व्रत को पूरा किया जाता है।

❖ गोलू कुमार

ऋग्वेद में मिलता है सूर्य वंदना का पहला उल्लेख

प्रवीण प्रियदर्शी

छठ सूर्योपासना का अनुपम लोकपर्व है। पूर्वी भारत के बहुत बड़े भाग से इसे धूमधाम से मनाया जाता है। वस्तुतः सूर्य की सृष्टि और पालन शक्ति के कारण सूर्योपासना सभ्यता के विकास के साथ ही विभिन्न स्थानों व संस्कृति में अलग-अलग रूप में प्रारंभ हो गई। हां भारत में सूर्योपासना को विशेष महत्व मिला, यहां इसे सर्जक, पालक के साथ ही आरोग्य और अक्षय ऊर्जा का स्रोत माना गया। ऋग्वेद में पहली बार देवता के रूप में सूर्य की वंदना की गई। इसमें सैकड़ों ऋचाओं में सूर्य की महिमा और वंदना की गई है। इसके बाद अन्य वेदों के साथ ही उपनिषद, पुराण व अन्य ग्रंथों में इसकी चर्चा प्रमुखता से हुई। निरुक्त के रचयिता यास्क ने भी देवताओं में सूर्य को पहले स्थान पर दिया है। उत्तर वैदिक काल के अंतिम कालखंड में सूर्य के मानवीय रूप की कल्पना होने लगी। इसने कालांतर में सूर्य की मूर्ति पूजा का रूप ले लिया। पौराणिक काल आते-जाते सूर्य पूजा और प्रचलित हो गई। देश के कई स्थानों पर सूर्य देव के मंदिर भी बने। प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेन सांग ने 641 ई में नालंदा विश्वविद्यालय से दो किलोमीटर दूर गडगांव में बालार्क सूर्य मंदिर व मूलस्थान में आदित्य मंदिर देखने का वर्णन किया है। पौराणिक साहित्य में देश के बारह सूर्य मंदिरों का वर्णन मिलता है।

आरोग्य देवता सूर्य

पौराणिक काल से सूर्य को आरोग्य देवता भी माना जाता है। सूर्य की किरणों में कई रोगों को नष्ट करने की क्षमता पाई गई। ऋषि-मुनियों ने अपने अनुसंधान के क्रम में किसी खास दिन इसका प्रभाव विशेष पाया। संभवतः यही छठ पर्व (सूर्य षष्ठी) के उद्भव की बेला रही हो। सूर्य की आरोग्य क्षमता के विषय में प्रसिद्ध आख्यान भी हैं। पुराणों के अनुसार भगवान कृष्ण के पुत्र शाम्ब को कुष्ठ हो गया, तो इससे निजात के लिए उन्होंने ऋषि कटका के कहने पर सूर्योपासना प्रारंभ की। इसके लिए विशेष रूप से शाक्य द्वीप से मग ब्राह्मणों को आमंत्रित किया गया। बारह वर्ष की उपासना के बाद शाम्ब स्वास्थ्य हुए तो उन्होंने मूलतान, कोणार्क सहित कई स्थानों पर सूर्य मंदिर का निर्माण कराया। कालांतर में विभिन्न राजाओं ने इन मंदिरों का जीर्णोद्धार करा इसे भव्य रूप दिया। सूर्य और इसकी उपासना की विशेष चर्चा विष्णु पुराण, भगवत पुराण, ब्रह्म वैवर्त पुराण आदि में विस्तार से किया गया है।

छठी मैया की संकल्पना

सूर्य के सात घोड़े उससे निकलनेवाली सात किरणों का द्योतक है तो सूर्य की पालनहारी छह शक्तियां में अंतिम षष्ठी छठी मैया मानी जाती हैं। कई ग्रंथों में इसे सूर्य की बहन बताया गया है। इन्हें बच्चों का संरक्षक भी माना जाता है। इसलिए छठी मैया की महिमा छठ पर्व के मूल में है। बच्चे के जन्म के छठे दिन छठी मनाने की परंपरा में भी यही छठी मैया की महिमा है। सूर्य के अस्ताचलगामी व उदीयमान रूप को अर्घ्य उनकी दो पत्नियों उषा व प्रत्युषा के नाम पर दिया जाता है। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य प्रत्युषा को समर्पित होता है तो उदीयमान सूर्य को अर्घ्य उषा को समर्पित होता है। उषा को ऋग्वेद के अनुसार मानव मन में आध्यात्मिक ऊर्जा के उद्भव का स्रोत भी माना जाता है।

आस्था का महापर्व है छठ

छठ पूजा हिन्दुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। वहीं यह त्योहार महापर्व में घोषित कर दिया गया है। इस दिन छठ माता की पूजा होती है। साथ ही हम सूर्य भगवान को भी धन्यवाद देते हैं। हम अपने अच्छे स्वास्थ्य व रोग मुक्त होने की भी कामना करते हैं। इस त्यौहार की सबसे अधिक रौनक पलामू में देखने को मिलती है। छठ व्रती महिलाएं व पुरुष 48 घंटे तक निर्जला व्रत रहते हैं। मान्यताओं के अनुसार सच्चे मन से छठ व्रत करने पर सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ऐसी मान्यता है कि व्रत रखने वाली महिलाओं को पुत्र की प्राप्ति होती है। साथ ही छठ पर्व साल में दो बार मनाया जाता है। एक चैत्र व दूसरा कार्तिक में। समय के साथ पर्व की महत्ता बढ़ती जा रही है। पहले छठ पूजा के त्यौहार को लेकर सरकारी छुट्टियां नहीं की जाती थी। परंतु अब छठ पूजा के दिन सरकारी छुट्टी भी लागू कर दी गई है। क्योंकि छठ पूजा को उत्तर प्रदेश व बिहार में ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों में भी मनाया जाने लगा है। इसी कारण से छठ पूजा को महापर्व घोषित कर दिया गया है। इस त्योहार को मनाने वाले लोग पलामू में ही नहीं बल्कि हमारे देश के सभी प्रांतों में जहां भी रहते हैं। वहां सभी लोग बड़े धूमधाम के साथ मनाते हैं। इस त्यौहार को झारखंड बिहार, उत्तर प्रदेश में बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है। छठ पूजा से संबंधित बहुत ही प्रचलित और पौराणिक कथाएं हैं। वह यह साबित करती है कि छठ पूजा कितनी महत्वपूर्ण होती है। छठ पूजा का व्रत बहुत ही कठिन होता है। इसमें जो भी व्रत करता है। उसको सभी सुख-सुविधाओं का त्याग करना पड़ता है। इस व्रत में जमीन पर एक कंबल व चादर बिछाकर सोना होता है। जिस में किसी प्रकार की कोई ढिलाई नहीं होती है। प्रवासी भारतीयों के साथ यह पर्व विश्वभर में प्रचलित हो गया है। गाय के कच्चे दूध व जल से सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व की शुरूआत नहाय-खाय से होती है। दूसरे दिन खरना किया जाता है। तीसरे दिन शाम को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। चौथे यानि अंतिम दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। समापन पर सतरंगी सब्जी के सेवन करने का विधान है।

❖ बजरंगी कुमार

जल में खड़े रहकर दिया जाता है सूर्य को अर्घ्य

छठ पूजा साल में दो बार मनाई जाती है। पहली बार चैत्री छठ पूजा व दूसरी बार कार्तिकी छठ पूजा। चैत्री छठ पूजा चैत्र मास के छठे दिन मनाई जाती है व दूसरी कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाई जाती है। यह त्यौहार मुख्यतया चार दिनों तक चलता है। इस त्यौहार को मनाने के सबसे बड़े दो कारण हैं। पहला है सूर्य देव ने हमारी धरती पर यह जो जीवन दिया है। उन्हें धन्यवाद करते हैं। साथ ही साथ छठी मैया जो बच्चों की रक्षा करने वाली देवी के रूप में जानी जाती हैं। लोग अपने बच्चों के भविष्य के लिए उनकी पूजा करते हैं। छठ पर्व की शुरूआत कब हुई। ग्रंथों में उसके बारे में बहुत सी पौराणिक कथाएं मिलती है। उनमें से सबसे प्रचलित कथा रामायण से जुड़ी है। ऐसा कहा जाता है कि लंका विजय के बाद राम व सीता 14 साल के वनवास के बाद अयोध्या लौटे तो उन्होंने पश्चाताप के लिए एक यज्ञ किया। इस दौरान उन्होंने सूर्य उपासना भी किया था। जिसमें भगवान राम व माता सीता ने विधिवत उपवास कर सूर्य देव की आराधना की थी। तब से छठ पूजा की शुरूआत हुई है। छठ पूजा का व्रत किसी कठिन तपस्या से कम नहीं होता है। क्योंकि छठ पूजा का व्रत पति व संतान की लंबी आयु के लिए किया जाता है। किसी भी कामना से जो भी महिलाएं इस व्रत को रखती हैं। उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। महिलाओं के साथ-साथ पुरुष भी अपने काम की सफलता के लिए इस व्रत को पूरी निष्ठा व श्रद्धा से करते हैं। इसलिए वह डूबते हुए सूर्य को देखकर ऐसा मानते हैं कि सूर्य देव पर कोई संकट आया है। उनका संकट दूर हो व हमें वे पुनः प्रकाशमान करें। यही उपासना का ध्येय है। जल में खड़े रहकर लोग सूर्य को प्रणाम करते हैं तथा जब तक सूर्य अस्त न हो जाएं। तब तक लोग बस उन्हें ही देखते रहते हैं व गीत गाते हैं। ऐसा मानना है कि छठ पूजा का त्यौहार करने से व्यक्ति सभी प्रकार के दुख-दर्द एवं बीमारियों से दूर रहता है। इसके साथ-साथ उस व्यक्ति के परिवार के सभी लोग सुरक्षित रहते हैं। इस त्यौहार को करने की प्रमुख मान्यता यह है कि इससे उनके बच्चों पर कोई भी संकट नहीं आता। आराधना से माता छठ एवं भगवान सूर्य की कृपा उस व्यक्ति के परिवार पर सदैव बनी रहती है।

❖ वेद प्रकाश

भक्त पूर्व से ही तैयारियां प्रारम्भ कर देते हैं

छठ पूजा में सिर्फ औरते ही नहीं अब पुरुष भी भाग लेने लगे हैं। जिसमें लोग भगवान सूर्य देव की आराधना करने के साथ निर्जला उपवास करते हैं। यह त्योहार पति की दीर्घायु और संतान सुख की कामना के लिए मनाया जाता है। 36 घंटे के इस निर्जला व्रत के लिए भक्तजन पूर्व से ही तैयारियां प्रारम्भ कर देते हैं। छठ पर्व की रौनक अब भारत के अनेक हिस्सों में दिखाई पड़ने लगी है। दीवाली के बाद से ही महिलाएं इस अनुष्ठान को लेकर तैयारियां शुरू कर देती हैं। छठ पूजा के दौरान किए जाने वाले अनुष्ठानों का गहरा महत्व है। माना जाता है कि उपवास, प्रार्थना व कठोर अनुशासन मन एवं शरीर को शुद्ध करने के साथ-साथ आध्यात्मिक कल्याण को भी बढ़ाते हैं। सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करना पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने व प्रियजनों की समृद्धि व कल्याण के लिए आशीर्वाद मांगने के लिए कृतज्ञता का प्रतीक है। अनुष्ठान भक्तों की ईश्वर के प्रति आस्था, विनम्रता व भक्ति को भी प्रदर्शित करते हैं। यह एक ऐसा अवसर है जो एकता, सद्भाव व सामाजिक बंधन को बढ़ावा देता है। परिवार, दोस्त व समुदाय खुशी-खुशी तथा सद्भावना साझा करते हुए इस त्योहार को मनाने के लिए एक साथ आते हैं। यह त्योहार सामाजिक बाधाओं को दूर कर समावेशिता को बढ़ावा देता है। क्योंकि सभी जातियों, पंथों व पृष्ठभूमि के लोग समान उत्साह के साथ अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। यह एक ऐसा समय है जब व्यक्ति अपने मतभेदों को दूर करते हैं व सांप्रदायिक सद्भाव व सांस्कृतिक विविधता के मूल्यों को मजबूत करते हुए सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं। पर्व आने के पहले ही व्रती महिलाएं सतर्कता बरतना शुरू कर देती हैं। क्योंकि यह पर्व आस्था व पुरे निष्ठा से मनाया जाने वाला पर्व है। पर्व के पहले दिन व्रती महिलाएं चने की दाल, लौकी की सब्जी व रोटी का सेवन करती हैं। दूसरे दिन छोटी छठ खरना को रात मे गुड़ की खीर का सेवन करके व्रत शुरू कर देती हैं। उसके अगले दिन दिनभर व्रत रखने के साथ ही डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। उसके अगले दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण करती हैं। सुख-समृद्धि के प्रतीक सूर्य देव की कृपा धरती के सभी जीव-जंतुओं पर बनी रहे, इसका वरदान मांगती हैं। छठ पर्व पर अपनी सामर्थ्य के अनुसार लोग प्रसाद की व्यवस्था करते हैं। सात, ग्यारह, इक्कीस व इक्यावन प्रकार के फल-सब्जियों व अन्य पकवानों को बांस की डलिया में लेकर व्रती महिला के पति या फिर पुत्र घाट तक जाते हैं। घाट पर पंडित के माध्यम से पहले शाम को व फिर सुबह गाय के कच्चे दूध से भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। घाट तक जाते समय महिलाऐं छठ मइया के गीत गाती हैं। सूर्य उपासना के बाद घाट पर दीपावली जैसा माहौल बन जाता है।

❖ कुमारी रिया

ग्रामीण क्षेत्रों में छठ पर्व को लेकर उल्लास

पलामू में छठ पूजा को लेकर घाट जगमगा उठे हैं। शहरों के साथ ही गांवों में भी छठ पर्व का उल्लास देखते ही बन रहा है। कुछ गांवों में तो महिलाएं छोटे-छोटे तालाब व पोखरा के किनारे ही इस त्यौहार को धूमधाम से मनाती हैं। सूर्य देव की कृपा से सभी की सेहत अच्छी रहती है। सूर्य देव की कृपा से ही घर में धन-धान्य के भंडार भरे रहते हैं। छठ व्रत संतान प्राप्ति के लिए तथा पति की लंबी आयु के लिए किया जाता है। वैसे तो छठ साल में दो बार मनाई जाती है। किंतु कार्तिक छठ का विशेष महत्व है। इसे मनाने को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जाता है। आस्था और श्रद्धा के साथ मनाने वाले पर्व में दिन-प्रतिदिन महिलाओं के साथ पुरूषों की सहभागिता भी बढ़ने लगी है। निर्जला उपवास रख श्रद्धालु छठ माता व सूर्यदेव से परिवार के सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। यह पवित्रता के साथ सूर्य देव की भक्ति से जुड़ा हुआ त्यौहार है। जिसे इस धरती पर जीवन का स्रोत माना जाता है। यह त्यौहार पृथ्वी को ऊर्जा प्रदान करने व जीवन देने के लिए सूर्य देव का धन्यवाद व्यक्त करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। ताकि लोगों को रहने के लिए उपयुक्त वातावरण उपलब्ध हो सके। यह त्यौहार इस विश्वास के साथ मनाया जाता है कि सूर्य देव इच्छाओं को पूरा करते हैं। क्योंकि छठी मैया सूर्य देव की बहन है जो बच्चो कि रक्षा करने वाली देवी के नाम से जानी जाती हैं। इसलिए इस दिन सूर्य देव को प्रसन्न करने के साथ-साथ लोग छठी मैया की भी पूजा करते है। इस त्योहार पर भक्त नदियों व तालाबों में घाटों पर पवित्र स्नान करने के बाद ही प्रसाद तैयार कर सूर्य भगवान व छठी मैया को अर्पित करते हैं।

❖ उर्मिला कुमारी

संकलन : ओम प्रकाश प्रजापति

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

कांग्रेस-जादूगर को राजस्थान की जनता 3 दिसंबर को करेगी छूमंतर : पीएम मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तंज कसते हुए कहा कि जनता 3 दिसंबर को कांग्रेस और 'जादूगर' को छूमंतर करने वाली है। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने भरतपुर में विजय संकल्प सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, राजस्थान में एक सर्वसम्मत आवाज है और वह है राजस्थान में भाजपा को विजयी बनाना। उन्होंने कहा, राजस्थान के लिए भाजपा का दृष्टिकोण इसके विकास को सक्षम बनाना, भ्रष्टाचार को खत्म करना और महिलाओं को सशक्त बनाना है।

उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत दुनिया में अग्रणी बन रहा है। दूसरी तरफ राजस्थान में बीते 5 वर्ष में क्या हुआ वो आप सब जानते हैं। कांग्रेस ने राजस्थान को भ्रष्टाचार, दंगों और अपराधों में अग्रणी बना दिया है। इसलिए अब राजस्थान की जनता कह रही

है कि 'जादूगर' को वोट नहीं देंगे। मोदी ने कहा, कुछ लोग स्वयं को 'जादूगर' कहते हैं। अब उन्हें राजस्थान की जनता कह रही है - 3 दिसंबर कांग्रेस छू मंतर।

भारत की बड़ी उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज, भारत की उपलब्धियां अभूतपूर्व हैं। हम चांद पर हैं, हमने जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की और दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए। उन्होंने कहा कि जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा, भारत का अभूतपूर्व उत्थान भारत के नागरिकों द्वारा भाजपा और भारत के विकास के लिए दिए गए 'वोट' के कारण है।

राजस्थान में शासन की वर्तमान स्थिति की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस के नेतृत्व वाले राजस्थान में भ्रष्टाचार, दंगे और अपराध कानून के नए शासन के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस के नेतृत्व वाले उपद्रव के शासन ने राजस्थान में सभी लोगों के जीवन को विकृत कर दिया है, उन्हें बुनियादी और सामूहिक विकास से वंचित कर दिया है। उन्होंने कहा, राजस्थान में कांग्रेस की स्थापना तुष्टीकरण, आतंक के शासन को प्रकट करने और महिलाओं के खिलाफ लगातार हिंसा को बढ़ावा देने वाले विश्वास को धोखा देने पर हुई है। राजस्थान में कांग्रेस की पिछड़ी मानसिकता को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जब नेता खुले तौर पर कहते हैं कि राजस्थान पुरुषों का राज्य है और उन पर प्रभुत्व है, तो क्या महिलाएं कभी सुरक्षित रह सकती हैं? इसके विपरीत, उन्होंने कहा कि कांग्रेस राजस्थान में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों की घोषणा करके ऐसी मानसिकता को बढ़ावा देती है।

दलितों के प्रति कांग्रेस की नफरत पर विचार करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, दलितों के लिए कांग्रेस की नफरत जगजाहिर है। भारत के मुख्य सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के प्रति उनकी नफरत उसी की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा, दलितों के प्रति कांग्रेस की दुश्मनी ने उन्हें बाबासाहेब आंबेडकर के राजनीतिक करियर को बर्बाद कर दिया।

उन्होंने कहा, इसके विपरीत, यह भाजपा ही है जिसने यह सुनिश्चित किया कि भारत को बाबासाहेब आंबेडकर के बाद अर्जुन राम मेघवाल के रूप में अपना दूसरा दलित कानून मंत्री मिले, जिससे भारत में दलितों का सच्चा सशक्तीकरण हो सके।

चलती कार से बाहर लहराया पिस्टल, सामने आया वीडियो

एजेंसी। गाजियाबाद

गाजियाबाद से एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक चलती कर से एक युवक हाथ बाहर निकले हुए पिस्टल को लहराता हुआ दिखाई दे रहा है और कार चलती जा रही है। उसी कार के पीछे चल रही चल रहे दूसरी कार सवार ने इसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। काफी देर तक यह युवक कार के शीशे से हाथ बाहर निकाल कर पिस्टल लहराता हुआ आसपास के वाहन चालकों को दिखा रहा था। वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद पुलिस घटना का संज्ञान लेने की बात कर रही है और जल्द ही कड़ी कार्रवाई की भी बात कर रही है। यह वीडियो गाजियाबाद के न 24 सिद्धार्थ विहार के पास का बताया जा रहा है। कार सवार बिना पुलिस के डर के और बेहद बेखौफ तरीके से पिस्टल बाहर लहराता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो बनाने वाले ने 38 सेकंड का वीडियो बनाया है। इसमें साफ तौर पर देखने को मिल रहा है की गाड़ी एनएच 24 पर दौड़ रही है और आगे से साइन बोर्ड पर सिद्धार्थ विहार और अन्य इलाकों के साइन बोर्ड दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने इसका संज्ञान लिया

है और वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

गागर में सागर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छठ पर्व की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को छठ पूजा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं भेजी हैं। राष्ट्रपति ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है, "छठ पूजा के शुभ अवसर पर, मैं अपने सभी साथी नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा है कि छठ पूजा सूर्य देव की पूजा को समर्पित त्योहार है। यह नदियों, तालाबों और पानी के अन्य स्रोतों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है। प्रकृति से जुड़ा यह त्योहार आध्यात्मिक चेतना जगाता है और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करता है। छठ पूजा हमें अपने परिवेश को स्वच्छ रखने और अपने दैनिक जीवन में अनुशासन का पालन करने की याद दिलाती है। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा- आइए हम अपने जल संसाधनों और पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाकर प्रकृति मां का सम्मान करने का संकल्प लें। इस शुभ अवसर पर, मैं सभी नागरिकों की खुशी और समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हूं।

आईपीएस अधिकारियों को तकनीक के क्षेत्र में अपडेट रहना होगा : राष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि तकनीक और सोशल मीडिया के युग में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (एआई) और 'डीप फेक' जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। ऐसे में पुलिस अधिकारियों को तकनीक के क्षेत्र में हमेशा अपडेट रहना होगा और अपराधियों पर सदैव बढ़त हासिल करनी होगी। 75 आरआर (2022 बैच) के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के प्रोबेशनर्स के एक समूह ने आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। प्रोबेशनर्स को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि पुलिस प्रशासन तथा कानून-व्यवस्था की मुख्य जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है लेकिन, आईपीएस अधिकारी राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त किए गए पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को नेतृत्व प्रदान करते हैं। इस प्रकार देश की पुलिस व्यवस्था को एक अखिल भारतीय सूत्र में पिरोने का कार्य भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी करते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि राज्य स्तर पर तथा राष्ट्रीय स्तर पर पुलिस बलों ने देश में कानून व्यवस्था बनाए रखने और देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस बलों के सामने साइबर अपराध, ड्रग कार्टेल, वामपंथी उग्रवाद और आतंकवाद सहित कई चुनौतियां मौजूद हैं। नई-नई तकनीक और सोशल मीडिया के प्रभाव से परिस्थितियां तेजी से बदलती हैं। अपराधियों द्वारा जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जाता है और डीप-फेक जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को तकनीक के क्षेत्र में हमेशा अपडेट रहना होगा और अपराधियों पर सदैव बढ़त हासिल करनी होगी। राष्ट्रपति ने कहा कि आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए कानून-व्यवस्था का मजबूत होना एक अनिवार्य शर्त है। विश्व स्तर पर, राष्ट्रीय स्तर पर और स्थानीय स्तर पर यह देखा गया है कि उद्यमी वहां निवेश नहीं करना चाहते जहां कानून व्यवस्था मजबूत नहीं होती है। इस प्रकार, पुलिस विभाग किसी भी क्षेत्र के बहुआयामी विकास में केन्द्रीय भूमिका निभाता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक की प्रतिभा और क्षमता के विकास के लिए अवसर प्रदान करना है। यह हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकता है कि सभी नागरिक विकास यात्रा में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि अमृतकाल के दौरान देश को समग्र रूप से विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में पुलिस अधिकारियों की भी निर्णायक भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि 2022 के इस बैच में 21 प्रतिशत महिलाएं हैं। आईपीएस में 554 महिला अधिकारी कार्यरत हैं जो कि तैनात अधिकारियों की कुल संख्या 4344 का लगभग 13 प्रतिशत है। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि महिला आईपीएस की संख्या में और वृद्धि होती रहेगी।

देश में बढ़ रही हैं आर्थिक विषमताएं : कांग्रेस

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि देश में लगातार आर्थिक विषमताएं बढ़ रही हैं। इसके लिए मोदी सरकार जिम्मेदार है लेकिन ये सरकार इस बात को मानने के लिए राजी नहीं है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को एक समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार का हवाला देते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर बर्बाद हो रहा है। कोरोना काल के बाद दो साल में 40,175 मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां बंद हो गई हैं। इसके बावजूद प्रधानमंत्री को इसकी परवाह नहीं है। वह अपने भाषण के दौरान इन मुद्दों पर बात नहीं करते हैं। रमेश ने आज एक्स पर लिखा कि देश में बड़ी कंपनियां बढ़ रही हैं और छोटी कंपनियां खत्म हो रही हैं। इससे हमारी वह बात, जो हम भारत जोड़ो यात्रा के समय से ही लगातार कह रहे हैं, एक बार फिर सही साबित होती है कि मोदी सरकार में देश में आर्थिक विषमताएं तेजी से बढ़ी हैं।

दर्दनाक हादसा भाई, मां को मत बताना कि मैं यहां सुरंग में फंसा हुआ हूं!

इधर मां का रो-रोकर बुरा हाल

आरएनएम। नई दिल्ली

झारखंड, बिहार व प.बंगाल से तमाम बेहद गरीब युवक अपना पेट पालने व घर चलाने के लिए ठेके पर मजदूरी करने उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिल्क्यारा सुरंग में फंसे गए हैं। मजदूरों के रेस्क्यू ऑपरेशन का आज 7वां दिन था। इस बीच ऑगर मशीन से ड्रिल कर मजदूरों को बाहर निकालने के लिए कोशिश हो रही है। लेकिन कभी मशीन फंस जाने, कभी भारी व मजबूत पत्थर आ जाने और कभी ऊपर से मलबा गिरने के कारण काम बाधित हो रहा है। हालत यह है कि फंसे मजदूरों के परेशान घरवाले अपने - अपने राज्य से उत्तराखंड के सिल्क्यारा सुरंग चले आये हैं। उनसे फंसे हुए अपने परिवारी मजदूरों से बात करा दी जा रही है। इसी बीच चंपावत जिले के छन्नी गोठ गांव के रहने वाले सुरंग में फंसे पुष्कर से उसके भाई विक्रम ने बात की। सुरंग में सात दिनों फँसे पुष्कर ने बेहद कमजोर हो चुकी आवाज में अपने भाई विक्रम से कहा - मां को मत बताना, वो चिंता करेगी..।, पुष्कर उन 41 मजदूरों में से एक है, जो बीते सात दिन से इस सुरंग में फंसे हुए हैं। अब इनकी तबीयत भी बिगड़ने लगी है। फंसे हुए मजदूरों में हिम्मत बनी रहे, इसके लिए उनसे लगातार संपर्क करने की कोशिश हो रही है और उनके परिवार वालों से बात भी कराई जा रही है।

विक्रम ने जब अपने भाई पुष्कर से बात की तो उसकी आवाज बेहद दबी हुई आ रही थी। उसकी आवाज ठीक से नहीं आ रही थी। इन सबके बावजूद उसे अपनी मां की चिंता हो रही थी। पुष्कर ने विक्रम से कहा, भाई, मां को मत बताना कि मैं यहां सुरंग में फंसा हुआ हूं। मैं ठीक हूं, यहां और भी मजदूर फंसे हुए हैं। अगर तुम मां को बताओगे कि मैं यहां फंसा हूं तो वो चिंता करेगी। विक्रम ने कहा, पुष्कर घर में सबसे छोटा है और वो मां को बहुत ज्यादा प्यार करता है, जब मुझे इस हादसे के बारे में पता चला तो मैं बिना माता-पिता को बताए घर से यहां आ गया, लेकिन हमारे पड़ोसियों ने उन्हें इस हादसे के बारे में बता दिया है। उनका भी रो-रोकर बुरा हाल है। वो इस गम से सदमे में हैं। विक्रम ने कहा, मैंने भाई को ये नहीं बताया है कि मां को इस बारे में पता है और वो कितनी परेशान हैं। भाई का जिक्र कर विक्रम भी फफक-फफक कर रो पड़ा। सुरंग में फंसे मजदूरों से संपर्क करने के लिए पाइप डाला गया है। जिसके जरिए उन तक खाना-पानी और ऑक्सीजन पहुंचाई जा रही है। इसी पाइप के जरिए उनसे संपर्क भी किया जा रहा है। बता दें, घटना 12 नवंबर यानी दिवाली वाले दिन की है। जब सुबह उत्तरकाशी में ऑल वेदर परियोजना के तहत निमार्णाधीन सिल्क्यारा सुरंग टूट गई। जिसके चलते उसमें 40 मजदूर फंस गए। इनके रेस्क्यू ऑपरेशन का आज 7वां दिन है। इस बीच ऑगर मशीन के जरिए रास्ता बनाने की कोशिश की जी रही हैं। इंदौर से भी एक मशीन मंगाई गई है। मजदूरों से भी लगातार बातचीत की जा रही है। सभी को इस बात का इंतजार है कि मजदूरों को सुरंग से सुरक्षित निकालने में अभी कितना और समय लगेगा।

फंसे 41 मजदूरों को बचाने के लिए सुरंग के मुहाने पर एक छोटा मंदिर स्थापित किया

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले की निमार्णाधीन सिल्क्यारा सुरंग में एक हफ्ते से फंसे 41 मजदूरों को बचाने के लिए सरकार व ठेकेदार अब भगवान की शरण में पहुंच गए हैं। सुरंग के मुहाने पर नारियल फोड़ व झंडा लगाकर एक छोटा मंदिर स्थापित किया गया। कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि सुरंग की शुरूआत करने के दौरान एक स्थानीय देव बाबा बौखनाग का मंदिर ढहा दिया गया था। इससे देव बाबा नाराज हो गए हैं और उनके प्रकोप के कारण ही सुरंग के अंदर यह हादसा हुआ है। सुरंग का एक हिस्सा ढहने से उसके अंदर फंसे श्रमिकों की संख्या 40 से बढ़कर अब 41 हो गई है। आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर से जारी नई सूची में सुरंग में फंसे मजदूरों की संख्या 41 बताई गई है। बचाव अभियान के छठे दिन निर्माण कंपनी को पता चला कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रही सुरंग में फंसे मजदूरों में बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के निवासी दीपक कुमार पटेल भी शामिल हैं। इस बीच उत्तरकाशी जिला आपातकालीन नियंत्रण कक्ष ने शनिवार सुबह मीडिया को दी जानकारी में बताया कि फिलहाल सुरंग में ड्रिलिंग का काम रुका हुआ है। इसके अनुसार इंदौर से एक और भारी एवं शक्तिशाली ऑगर मशीन के आने का इंतजार किया जा रहा है। यह मशीन देहरादून के जौलीग्रांट हवाई अड्डे पर पहुंच चुकी है, जहां से इसे ट्रक के जरिए सिल्क्यारा लाया जा रहा है। इससे पहले सुरंग में मलबे को भेदने के लिए दिल्ली से एक अमेरिकी ऑगर मशीन लाई गई थी, जिसने शुक्रवार दोपहर तक 22 मीटर तक ड्रिलिंग कर चार पाइप डाल दिए थे। हालांकि बाद में ड्रिलिंग का काम रुक गया। 12 नवंबर की सुबह हुए हादसे के बाद से लगातार चलाए जा रहे बचाव अभियान की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड (के निदेशक अंशु मनीष खाल्को ने कहा कि मलबे में ड्रिलिंग कर छह मीटर लंबे चार पाइप डाल दिए गए हैं जबकि पांचवें पाइप को डालने की कार्रवाई चल रही है।उन्होंने बताया कि चौथे पाइप का अंतिम दो मीटर हिस्सा बाहर रखा गया है जिससे पांचवें पाइप को ठीक तरह से जोड़कर उसे अंदर डाला जा सके। बताया जा रहा है कि सुरंग में 45 से 60 मीटर तक मलबा जमा है जिसमें ड्रिलिंग की जानी है । यह पूछे जाने पर कि मशीन प्रति घंटा चार-पांच मीटर मलबे को भेदने की अपनी जरूरी गति क्यों नहीं हासिल कर पाई, इस पर उन्होंने कहा कि पाइप को डालने से पहले उनका एलाइनमेंट करने तथा जोड़ने में समय लगता है। खाल्को ने यह भी दावा किया कि डीजल से चलने के कारण ड्रिलिंग मशीन की गति धीमी है। उन्होंने कहा कि बीच-बीच में ड्रिलिंग को रोकना भी पड़ता है क्योंकि भारी मशीन को हवा का आवागमन चाहिए और मशीन में कंपन होने से आसपास का संतुलन खराब होने से मलबा गिरने का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

FILMY हलचल

'एनिमल' का लेटेस्ट गाना 'अर्जन वैली' हुआ रिलीज, रणबीर कपूर का दिखा खूंखार किरदार

रणबीर कपूर की अपकमिंग फिल्म 'एनिमल' के निमाताओं ने इसका लेटेस्ट ट्रैक 'अर्जन वैली' जारी किया है। भूपिंदर बब्बल द्वारा गाया गया यह ट्रैक एक पंजाबी गैंगस्टा-पॉप ट्रैक है, जो वास्तव में उनके कैरेक्टर को दिखाता है। ट्रैक बहुत ही सुखद है और इसमें हिप-हॉप से प्रेरित ग्रूव और रिदम हैं, जबकि मेलोडी पंजाबी पॉप से भरपूर है। गाने में स्वैग भी है, लेकिन इसका साउंड जो यह दशार्ता है, उसके विपरीत चलता है, जो एक बहुत ही पूरक विरोधाभास है। मनन भारद्वाज ने म्यूजिक कंपोज किया है। म्यूजिक वीडियो बताता है कि एक्टर का कैरेक्टर वास्तव में कितना हिंसक है। वीडियो में दिखाया गया है कि रणबीर कपूर अपने गैंगस्टर व्यक्तित्व में हैं और उसे पूरी तरह से अपनाते हुए हिंसक हो जाते हैं। इसमें क्रूर और हिंसक हत्याओं का एक समूह शामिल है जो एक पूर्ण जानवर में उनके परिवर्तन को दशार्ता है। स्टाइल, स्वैग, ग्रूव, मेलोडी, एटीट्यूड, एज, 'अर्जन वैली' उन सभी एलिमेंट्स से भरपूर है जो एक फुल बैंगर के लिए चाहिए। संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित, 'एनिमल' एक गैंगस्टर थ्रिलर एक्शन फिल्म है, जिसमें रणबीर कपूर, रश्मिका मंडला, बॉबी देओल, अनिल कपूर, तृप्ति डिमरी और परिणीति चोपड़ा हैं। यह फिल्म 1 दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वी ऐप पर 'छठ गीत' प्ले लिस्ट में शामिल

रांची। छठ पूजा एकजुटता, आभार, समर्पण, खुशियों का त्योहार है और भारतीय त्योहारों में इसका खूब महत्व है। इस पावन उत्सव का जश्न मनाने के लिए भारत के प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने हंगामा के साथ साझेदारी में स्पेशल 'छठ गीत' प्लेलिस्ट क्यूरेट की है, जिसे वी ऐप पर एक्सेस किया जा सकता है। इस स्पेशल 'छठ गीत' प्लेलिस्ट में जाने-माने कलाकारों जैसे शारदा सिन्हा और अनुराधा पौड़वाल के मधुर गीत शामिल हैं। यह कलेक्शन त्योहारों के जोश को बढ़ाकर वी उपभोक्ताओं को संगीत का आनंददायी अनुभव प्रदान करेगा। त्योहारों की इस पेशकश पर बात करते हुए सिद्धार्थ तिवारी, सर्कल ऑपरेशन्स हैड- बिहार, झारखंड और उड़ीसा, वोड़ाफोन आइडिया ने कहा कि वी में हम स्थानीय लोगों की पसंद को ध्यान में रखते हुए आधुनिक डिजिटल पेशकश लाते रहते हैं। हंगामा के साथ साझेदारी में वी की विशेष रूप से पेश की गई 'छठ गीत' प्लेलिस्ट लोगों के साथ जुड़ने की दिशा में अनूठी पहल है।

सलमान खान ने दिया 'टाइगर 4' का संकेत

सुपरस्टार सलमान खान, जो इस समय अपनी हाल ही में रिलीज हुई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'टाइगर 3' को लेकर उत्साहित हैं, ने अब फिल्म के नए सीक्वल 'टाइगर 4' का संकेत दिया है। फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान सलमान के साथ कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी मौजूद थे। फैंस के साथ बातचीत में इमरान ने को-स्टार के रूप में सलमान की प्रशंसा की और कहा, "आप जो देख रहे हैं वही आपको मिलेगा। कोई काल्पनिकता नहीं है। वह आपको परफॉर्म करने में बहुत सहज रखते है। मेरा पहला सीन

उन्हीं के साथ था और वह एक लंबा मोनोलॉग था। और उनके साथ काम करना बहुत आसान था।" सलमान बीच में टोकते हैं और कहते हैं, ₹इस फिल्म में मैं नहीं दिखता, अगली वाली में दिखाया जाएगा। स्क्रीन पर चलने वाले जादू के बारे में बात करते हुए, सलमान ने फैंस की ओर इशारा करते हुए कहा, "अभी तक इन लोगों की बदौलत कुछ करना नहीं पड़ रहा है स्क्रीन पर। जैसा हूं वैसे ही चला जाता हूं, या इनको अच्छा लगता है। जितनी कॉमिक टाइमिंग है उतना रहने दो, जितना एक्शन कर सकते हो उसे थोड़ा सा बढ़ाए जाओ, जितना रोमांस कर सकते हो उससे थोड़ा कम करो ताकि फैमिली वाले देख सकें। और इस फिल्म में कैटरीना हैं, तो थोड़ा रोमांस तो बनता है।"

गागर में सागर

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 46.2 करोड़ डॉलर घटकर 590.32 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 46.2 करोड़ डॉलर घटकर 590.32 अरब डॉलर रह गया था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल मुद्रा भंडार 4.67 अरब डॉलर बढ़कर 590.78 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। अक्टूबर, 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंचा था लेकिन पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम से पैदा हुए दबाव के बीच आरबीआई ने रुपए की विनिमय दर में गिरावट को रोकने के लिए इस पूंजी भंडार का उपयोग किया था जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 10 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 10.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 522 अरब डॉलर से अधिक हो गई। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 60.8 करोड़ डॉलर घटकर 45.51 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.01 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 30 लाख डॉलर बढ़कर 4.79 अरब डॉलर हो गया।

मंडी में मुहूर्त के सौदे, चना की नीलामी में आई काफी बढ़ोत्तरी

उज्जैन। कृषि उपज मंडी में शनिवार मूहर्त की नीलामी हुई। नीलामी में सबसे ज्यादा नीलामी 16113 रुपए की डालर चने की बैलगाड़ी की हुई। दिवाली के बाद अच्छे मोहर्त की नीलामी के लिए किसान 2 दिन पूर्व ही बैलगाड़ी लेकर मंडी पहुंचने लगे थे। आचार संहिता होने के कारण मंडी के व्यापार में ही इस बार मुहूर्त के सौदे किए। उज्जैन की चिमनगंज कृषि उपज मंडी में दिपावली के बाद मुहूर्त के सौदे शनिवार को किए गए। व्यापारियों ने गणेश मंदिर पर आरती कर मंडी में सोयाबीन गेहूं चना उड़द की खरीदी ऊंचे दामों पर की। सोयाबीन 8551 रुपए प्रति क्विंटल बिका। डालर चना 16113 रुपए गेहूं 3551 रुपए, मक्का 5101 रुपए ज्वार ?4551 रुपए प्रति कुंतल बिका है । उज्जैन की चिमनगंज कृषि उपज मंडी 7 दिन के अवकाश के बाद शनिवार को फिर से शुरू हो गई। दरअसल, यहां दीपावली पर्व का अवकाश शुक्रवार को मतदान होने के कारण मुहूर्त के सौदे शनिवार को किए गए। शनीवार सुबह व्यापारियों ने पूजन अर्चन करने के बाद मंडी की शुरूआत की यहां बड़ी संख्या में किसान अपनी फसल बेचने के लिए आए हुए हैं । मंडी में ऊंचे दामों पर फसल खरीदने के लिए मंडी के व्यापारियों ने लॉटरी सिस्टम से टोकन निकाले । सुबह मुहूर्त के सौदों की शुरूआत हुई। यहां गेहूं चने ज्वार मक्का और सोयाबीन की नीलामी बोली व्यापारियों ने लगाई।

कच्चा तेल 81 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। इजराइल-हमास युद्ध के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का भाव उछलकर 81 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शनिवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के अंतिम दिन के कारोबार में ब्रेंट क्रूड 3.19 डॉलर यानी 4.12 फीसदी की उछाल के साथ 80.61 डॉलर प्रति बैरल पर है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 2.99 डॉलर यानी 4.10 फीसदी की बढ़त के साथ 75.89 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

भारतीय इंजीनियरिंग कंपनी पर कतर में बड़ा एक्शन

टैक्स डिपार्टमेंट ने लगाई 239 करोड़ की भारी-भरकम पेनल्टी

एजेंसी। नई दिल्ली

इंजीनियरिंग एवं कंस्ट्रक्शन सेक्टर की दिग्गज भारतीय कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के ऊपर कतर में बड़ी कार्रवाई हुई है। कतर के टैक्स प्राधिकरणों ने एलएंडटी के ऊपर भारी-भरकम पेनल्टी लगाई है। यह पेनल्टी इनकम टैक्स से जुड़े मामले को लेकर है। लार्सन एंड टुब्रो ने अपने ऊपर हुई कार्रवाई की जानकारी शेयर बाजारों को दी है। कंपनी ने बताया है कि कतर में उसके ऊपर दो पेनल्टी लगी हैं। एक पेनल्टी 111.31 करोड़ रुपये की है, जबकि दूसरी पेनल्टी 127.64 करोड़ रुपये की है। इस तरह दोनों को मिलाकर एलएंडटी के ऊपर कतर में 239 करोड़ रुपये की पेनल्टी लगाई गई है। ये पेनल्टी अप्रैल 2016 से मार्च 2017 और अप्रैल 2017 से मार्च 2018 की अवधि के लिए हैं। कंपनी के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, उसके ऊपर यह कार्रवाई इनकम टैक्स से जुड़े मामले को लेकर की गई है। कतर के टैक्स प्राधिकरणों का कहना है कि उन्होंने जो टैक्स एसेसमेंट किया था, कंपनी के द्वारा बताई गई इनकम से मैच नहीं करता है। कंपनी के द्वारा डिक्लेयर की गई इनकम और टैक्स डिपार्टमेंट के आकलन में इसी अंतर की वजह से टैक्स डिपार्टमेंट ने पेनल्टी लगाने का निर्णय लिया है। कतर के टैक्स प्राधिकरणों के इस एक्शन को एलएंडटी ने अतार्किक और मनमाना बताया है। कंपनी ने कहा कि उसने पेनल्टी के खिलाफ अपील दायर की है। कंपनी के असेसमेंट और कतर में लागू कानूनों के हिसाब से कंपनी को इस बात का भरोसा है कि अपील के स्तर पर फैसला उसके पक्ष में आएगा। कंपनी ने इस बात को लेकर साफ-साफ मना किया है कि इस एक्शन से उसकी वित्तीय सेहत या परिचालन पर कोई फर्क पड़ने वाला है। आपको बता दें कि एलएंडटी की गिनती दुनिया की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग व कंस्ट्रक्शन कंपनियों में की जाती है। एलएंडटी अभी भारत व भारत से बाहर दर्जनों प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। सितंबर में समाप्त हुई तिमाही के दौरान एलएंडटी का कंसोलिडटेड रेवेन्यू 51 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा रहा था। कंपनी के रेवेन्यू में सितंबर तिमाही के दौरान साल दर साल आधार पर 19 फीसदी की तेजी आई थी।

अमेजन ने भारत में की कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने के बीच, अमेजन ने भारत सहित अपने एलेक्सा डिवीजन से कई सौ कर्मचारियों को निकालने की घोषणा की है। भारत में इस फैसले से प्रभावित होने वाले कर्मचारियों की संख्या अभी तक पता नहीं चल सकी है। ई-कॉमर्स दिग्गज अगले सप्ताह भारत में प्रभावित सहकर्मियों से संवाद करेंगे। कर्मचारियों को भेजे गए एक ज्ञापन में, एलेक्सा और फायर टीवी टीम के उपाध्यक्ष डैनियल रौश ने कहा कि कंपनी कई सौ कर्मचारियों को निकाल रही है। उन्होंने ज्ञापन में कर्मचारियों से कहा, "जैसे-जैसे हम आविष्कार करना जारी रखते हैं, हम अपने कुछ प्रयासों को अपनी व्यावसायिक प्राथमिकताओं के साथ बेहतर ढंग से संरेखित करने के लिए स्थानांतरित करते हैं, और जो हम जानते हैं वह ग्राहकों के लिए सबसे अधिक मायने रखता है, जिसमें जेनरेटर एआई पर केंद्रित हमारे संसाधनों और प्रयासों को अधिकतम करना शामिल है।

आरबीआई ने हिंदुजा समूह इकाई के अधिग्रहण को दी मंजूरी

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल के लिए समाधान योजना को मंजूरी दे दी।

इस कदम से अंततः हिंदुजा समूह की इकाई - इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) के लिए कंपनी के अधिग्रहण का रास्ता साफ हो गया है। कंपनी की ओर से कहा गया है कि आपको सूचित किया जाता है कि रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के प्रशासक को भारतीय रिजर्व बैंक से 17 नवंबर, 2023 के पत्र के माध्यम से ₹अनापत्ति₹ प्राप्त हुई है। लंबी लड़ाई के बाद, आईआईएचएल इस अप्रैल में संपन्न नीलामी के दूसरे दौर में रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण करने के लिए 9,650 करोड़ रुपये की पेशकश के साथ सबसे अधिक बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी थी। आरबीआई ने 29 नवंबर, 2021 को भुगतान चूक और गंभीर शासन संबंधी मुद्दों को देखते हुए रिलायंस कैपिटल के बोर्ड को भंग कर दिया। आरबीआई ने कंपनी के कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के संबंध में नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त किया। रिलायंस कैपिटल तीसरी बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है,जिसके खिलाफ आरबीआई ने दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के तहत दिवालियापन की कार्यवाही शुरू की थी। अन्य दो श्रेई ग्रुप एनबीएफसी और दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन (डीएचएफएल) थे। बाद में केंद्रीय बैंक ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की मुंबई पीठ में कंपनी के खिलाफ सीआईआरपी शुरू करने के लिए एक आवेदन दायर किया।

गेहूं की बोआई 5% घटकर 86 लाख हेक्टेयर पर

नई दिल्ली। चालू रबी मौसम (सर्दियों की बोआई) में अबतक गेहूं की बोआई का रकबा पांच प्रतिशत घटकर 86.02 लाख हेक्टेयर रह गया है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। पिछले साल की समान अवधि में गेहूं का रकबा 91.02 लाख हेक्टेयर था। मंत्रालय ने कहा, ह्यह्यपिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 91.02 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस बार लगभग 86.02 लाख हेक्टेयर रकबे में बोआई हुई है। इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में 5.01 लाख हेक्टेयर कम रकबे में बोआई की गई है। अब तक उत्तर प्रदेश (3.87 लाख हेक्टेयर), पंजाब (2.28 लाख हेक्टेयर), हरियाणा (2.14 लाख हेक्टेयर) और गुजरात (0.71 लाख हेक्टेयर) में गेहूं बोआई का रकबा कम है। गेहूं का अधिक बोआई रकबा मुख्य रूप से मध्य प्रदेश (3.44 लाख हेक्टेयर) और राजस्थान (0.68 लाख हेक्टेयर) में बताया गया है।

अक्टूबर में भारत का ऑयलमील निर्यात 36% बढ़कर 2.9 लाख टन पर

एजेंसी। नई दिल्ली

सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) और रैपसीड डीओसी की अधिक खेप के कारण पिछले महीने ऑयलमील निर्यात 36 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2.9 लाख टन हो गया। तेल उद्योग के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के आंकड़ों से पता चलता है कि अक्टूबर में ऑयलमील (डीओसी) का निर्यात 2,89,931 टन रहा, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 2,13,153 टन रहा था। सोयाबीन डीओसी का निर्यात पिछले महीने बढ़कर 87,060 टन हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 40,196 टन था, जबकि समीक्षाधीन अवधि के दौरान रैपसीड डीओसी का निर्यात पहले के 98,571 टन से बढ़कर 1,69,422 टन हो गया। एसईए के कार्यकारी निदेशक बी वी मेहता ने कहा, ह्यह्यभारतीय सोयाबीन डीओसी का प्रमुख उपभोक्ता दक्षिण-पूर्व एशिया हैं, जहां भारत के पास लॉजिस्टिक लाभ है और वह छोटी मात्रा में आपूर्ति भी कर सकता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारतीय सोयाबीन डीओसी के गैर-जीएमओ होने के कारण एक फायदा है और कुछ यूरोपीय देशों और अमेरिका द्वारा इसे पसंद किया जाता है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान, ऑयलमील का कुल निर्यात 30 प्रतिशत बढ़कर 25,66,051 टन हो गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 19,75,496 टन का रहा था। चालू वित्तवर्ष के पहले सात महीनों में सोयाबीन डीओसी का निर्यात बढ़कर 6,73,910 टन हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 1,61,534 टन था।

विदेश

दक्षिणी गाजा पर इजरायली बमबारी में 26 फिलिस्तीनियों की हुई मौत

एजेंसी। गाजा

शनिवार को दक्षिण गाजा में खान यूनिस शहर पर इजरायली बमबारी के कारण कम से कम 26 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें ज्यादातर बच्चे हैं। फिलिस्तीन की सरकारी समाचार एजेंसी वाफा के अनुसार, इजरायली विमानों ने खान यूनिस के अपार्टमेंटों पर कई हमले किए। मरने वालों के अलावा कई अन्य लोग घायल भी हुये हैं। समाचार एजेंसी ने बताया कि इजरायली सेना ने इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ताजा हत्याएं तब हुई हैं जब इजरायल ने खान यूनिस के निवासियों को स्थानांतरित होने के लिए एक नई चेतावनी जारी की है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सलाहकार मार्क रेगेव ने शुक्रवार की रात अमेरिकी मीडिया से कहाः ₹मुझे पता है कि यह उनके लिए आसान नहीं है। लेकिन हम नागरिकों को गोलीबारी में फंसते नहीं देखना चाहते। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने एक बयान में यह भी घोषणा की कि क्षेत्र में हमास के कई शीर्ष नेताओं के छिपे होने की खुफिया रिपोर्ट मिलने के बाद वह दक्षिण गाजा में अपना अभियान शुरू करेगा। गाजा पट्टी को उत्तर और दक्षिण गाजा में विभाजित करने और आईडीएफ द्वारा पूर्व का नियंत्रण लेने के साथ, ऐसी खुफिया रिपोर्टें थीं कि हमास के कई शीर्ष नेता दक्षिण में चले गए हैं और इसलिए इस कदम की घोषणा की गई है। आईडीएफ ने स्वीकार किया है कि उत्तरी गाजा से लगभग आठ लाख लोग दक्षिणी गाजा में पलायन कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र राहत कल्याण एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) पहले ही कह चुकी है कि दक्षिण गाजा में उसके केंद्र लोगों से भर गए थे और इस विशाल जबरन प्रवास के बाद कई कठिनाइयां थीं। आईडीएफ ने शुक्रवार देर रात अपने बयान में कहा कि बल व्यवस्थित तरीके से काम कर रहा है और हमास आतंकी संगठन को जल्द ही खत्म कर दिया जाएगा।

चीन-अमेरिका संबंधों के लिए एक नया शुरूआती बिंदु बना 'सैन फ्रांसिस्को विजन'

चीन हमेशा अमेरिका से बेहतर संबंध चाहता है : शी चिनफिंग

एजेंसी। बीजिंग

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 15 नवंबर की सुबह अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात की। पिछले साल 14 नवंबर को इंडोनेशिया के बाली द्वीप में चीन और अमेरिका के राष्ट्रपतियों की मुलाकात के बाद यह एक और महत्वपूर्ण बैठक थी। चीन और अमेरिका के राष्ट्रपतियों के बीच इस बैठक का महत्व न केवल 'बाली लौटना और असामान्य स्थिति को हल करना है। यह एक रणनीतिक, ऐतिहासिक और अग्रणी कदम भी है कि चीन-अमेरिका संबंधों को वापस पटरी पर लाएं। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 'पांच समानताएं' प्रस्तावित की, जिसने चीन और अमेरिका के स्थिर विकास के लिए पांच स्तंभ रखे और द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य के लिए 'सैन फ्रांसिस्को विजन' खोला। सही समझ स्थापित करना चीन-अमेरिका संबंधों का शुरूआती बिंदु है। केवल रिश्तों की स्थिति को स्पष्ट करने और एक-दूसरे की प्रेरणाओं और इरादों को सही ढंग से समझने से ही बातचीत और सहयोग प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि चीन हमेशा स्थिर, स्वस्थ और टिकाऊ चीन-अमेरिका संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। साथ ही चीन के ऐसे हित हैं, जिनकी रक्षा की जानी चाहिए, ऐसे सिद्धांत हैं जिनकी रक्षा की जानी चाहिए, और ऐसी मूल बातें हैं जिनका पालन किया जाना चाहिए। चीन को उम्मीद है कि चीन और अमेरिका भागीदार बन सकते हैं, एक-दूसरे का सम्मान कर सकते हैं और शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में रह सकते हैं।

चीन और अमेरिका के राष्ट्राध्यक्षों की यह बैठक समग्र स्थिति के आधार पर चीन-अमेरिका संबंधों और विश्व स्थिति को स्थिर बनाने के लिए चीन द्वारा की गई एक प्रमुख रणनीतिक विकल्प है। जाने-माने अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफरी सैक्स ने कहा, मैं अमेरिका-चीन संबंधों को संभालने में आपसी सम्मान, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और साझी जीत वाले सहयोग के तीन सिद्धांतों से दृढ़ता से सहमत हूं। मुझे उम्मीद है कि अमेरिका और चीन उभय प्रयास कर भू-राजनीतिक तनाव को दूर कर सकें, विश्व शांति की रक्षा कर सकें, गरीबी उन्मूलन और सतत विकास के लिए योगदान प्रदान कर सकें। सच्चाई यह है कि चीन और अमेरिका के बीच अभी भी कुछ रणनीतिक मुद्दों पर मतभेद हैं। हालांकि, जैसा कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बैठक के दौरान जोर दिया, चीन और अमेरिका को मतभेदों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए और मतभेदों को दोनों देशों के बीच खाई नहीं बनने देना चाहिए।

जेफरी सैक्स ने कहा, मुझे उम्मीद है कि अमेरिका और चीन उभय प्रयास कर भू-राजनीतिक तनाव को दूर कर सकें।

पेज एक के शेष

प्रदेश के जेलों की...

ने जेल के भीतर स्थित तालाब को साफ करवाया है, जहां श्रद्धालु भगवान भास्कर को अर्ध्य अर्पित करेंगे। पलामू स्थित मेदिनीनगर सेंट्रल जेल में भी 12 कैदी छठ व्रत पर उपासना में जुटे हैं। इनमें कुछ ऐसे हैं, जो नक्सली वारदातों में शामिल रहे हैं और जेल लाये जाने के पहले पुलिस के लिए मोस्ट वांटेड हुआ करते थे। यहां भी अर्घ्य के लिए टंकी बनायी गयी है। जेल प्रशासन के सहयोग से साफ-सफाई से सजावट तक की व्यवस्था कैदियों ने ही की है। धनबाद मंडल कारा में आधा दर्जन कैदी छठ की उपासना में जुटे हैं। देवघर, दुमका, कोडरमा सहित राज्य की अन्य कई जेलों में व्रत करने वाले कैदियों के लिए जेल प्रशासन की तरफ से जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं।

पेड़ से टकराई ...

व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। इस बीच जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी और बगोदर विधायक विनोद कुमार सिंह ने सदर अस्पताल पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया।

पीएम मोदी से लेकर...

इसका उपयोग कॉमेडी, सिनेमा, संगीत और गेमिंग में भी किया जा रहा है।शारीरिक अथवा मानसिक रूप से अक्षम लोग अपने ऑनलाइन आवश्यकताओं के लिये सिंथेटिक/कृत्रिम अवतारों का उपयोग कर सकते हैं। यह चिकित्सा प्रशिक्षण और सिमुलेशन को बेहतर बनाता है। यह आभासी रोगियों और परिदृश्यों का निर्माण कर चिकित्सीय स्थितियों एवं प्रक्रियाओं तथा प्रशिक्षण दक्षता में सुधार करने में मदद करता करता है।

इसका उपयोग संवर्द्धित वास्तविकता और गेमिंग अनुप्रयोगों को बेहतर बनाने के लिये भी किया जा सकता है। पर डीपफेक का उपयोग विभिन्न दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिये किया जा सकता है, जैसे-फर्जी खबरों का प्रचार-प्रसार, चुनावों और जनमत को प्रभावित करना, व्यक्तियों अथवा संगठनों को ब्लैकमेल करना और जबरन वसूली करना, मशहूर हस्तियों, राजनेताओं, कार्यकर्त्ताओं एवं पत्रकारों के मान-सम्मान तथा विश्वसनीयता को हानि पहुंचाना, और अश्लील कंटेंट तैयार करना। डीपफेक के विभिन्न नकारात्मक अनुप्रयोग हो सकते हैं, जैसे संस्थानों, मीडिया और लोकतंत्र में जनता के विश्वास कम करना तथा शासन व्यवस्था व मानवाधिकारों को क्षीण करना।

डीपफेक तकनीक व्यक्तियों की गोपनीयता, गरिमा व प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचा सकती है, और विशेषकर महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य तथा कल्याण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है, क्योंकि वे इस प्रकार के दुर्भावनापूर्ण अनुप्रयोगों में सर्वाधिक लक्षित की जाती हैं।

पता करने की प्रक्रिया भी है ऑडियो और वीडियो कंटेंट में किसी प्रकार की विसंगतियों की जांच करना। मूल स्रोत अथवा समान छवियों को खोजने के लिये रिवर्स इमेज सर्च तकनीक का उपयोग करना। छवियों अथवा वीडियो की गुणवत्ता, स्थिरता और प्रामाणिकता का विश्लेषण करने के लिये एआई आधारित टूल्स का उपयोग करना। मीडिया के स्रोत और इसकी प्रमाणिकता के लिये डिजिटल वॉटरमार्किंग या ब्लॉकचेन का उपयोग करना।

डीपफेक के विनियमन के लिए भारत में ऐसे विशिष्ट कानून या नियम नहीं हैं पर भारत ने एथिकल (नैतिक) एआइ उपकरणों के विस्तार पर एक वैश्विक ढांचे का आह्वान किया है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 67 और 67 ए जैसे मौजूदा कानूनों में ऐसे प्रावधान हैं जो डीप फेक के कुछ पहलुओं पर लागू किये जा सकते हैं, जैसे मानहानि तथा स्पष्ट सामग्री प्रकाशित करना। भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 500 मानहानि के लिये सजा का प्रावधान करती है। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, व्यक्तिगत डेटा के दुरुपयोग के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है। सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 दूसरों का प्रतिरूपण करने वाली सामग्री और कृत्रिम रूप से रूपांतरित छवियों को 36 घंटों के भीतर हटाने का आदेश देता है।

गोपनीयता, सामाजिक स्थिरता, राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतंत्र पर संभावित प्रभाव को देखते हुए भारत जैसे संवेदशील देश को डीपफेक को के लिये एक व्यापक कानूनी ढांचा विकसित करने की आवश्यकता है। बैलेचली पार्क में हुए विश्व के प्रथम एआइ सुरक्षा शिखर सम्मेलन 2023 में अमेरिका, चीन और भारत सहित 28 प्रमुख देशों ने एआइ के संभावित जोखिमों को दूर करने के लिये वैश्विक कार्रवाई की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की।

यूरोपीय संघ में दुष्प्रचार पर यूरोपीय संघ की आचार संहिता के तहत तकनीकी कंपनियों को संहिता पर हस्ताक्षर करने के छह माह के भीतर डीप फेक और नकली खातों का मुकाबला करने की आवश्यकता होती है।अनुपालन नहीं करने पर, तकनीकी कंपनियों को अपने वार्षिक वैश्विक कारोबार का 6% तक जुमार्ना भरना पड़ सकता है।अमेरिका ने डीपफेक तकनीक का मुकाबला करने में होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की सहायता के लिये द्विदलीय डीपफेक टास्क फोर्स अधिनियम पेश किया। चीन ने डीप सिंथेसिस पर व्यापक विनियमन पेश किया, जो जनवरी 2023 से प्रभावी है। विनियमन के लिये स्पष्ट लेबलिंग और गहन संश्लेषण सामग्री की ट्रेसबिलिटी की आवश्यकता होती है। मेटा तथा गूगल जैसी बड़ी तकनीकी कंपनियों ने डीप फेक कंटेंट की समस्या से निपटने के लिये उपायों की घोषणा की है। हालांकि खतरा सभी को है और आमजन को सोशल मीडिया पर अपनी हर जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए।

शुभमन गिल, अय्यर, रवींद्र, यानसन ने 'विश्व कप' में अपने पदार्पण से सुर्खियां बटोरीं

एजेंसी। मुंबई

शुभमन गिल, ट्रैविस हेड, श्रेयस अय्यर, मोहम्मद सिराज, रचिन रवींद्र और मार्को यानसन अलग-अलग लोग हैं, लेकिन एक चीज समान है - इन सभी ने भारत में 2023 संस्करण में अपने पहले विश्व कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वे साथी प्रथम-टाइमर डेविड मलान, अजमत उमरजई, मिशेल मार्श, डेवोन कॉनवे, स्कॉट एडवर्ड्स और कैमरून ग्रीन के साथ शामिल हो गए, जिन्होंने आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 में अपना राष्ट्रीय ध्वज ऊंचा रखा। उनके विपरीत इंग्लैंड के हैरी ब्रुक और पाकिस्तान के हारिस राउफ हैं, दोनों से उम्मीद थी कि वे अपने पहले ही मैच में विश्व कप में तूफान ला देंगे। हालाँकि, उनके परिणाम मिश्रित रहे क्योंकि उनकी टीमें नॉकआउट चरण में जगह बनाने में विफल रहीं। गिल, सिराज और अय्यर भारत के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि थे क्योंकि उन्होंने अपने पहले विश्व कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए कुछ कठिन समय का सामना किया। 24 वर्षीय गिल ने एक शीर्ष श्रेणी के सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाई क्योंकि उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत करते हुए आठ पारियों में 346 रन बनाए। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में 16 रन बनाए लेकिन पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ अगली पारी में अपना पहला विश्व कप अर्धशतक (53) बनाया। 94 रन पर आउट होने से पहले उन्होंने वानखेड़े में श्रीलंका के खिलाफ मैच में अपना पहला विश्व कप शतक लगभग पूरा कर लिया था।

उन्होंने दो और अर्धशतक भी लगाए, नीदरलैंड के खिलाफ 51 रन और वानखेड़े में न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 80 रन। दाएं हाथ के खिलाड़ी ने अपने सामने आए मौकों का भरपूर फायदा उठाया।

इस बीच, रोहित शर्मा अपने शॉट्स के लिए गए और अपने आक्रामक साथी के आसपास अपनी पारी बनाने की कोशिश की।

श्रेयस अय्यर एक और भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने अपने पहले विश्व कप में बड़ा प्रभाव डाला। चोट से वापसी करते हुए उन पर मध्यक्रम में बड़ा प्रदर्शन करने का दबाव था।

उन्होंने केएल राहुल के साथ मध्यक्रम को नियंत्रण में रखा। विराट कोहली को एक छोर संभालने का काम सौंपा गया था, अय्यर ने उनके चारों ओर आक्रामक क्रिकेट खेला और सेमीफाइनल में नीदरलैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार शतक बनाए। फाइनल से पहले अय्यर ने 526 रन बनाए।

हालाँकि, जसप्रीत बुमराह और

शुभमन गिल ने पारी को संभाले रखा, लेकिन मोहम्मद सिराज ही थे, जिन्होंने शुरूआती सफलताएं प्रदान कीं। बुमराह चोट से वापसी कर रहे थे जबकि उनके साथी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को बाहर कर दिया गया क्योंकि भारत ने हार्दिक पांड्या के साथ ऑलराउंडर के रूप में खेलते हुए एक अलग संतुलन बनाने की कोशिश की।

अनुभवी मोहम्मद शमी सात मैचों में 23 विकेट के साथ भारत के लिए शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, बुमराह ने अब तक 18 विकेट लिए हैं और सिराज ने 13 विकेट लिए हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि सिराज ने अपनी भूमिका को पूर्णता के साथ निभाया।

एक और खिलाड़ी जिसने विश्व कप में अपने पदार्पण पर प्रभाव डाला, वह ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड हैं जिन्होंने चोट से उबरते हुए, मिले सीमित अवसर में अपनी छाप छोड़ी। जहां डेविड 528 रन के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए सर्वोच्च स्कोरर हैं, वहीं हेड ने चोट से उबरने और वार्नर के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में जुड़ने के बाद खेले गए पांच मैचों में शतक बनाया है।

जबकि 2019 के विजेता, इंग्लैंड के लिए 2023 विश्व कप एक आपदा थी, उनके लिए एकमात्र उज्ज्वल स्थान डेविड मलान का फॉर्म और शानदार बल्लेबाजी थी क्योंकि उन्होंने अपने पहले विश्व कप में नौ मैचों में 44.48 की औसत से 404 रन बनाए थे। मलान ने एक शतक और दो अर्धशतक लगाए और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाई।

अजमतुल्लाह उमरजई ने शीर्ष पर कुछ महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिससे अफगानिस्तान नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करने के बहुत करीब पहुंच गया। इस प्रक्रिया में, अफगानिस्तान ने विश्व कप में इंग्लैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका को हराकर कुछ उलटफेर किए, इससे पहले कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी उम्मीदें टूट गईं।

अपने अनुभवी साथियों रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, रहमत शाह और कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी के साथ, उमरजई ने अफगानिस्तान को कुछ अच्छे लक्ष्य हासिल करने में मदद की और चार मैच जीते।

उमरजई ने अपनी ओर से 70.60 की औसत से 454 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 97 रन रहा।

डेरिल मिशेल (552 रन) के साथ रचिन रवींद्र विश्व कप के स्टार खिलाड़ी रहे, क्योंकि न्यूजीलैंड लगातार पांचवीं बार सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहा और मोहम्मद शमी की शानदार गेंदबाजी से पहले भारत को परेशान करने के करीब पहुंच गया।

रवींद्र ने न्यूजीलैंड को कुछ शानदार शुरूआत दिलाई, जिसमें एक और प्रथम-टाइमर डेवोन कॉनवे ने 10 पारियों में 64.22 की औसत से 578 रन बनाए।

24 वर्षीय खिलाड़ी ने तीन शतक और दो अर्धशतक लगाए और वह भी तेज गति से, क्योंकि न्यूजीलैंड के लिए उतार-चढ़ाव भरा सफर रहा, पहले चार मैच जीते और अगले चार हारे, लेकिन न्यूजीलैंड ने आखिरी मैच जीतकर सेमी में अपनी जगह पक्की की।

रवींद्र, जिनका जन्म भारतीय मूल के माता-पिता से हुआ था और उनका नाम राहुल और सचिन से लिया गया है। उन्होंने पांच विकेट भी लिये।

हालांकि विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का अभियान निराशा के साथ समाप्त हुआ और सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया से हार मिली, लेकिन सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के साथ ऑलराउंडर मार्को यानसन उनके लिए दो उज्ज्वल स्थान थे।

पहली बार खेलने वाले यानसन ने नौ मैचों की आठ पारियों में 157 रन बनाए और 17 विकेट भी लिए, जिससे उन्हें महत्वपूर्ण शुरूआती सफलताएं मिलीं क्योंकि वे लीग चरण के अंत में भारत के बाद दूसरे स्थान पर रहे।

अपने कौशल से मंत्रमुग्ध करने के अलावा, इन उपर्युक्त खिलाड़ियों ने यह भी साबित कर दिया है कि वे भविष्य के खिलाड़ी हैं और उनके कारनामों की चर्चा अगले संस्करण तक की जाएगी।

डेनमार्क, अल्बानिया ने यूरो 2024 क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई किया

बर्लिन। डेनमार्क ने स्लोवेनिया को 2-1 से हराकर एक मैच शेष रहते हुए अपनी योग्यता पूरी कर ली, जबकि मोल्दोवा के साथ 1-1 का गतिरोध अल्बानिया के लिए शुक्रवार को यूईएफए यूरो 2024 में जगह बनाने के लिए पर्याप्त था। डेनमार्क ने घरेलू सरजमीं पर अत्यधिक उत्साह से शुरूआत की और 11 मिनट के खेल के साथ करीब आ गया क्योंकि स्लोवेनिया के गोलकीपर जान ओब्लाक को बॉक्स के अंदर केंद्रीय स्थान से जोनास विंड के खतरनाक हेडर को रोकना पड़ा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मेजबान टीम ने धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से दबाव बढ़ाया और उन्होंने 22 मिनट गुजरने के साथ ही स्कोरिंग की शुरूआत कर दी थी लेकिन जोकिम माहेले का क्लोज-रेंज गोल ऑफसाइड करार दिया गया। स्लोवेनिया डेनमार्क को रोक नहीं सका और 26वें मिनट में पिछड़ गया जब विक्टर क्रिस्टियनसेन के इनस्विंग क्रॉस को बैक पोस्ट पर माहेले मिला, जिसने ओपनर को गोल में डाल दिया। डेनमार्क की बढ़त केवल चार मिनट तक कायम रही, क्योंकि स्लोवेनिया ने लक्ष्य पर अपने पहले ही प्रयास में बराबरी हासिल कर ली, जब एरिक जांजा ने दीवार के ऊपर से दाएं कोने में फ्री किक मारी, जिससे गोलकीपर कैस्पर शमीचेल असहाय हो गए। मेजबान टीम फिर से शुरू होने के बाद हमलों के साथ सामने आई और स्लोवेनिया की रक्षा को व्यस्त रखा।

विश्व कप : दो सफल टीमों के बीच होगा शक्ति परीक्षण

एजेंसी। नई दिल्ली

वनडे विश्व कप के इतिहास की दो सबसे सफल टीमें टूर्नामेंट के 13वें संस्करण के फाइनल में आमने-सामने होंगी। भारत प्रतियोगिता में दस जीत के साथ शानदार प्रदर्शन कर रहा है और उसने किसी भी अन्य टीम की तुलना में अधिक रन बनाए हैं और अधिक विकेट लिए हैं। भारतीय टीम ने पहले पांच मैचों में से प्रत्येक में लक्ष्य का पीछा किया और औसतन 64 गेंद शेष रहते हुए जीत हासिल की। इसके अलावा पिछले पांच मैचों में उन्होंने प्रत्येक अवसर पर लक्ष्य निर्धारित किए हैं और 175 रनों के औसतन अंतर से जीत हासिल की है।

दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया को इस बात से आत्मविश्वास मिलेगा कि वे पिछले आठ वर्षों में भारत में भारत के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला में सफलता का स्वाद चखने वाली एकमात्र टीम हैं, जिसमें इस साल की शुरूआत में मार्च में 2-1 से श्रृंखला जीत भी शामिल है।

अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में अलग-अलग मिट्टी से बनी पिचों का वर्गीकरण है। विश्व कप 2023 में यहां पहली पारी का औसत कुल योग केवल 251 है। यह उन दो स्थानों में से एक है जहां किसी भी टीम ने अभी तक 300 का स्कोर नहीं बनाया है, जबकि चेपॉक

दूसरा स्टेडियम है।

यहां लीग चरण के चार मुकाबलों में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने तीन में जीत हासिल की है (ज्यादातर बिना किसी घबराहट के)। स्पिनरों को दोपहर में सूरज की रोशनी में अधिक फायदा मिलता है, जहां इससे उन्हें पिच पर पकड़ बनाने का मौका मिलता है, हालांकि ज्यादा टर्न नहीं मिलता है। रिपोर्टों के अनुसार, यह मैच एक इस्तेमाल की गई पिच पर खेला जाना तय है और यह काली मिट्टी की प्रकृति की होगी, जो स्पिनरों के लिए कुछ मददगार साबित होगी।

दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट मैदान, नरेंद्र मोदी स्टेडियम ने अब तक टूर्नामेंट में चार मैचों की मेजबानी की है, जिसमें स्पिनरों ने इन खेलों के नतीजे में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भले ही तेज गेंदबाजों ने टूर्नामेंट में कुल 35 विकेट लिए हैं, लेकिन स्पिनरों ने भी 22 विकेट लेकर अच्छा प्रदर्शन किया है। कुल मिलाकर, स्पिनर तेज गेंदबाजों की तुलना में अधिक किफायती साबित हुए हैं। खेल के बीच के ओवरों में स्पिनर्स ने भी प्रभावशाली प्रभाव छोड़ा, जबकि पेसर्स, विशेषकर जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज की भारतीय तिकड़ी, शुरूआती ओवरों में घातक रही है।

2023 में पावरप्ले 1 में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी करने वाली टीम सबसे आक्रामक गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ उतरेगी। इस चरण में दोनों शिविरों से विस्फोटक बल्लेबाजी की उम्मीद है। डेविड वार्नर, ट्रैविस हेड और मिशेल मार्श, इस समय विश्व क्रिकेट में सबसे आक्रामक शीर्ष तीन बल्लेबाज हैं, इस साल पहले पावरप्ले में तीनों का औसत 45 के पार है और 110 की स्ट्राइकिंग पर है। दूसरी ओर भारत के पास जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज की शानदार तिकड़ी है। इस चरण में तीनों का औसत 20.64 है और प्रति ओवर केवल 4.28 की दर से रन देते हैं और यह विश्व कप 2023 में अब तक की सबसे कुशल नई गेंदबाजी आक्रमण है।

क्रिस्टोफर टेलर 30 महीने के लिए निलंबित

नई दिल्ली। जमैका के धावक क्रिस्टोफर टेलर को डोपिंग रोधी नियम के उल्लंघन के लिए 30 महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। एआईयू ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी। एआईयू ने कहा कि टेलर, जिन्होंने 2022 विश्व चैंपियनशिप में 4x400 मीटर रिले में जमैका को रजत पदक दिलाने में मदद की थी, लगभग एक साल पहले एक आउट-ऑफ-कॉम्पिटिशन टेस्ट में नमूना संग्रह प्रस्तुत करने में विफल रहे। इस साल की शुरूआत में, टेलर पर एआईयू द्वारा विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के डोपिंग रोधी संहिता अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था।

13वी हॉकी इंडिया राष्ट्रीय सीनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप

झारखंड ने आंध्रप्रदेश को हराया

नवीन मेल संवाददाता। रांची

चेन्नई में 17 से 28 नवम्बर तक आयोजित 13वीं हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय पुरुष हॉकी चैंपियनशिप 2023 में झारखंड पुरुष हॉकी टीम ने अपने पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया है। हॉकी आंध्रप्रदेश को 10-03 से पराजित कर पूरे तीन अंक अर्जित किया है। झारखंड टीम की ओर से माइकल टोपनो ने तीन गोल, विजय खेस, दिलबर भेंगरा, अनुरोध भेंगरा, जोसेफ कोंगाड़ी, रायन सोय मुरूम, नोएल टोपनो और लव लाइट कुजूर ने एक एक गोल दागा है। झारखंड टीम की पहली जीत पर हॉकी झारखंड और खेल विभाग के पदाधिकारियों ने बधाई दी है। यह जानकारी शनिवार को हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष मनोज कोनबेगी ने दी।

पिछले जूनियर हॉकी विश्व कप के बाद से हमने काफी उन्नति की है : अरिजीत सिंह हुंदल

एजेंसी। बेंगलुरु

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड अरिजीत सिंह हुंदल का मानना है कि उनकी टीम के पास आगामी एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 में पोडियम फिनिश हासिल करने का एक मजबूत मौका है। जूनियर विश्व कप का आयोजन 5 से 16 दिसंबर 2023 तक कुआलालंपुर, मलेशिया में होगा। अरिजीत टूर्नामेंट के लिए कप्तान उत्तम सिंह के डिप्टी के रूप में काम करेंगे। टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। भारत को कनाडा, कोरिया और स्पेन के साथ पूल सी में रखा गया है। भारतीय टीम 5 दिसंबर 2023 को कोरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना,

ऑस्ट्रेलिया, चिली और मलेशिया के साथ पूल ए में हैं। मिस्र, फ्रांस, जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका पूल बी में हैं, जबकि बेल्जियम, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान को पूल डी में रखा गया है। टूर्नामेंट से पहले अरिजीत ने कहा, हमने शिविर में एक टीम के रूप में अच्छी तैयारी की है और अपने खेल के कई प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है। अब टूर्नामेंट तेजी से आगे बढ़ रहा है, और सभी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ और भी अधिक सक्रिय हो रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हम अच्छा प्रदर्शन करें। हम महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों पर काम कर रहे हैं जहां हम सुधार कर सकते हैं और हमारा लक्ष्य पदक के साथ समापन करना है।

वर्ल्ड कप का फाइनल मैच

वायुसेना के सूर्यकिरण की एरोबेटिक टीम का एयर शो होगा खास आकर्षण

म्यूजिक कम्पोजर प्रीतम 500 कलाकारों के साथ करेंगे परफॉर्म

8 राज्यों के सीएम और रिजर्व बैंक के गवर्नर को भी आमंत्रण, वीवीआईपी का होगा जमावड़ा

एजेंसी। अहमदाबाद

देश में वर्ल्ड कप क्रिकेट का खुमार अपने चरम पर जा पहुंचा है। मैच देखने के लिए देश-दुनिया के फैंस फ्लाइट और होटल की बुकिंग के लिए टूट पड़े हैं। अहमदाबाद और उसके निकटवर्ती शहरों के फाइव स्टार, थ्री स्टार और अन्य होटल के रूम की डिमांड आसमान छू रही है। रविवार रात के लिए टॉप पाइव स्टार होटल का किराया 10-12 हजार के बजाय तीन लाख रुपये तक पहुंच गया है। अहमदाबाद, प्रयागराज, मुंबई समेत देश के कई इलाकों में भारत की जीत के लिए प्रथानाएं हो रही हैं। रेलवे ने दिल्ली और मुंबई से अहमदाबाद तक के लिए स्टेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है। आयोजन को यादगार बनाने के लिए मैच से पहले और बाद में कई आकर्षण दर्शकों को रोमांचित करेंगे। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में रविवार दोपहर 02 बजे से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप का फाइनल मैच खेला जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले इस रोमांचक मुकाबले को खास बनाने के लिए आईसीसी और

बीसीसीआई दोनों ने मिलकर विशेष तैयारी की है। वर्ल्ड कप फाइनल से पूर्व वायु सेना के सूर्यकिरण की एरोबेटिक टीम की ओर से एयर शो किया जाएगा। इसके लिए गुरुवार और शुक्रवार को वायुसेना के विमानों ने इसका पूर्वाभ्यास किया। मैच में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स के अलावा 100 से अधिक वीवीआईपी अमदाबाद के मेहमान बनेंगे। बॉलीवुड के म्यूजिक कम्पोजर प्रीतम 500 कलाकारों के ग्रुप के साथ परफॉर्म करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक मैच पूर्ण होने के बाद आसमान रंगीन रोशनी से नहा उठेगा, इसके लिए आतिशबाजी की विशेष तैयारी की गई है। इसके अलावा 1200 ड्रोन के जरिए खास ड्रोन शो किया जाएगा। इसमें एरियल शो में विजेता की टीम शामिल होगी। वर्ल्ड कप फाइनल में भव्य लेजर शो के लिए यूके के लेजर शो प्रोडक्शन कंपनी को साथ शामिल किया गया है। मैच पूर्ण होने के बाद वर्ल्ड चैम्पियन टीम के नाम समेत वर्ल्ड कप ट्रॉफी समेत कलाकृति ड्रोन के जरिए दिखाया जाएगा।

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप फाइलन मैच का रोमांच लोगों के सिर चढ़कर बोलने लगा है। गुजरात और देश-विदेश से दर्शकों का अहमदबाद पहुंचना शुरू हो गया है। वीवीआईपी अतिथियों से भी दर्शक दीर्घा रविवार को भर जाएगी, ऐसी सूचनाएं भी मिल रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और देश के गृह मंत्र अमित शाह के मैच में उपस्थित रहने की पहले ही पुष्टि हो चुकी है। इसके तहत प्रशासन ने जी-तोड़ तैयारी शुरू की है। मैच में रिलायन्स इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी के परिवार के साथ उपस्थित रहने की सूचना है। इसके अलावा 8 राज्यों के मुख्यमंत्री और रिजर्व बैंक के गर्वनर शक्तिकांत दास के भी मैच देखने आने की सूचना मिली है। मैच में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स के आने की जानकारी मिली है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज को भी निमंत्रण दिया गया है, उनके आने की अभी पुष्टि होनी बाकी है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा और अहमदाबाद में मैच के दौरान मौजूद रहेगा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के अलावा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा भी अहमदाबाद फाइनल मैच देखने आएंगे।

इनके आने की है संभावना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स, गृह मंत्री अमित शाह, सचिन तेंदुलकर, क्लाइव लॉयड, कपिल देव, एमएस धोनी, इयान मोर्गन, रिकी पॉन्टिंग, फिल्म स्टार रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, नीता अंबानी परिवार के साथ, मुकेश अंबानी, गौतम व करण अदाणी, जिंदल ग्रुप के पार्थ जिंदल, अनिल रायगुप्ता, माधव सिंघानिया, दीपक पारेख, अदार पुनावाला, आथिया शेट्टी, अनुष्का शर्मा, अक्षय कुमार, अजय देवेगन, पीसीबी के प्रमुख जका अशरफ, हार्दिक पंडया और चहल, मोहनलाल वेंकटेश, सिंगापुर के गृह मंत्री के शनमुगम, चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक श्रीनिवासन आदि के अहमदाबाद मैच देखने आने की सूचना है।

आज 12.30 बजे एयर शो

वायुसेना के सूर्यकिरण विमानों के जरिए एयर शो का आयोजन किया जाएगा। शाम 5.30 बजे से हाई टाइम परफॉर्मेंस के तहत आईसीसी सभी विश्व कप के पूर्व विजेताओं के कैप्टेंस की परेड कराएगी। वे अपनी पुरानी यादों को भी लोगों के समक्ष पेश करेंगे। संगीतकार प्रीतम और 500 कलाकारों का भव्य परफॉर्मेंस होगा। वे सभी मैदान का 360 डिग्री चक्कर लगाकर विभिन्न गीतों पर प्रस्तुति देंगे। रात 8.30 बजे ड्रिंक्स ब्रेक होगा। इस दौरान 90 सेकेंड का लेजर शो होगा। मैच के बाद विश्व विजेता को ट्रॉफी एनायत किया जाएगा। इस दौरान 1200 ड्रोंस के साथ विशेष शो आयोजित होगा। इसके बाद यदि भारतीय टीम विश्व विजेता बनती है तो अहमदाबाद में भव्य रोड शो किया जाएगा। यह संभवतः रिवरफ्रंट में होगा।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने साल की 55वें मैच में जीत दर्ज की

लेकिन ट्यूरिन सेमीफाइनल से चूके

एजेंसी। ट्यूरिन

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने निट्टो एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल से चूकने के बावजूद जीत के साथ 2023 में अपने शानदार वापसी सत्र का अंत किया। उन्होंने शुक्रवार रात आंद्रेई रुब्लेव को 6-4, 6-4 से हराया और 55 मैच जीत के साथ विश्व नंबर 7 के रूप में वर्ष का अंत किया। 2022 के रौलां गैरो सेमीफाइनल में टखने की चोट के बाद 2022 सीजन के आधे से अधिक भाग से चूकने के बाद, ज्वेरेव ने सीजन के दौरान जो हासिल किया उससे वे काफी संतुष्ट होंगे, जो कि उनके पहले नौ मैचों में सिर्फ तीन जीत के साथ शुरू हुआ था। जर्मन ने रेड ग्रुप को 2-1 रिकॉर्ड के साथ समाप्त किया लेकिन सीजन के समापन के नॉकआउट चरण से चूक गए क्योंकि ग्रुप प्रतिद्वंद्वियों कार्लोस अल्काराज और दानिल मेदवेदेव के पास बेहतर सेट-जीत रिकॉर्ड थे। ज्वेरेव ने कहा, मुझे इस सप्ताह को सकारात्मक तरीके से देखना होगा। मैंने अल्काराज को हराया और रुब्लेव को हराया।" ज्वेरेव

ने रुब्लेव की दूसरी सर्विस पर 64 प्रतिशत अंक जीते। चोट के बाद, दो मैच जीतकर दुनिया के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के साथ यहां वापस आना, मुझे बहुत उम्मीद देता है। मैं अगले वर्ष के लिए उतना ही प्रेरित हूं जितना मैं हूं। दो बार के निट्टो एटीपी फाइनल्स चैंपियन ने अल्काराज पर तीन सेट की जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरूआत की, लेकिन अपने दूसरे मैच में मेदवेदेव से सीधे सेटों में हार महंगी साबित हुई। रुब्लेव के लिए पाला एल्पिटौर में यह निराशाजनक वापसी थी, जो पिछले साल सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद इस बार एक भी मैच जीतने में असफल रहे। लेकिन वह अभी भी खुद पर गर्व कर सकता है।